सुविचार
फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना, क्योंकि इस बार सुरुवात शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 07 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 21 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
यशराज प्रोडक्शन का आलिया भट्ट पर...

SHARE

संसेक्स	:	72,186.09
निफ्टी	:	21,929.40

SARAFA

सोना	:	5,935
चांदी	:	76.70

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गिरिडीह में हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

GIRIDIH : जिले की ताराटांड़ थाना पुलिस ने पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपित को दबोचा है। इस दौरान एक अन्य अपराधी इमरान अंसारी फरार होने में सफल रहा। यह जानकारी मंगलवार को एसपी दीपक कुमार शर्मा, एसडीपीओ बिनोद रवानी, डीएसपी 2 कोशर अली और ताराटांड थाना प्रभारी प्रदीप महतो ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश शहादत अंसारी अहिल्यापुर थाना इलाके के जामजोरी गांव का रहने वाला है। वह साथी इमरान अंसारी के साथ गिरिडीह धनबाद के बड़कीटांड जंगल में छिपकर किसी बडी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर शहादत अंसारी को गिरफ्तार किया गया। अब पुलिस उसके फरार साथी इमरान को भी दबोचने में जुटी हुई हैं।

पत्नी की गला रेतकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

LATEHAR : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत शिंजो गांव निवासी शंभू प्रसाद ने सोमवार देर रात पत्नी कोमल देवी (35) की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद वह लातेहार थाने पहुंचा। उसने पुलिस के समक्ष पत्नी की हत्या करने की बात बतायी। आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पुलिस इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार ने बताया कि शंभू प्रसाद और उसकी पत्नी कोमल देवी के बीच अक्सर झगड़ा हुआ करता था। सोमवार की रात में भी दोनों पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ। नाराज शंभू प्रसाद ने तेज चाकू से पत्नी का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। देर रात की होने के कारण आसपास के लोगों को इसकी जानकारी नहीं हो पाई। मंगलवार सुबह लोगों को इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

आर्मी इंटेलिजेंस ने संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को दबोचा

RAJASTHAN : राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर के पोखरण क्षेत्र से आर्मी इंटेलिजेंस ने मंगलवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा। संदिग्ध 2014 में अपने परिवार के साथ टर्म वीजा पर भारत आया था और अभी आर्मी कैंट एरिया में लेबर का काम कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार युवक जनवरी 2024 से आर्मी कैंट एरिया में लेबर का काम करता था। युवक जांच के दौरान फोन पर बात करते पकड़ा गया। उसके फोन में पाकिस्तान के नंबर से बात करने और सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी लोगों से ऑडियो-वीडियो कॉल के जरिए बातचीत के भी सबूत मिले हैं। संदिग्ध युवक का नाम मनुजी भील (24) है।

मार्च से शुरू होगी जबलपुर से दिल्ली व मुंबई के लिए यात्री विमान सेवा

BHOPAL : मध्यप्रदेश में उड़ान सेवाओं के विस्तार के लिए अगले महीने से दिल्ली से जबलपुर और मुंबई से जबलपुर की सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू की जाएगी। जबलपुर को दिल्ली और मुंबई से जोड़ने वाली उड़ान सेवा स्पाइसजेट द्वारा संचालित की जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली से जबलपुर के लिए सीधी उड़ान 1 मार्च 2024 से शुरू होगी। दिल्ली और जबलपुर के बीच उड़ान सेवा एक मार्च 2024 से सप्ताह में दो दिन संचालित होगी।

हेमंत व भानु को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर रही ईडी

भानु प्रताप को जेल से लेकर रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची ईडी

PHOTON NEWS RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम बड़गाईं अंचल के राजस्व निरीक्षक (हल्का कर्मचारी) भानु प्रताप प्रसाद को होटवार जेल से लेकर मंगलवार को एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची। ईडी ने भानु को चार दिनों के रिमांड पर लिया है। ईडी के अधिकारी हेमंत सोरेन और भानु प्रताप प्रसाद को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर रहे है।

उल्लेखनीय है कि दो फरवरी को ईडी ने पांच दिनों की पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन को रिमांड पर लिया है। बुधवार को रिमांड अवधि का अंतिम दिन है। बड़गाईं अंचल स्थित 8 एकड़ 46 डिसमिस जमीन की खरीद-बिक्री के मामले में ही भानु प्रताप प्रसाद को भी ईडी ने रिमांड पर लिया है। अब ईडी की टीम हेमंत सोरेन और भानु प्रताप प्रसाद को आमने-सामने बैठकर पूछताछ कर रही है।

दूसरी ओर, ईडी ने बड़गाई अंचल के प्राइवेट अमीन शसेंद्र महतो को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। शसेंद्र महतो ने बड़गाई अंचल की 8.46 एकड़ जमीन की नापी की है। ईडी की टीम ने अमीन शसेंद्र महतो से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रश्नपत्र लीक मामले में अभियुक्तों की शिनाख्त कर गिरफ्तारी का आदेश

RANCHI : झारखंड सामान्य स्नातक, योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 प्रश्न पत्र लीक मामले में राज्य सरकार द्वारा पुनः एसआईटी का गठन किया गया है। इस कार्य के लिए संजीव कुमार बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक सदर, रांची स्पेशल टास्क फोर्स का नेतृत्व करेंगे। एसआईटी में चार पुलिस निरीक्षक समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। इससे संबंधित आदेश मंगलवार को वरीय आरक्षी अधीक्षक द्वारा जारी कर दिया गया।

झारखंड सामान्य स्नातक, योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023, 28 जनवरी को निर्धारित था लेकिन परीक्षा संचालन के पूर्व ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था। इस घटना के उपरांत तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, सदर के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया था लेकिन कांड के अनुसंधानकर्ता-सह-पुलिस उपाधीक्षक सदर, रांची का इस जिला से अन्यत्र स्थानान्तरण रूटीन प्रक्रिया के तहत हो गया है। संजीव कुमार बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक सदर, रांची को इस कांड के अग्रतर अनुसंधान के लिए अनुसंधानकर्ता के रूप में नामित किया गया है। एसआईटी को उपरोक्त प्रश्न पत्र लीक किए जाने के मामले में संलिप्त अभियुक्तों की जल्द शिनाख्त कर गिरफ्तारी का आदेश दिया गया है।

नामकुम थाना में दर्ज है मामला

इस संदर्भ में नामकुम थाना कांड संख्या 45/24, दिनांक 29 जनवरी को आईपीसी की धारा- 467/ 468/420/120बी., 66 आई.टी. एक्ट एवं 12 झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण) अधिनियम 2023 के अन्तर्गत अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध दर्ज किया गया है।

विकास का खाका हेमंत बाबू ने खींचा था उस पर ही काम आगे बढ़ेगा : चंपाई सोरेन

सदन में संबोधित करते सीएम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि जो विकास का खाका हेमंत बाबू ने खींचा था, उस पर ही काम आगे बढ़ेगा। राज्य के आदिवासी, दलित, मूलवासियों के सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए, भूमि पुत्रों के लिए विशेष योजना जो बनी, उसे ही आगे बढ़ायेंगे। वे भानु प्रताप शाही के सवाल पर जवाब दे रहे थे।

भानु ने सवाल किया कि पार्ट-1 में 4 सालों में 6000 महिलाओं के खिलाफ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इसमें से 4000 आदिवासी, दलित महिलाएं हैं। क्या वर्तमान पार्ट-2 सरकार में इसे आगे बढ़ाया जायेगा? भानु ने कहा कि हर साल पांच लाख युवाओं मतलब अबतक 20 लाख युवाओं को नौकरी नहीं देने, बेरोजगारी भत्ता यह पार्ट-2 वाली सरकार भी नहीं देगी। राज्य में बालू, पत्थर, कोयला, जमीन की लूट, शराब घोटाला इस सरकार में भी होता रहेगा। मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

भानू प्रताप ने कहा कि वास्तव में चम्पाई सोरेन 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही मुख्यमंत्री बने। श्रीरामलला धरा पर आये और उसके बाद ही चम्पाई मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए। हरे झंडे वाले और हरा चश्मा पहनने वालों को हरा दिखाई देता है। भानु ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर झारखंड के लिए आंदोलन किसके खिलाफ चल रहा था। उस समय तो भाजपा नहीं थी। पिछले चालीस सालों में आदिवासियों को कांग्रेस ने केवल लालीपॉप पकड़ाया।

शिबू सोरेन यदि झारखंड आंदोलन के लिए लड़े तो छत्तीसगढ़, उत्तराखंड के लिए किसने लड़ाई लड़ी? यह भाजपा का विशाल हृदय था जो तीन तीन स्टेट बनवाये। यहां झारखंड बनने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी, आडवाणी जी ने आदिवासी नेता बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री बनाया। फिर अर्जुन मुंडा बने, शिबू सोरेन को भी भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री बनाया गया। फिर अर्जुन मुंडा के मुख्यमंत्री बनने पर डिप्टी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बनाया गया। आज राष्ट्रपति के पद पर आदिवासी महिला हैं जो बताता है कि भाजपा आदिवासी समाज के लिए क्या भाव रखती है।

हेमंत सोरेन ने पांच फरवरी को सदन में भाजपा पर उन्हें जेल भेजे जाने का साजिश रचने की बात कही थी। कोई बताए कि चिरूडीह हत्याकांड, शशिनाथ झा हत्याकांड, नोट फॉर वोट में शिबू सोरेन को जेल किसने भेजा।

हरदा की अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद लगी भीषण आग, छह की मौत

AGENCY BHOPAL : मध्य प्रदेश के हरदा जिला मुख्यालय के पास मगरधा रोड स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में आतिशबाजी के इस्तेमाल के लिए रखे गए बारूद के संपर्क में आकर आग ने जल्द विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता है। हादसे में सात लोगों की मौत की सूचना है, जबकि 25 से अधिक घायलों को हरदा जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने 100 से ज्यादा घर खाली करवा दिए हैं। फैक्ट्री में लगातार धमाके हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, शहर के मगरधा रोड पर स्थित ग्राम बैरागढ़ में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री का संचालन हो रहा था। यहां मंगलवार सुबह जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद फैक्ट्री में आग लग गई। इसकी वजह से क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल हो गया और लोग इधर-उधर भागते नजर आए। हादसे के बाद फैक्ट्री में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। फैक्ट्री में रुक-रुककर धमाके हो रहे हैं।

फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद है। फैक्ट्री में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। खबर लिखे जाने तक करीब 25 लोगों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 21 करोड़ की ठगी, एक गिरफ्तार

MUMBAI : पश्चिम रेलवे की विशेष सतर्कता टीम ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 300 लोगों से 21 करोड़ की ठगी करने के आरोप में प्रसाद रोहीदास को गिरफ्तार कर लिया है। सतर्कता टीम इस ठगी गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। दरअसल, पश्चिम रेलवे पुलिस को रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर युवकों को झांसा देकर ठगी किए जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इस पर पश्चिम रेलवे की सतर्कता टीम पिछले 3 महीने से इस रैकेट को खोज रही थी।

यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन पर 'श्वेत पत्र' लाएगी मोदी सरकार

AGENCY NEW DELHI : मोदी सरकार संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के 10 वर्षों के कार्यकाल के दौरान आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर श्वेत पत्र लाने की योजना बना रही है। सूत्रों का कहना है कि ये श्वेत पत्र सदन में शुक्रवार (9 फरवरी) या फिर शनिवार (10 फरवरी) को पेश किया जा सकता है। यह श्वेत पत्र यूपीए शासनकाल के दौरान अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन पर केंद्रित होगा। माना जा रहा है कि इस दौरान मोदी सरकार अपने 10 वर्षों के विकास कार्यों का लेखाजोखा भी संसद में पेश कर सकती है। उल्लेखनीय है कि सदन का बजट सत्र 31 जनवरी से लेकर शुक्रवार 09 फरवरी को समाप्त होना था। इसे एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है।

खूंटी में नहीं हुआ राहुल गांधी का रोड-शो सड़कों पर इंतजार में खड़े रहे समर्थक

सड़कों पर इंतजार करते कांग्रेस के समर्थक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : कांग्रेस नेता राहुल गांधी का स्वागत करने और उन्हें देखने की लालसा में मंगलवार को सुबह से ही खूंटी और तोरपा में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक और स्कूली बच्चे इंतजार करते रहे लेकिन राहुल गांधी बस से ही हाथ हिलाकर सिमडेगा के लिए निकल गये। ऐसे में कांग्रेस कार्यकताओं की तैयारियों पर पानी फिर गया।

सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक सुबह छह बजे ही कचहरी मैदान पहुंच गये और राहुल गांधी के अपने कैंप से बाहर निकलने का इंतजार करते रहे। राहुल सुबह साढ़े आठ बजे कुछ कांग्रेस नेताओं से बातचीत करने के बाद खुली जीप में सवार होकर कचहरी पार्क स्थित बिरसा पार्क पहुंचे। यहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद वे बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा से मिले और अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया। बाद में वे सिमडेगा के लिए निकल गये। उस जीप पर पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा और बंधु तिर्की भी सवार थे।

राहुल गांधी के स्वागत के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा और जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में काफी तैयारी की गई थी। योजना के अनुसार मंगलवार को राहुल गांधी को कचहरी मैदान से भगत सिंह चौक तक रोड-शो करना था। सोमवार को भी खूंटी में राहुल गांधी का रोड-शो नहीं हुआ था। इसलिए सुबह से ही भारी संख्या में कांग्रेस समर्थक बाजे-गाजे के साथ कचहरी मैदान पहुंच गये थे, ताकि रेड शो का सफल बनाया जा सके लेकिन राहुल गांधी वहां से जीप पर सवार होकर सिमडेगा के लिए रवाना हो गये।

34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले की जांच से संबंधित दस्तावेज सीबीआई से मिले हैं या नहीं : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में 34वें नेशनल गेम्स में 28 करोड़ 38 लाख रुपये के घोटाले की अनुसंधान से संबंधित पुराने दस्तावेज सीबीआई से दिलाने का आग्रह करने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा की याचिका की सुनवाई हुई।

कोर्ट ने मामले में ईडी के अधिवक्ता को निर्देश दिया है कि वह दो सप्ताह में ईडी से इंस्ट्रक्शन लेकर बताएं कि उन्हें अब तक मांगे गए अनुसंधान से संबंधित पुराने दस्तावेज सीबीआई से मिला है या नहीं। मामले की अगली सुनवाई 13 फरवरी को होगी। दस्तावेज के लिए पूर्व में ईडी की ओर से सीबीआई और एसीबी के पास रिप्रेजेंटेशन भी दिया गया था लेकिन अबतक यह ईडी को उपलब्ध नहीं हो सका है।

11 अप्रैल, 2022 को झारखंड हाई कोर्ट ने कई सालों से एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में चल रहे इस मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया था। हालांकि, बाद में इस मामले में शेड्यूल ऑफेंस को देखते हुए ईडी ने भी इस मामले में अनुसंधान प्रारंभ किया है लेकिन उसे सीबीआई से अनुसंधान से संबंधित पुराने दस्तावेज नहीं मिल पा रहे थे, जिसे लेकर ईडी की ओर से सीबीआई से अनुसंधान के दस्तावेज दिलवाने का आग्रह करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

इस मामले की जांच सीबीआई से कराने को लेकर एक याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में चल रही थी। कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनते हुए सीबीआई को जांच का आदेश दिया है। यह मामला वर्ष 2011 का है। रांची के होटवार स्थित खेलगांव में 34वें राष्ट्रीय खेल का आयोजन हुआ था। उस समय राष्ट्रीय खेल के आयोजन में 28 करोड़ 38 लाख रुपये का चूना राज्य सरकार को लगने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई से पहले इस मामले की जांच करीब 11 साल से एसीबी कर रही थी। इस मामले में आयोजन समिति के तत्कालीन कार्यकारी अध्यक्ष आरके आनंद, कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, आयोजन समिति के सचिव एसएम हाशमी के अलावा पीसी मिश्रा समेत अन्य पर वित्तीय अनियमितता का आरोप है।

पब्लिक एग्जामिनेशन बिल लोकसभा से पास, अब राज्यसभा में किया जाएगा पेश

पेपर लीक-चीटिंग पर 10 साल जेल, एक करोड़ जुर्माना

AGENCY NEW DELHI : सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल करने पर आरोपियों को 10 साल की जेल और 1 करोड़ रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार (6 फरवरी) को इन पर रोक लगाने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (गलत साधनों की रोकथाम) बिल पास कर दिया गया। अब इसे राज्यसभा में भेजा जाएगा। यह बिल कानून बनाता है तो पुलिस बिना किसी वारंट के संदिग्धों को गिरफ्तार करने का अधिकार होगा। आरोपी को जमानत नहीं मिलेगी और इन अपराधों को समझौते से नहीं सुलझाया जा सकेगा। हालांकि, प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उन बच्चों को टारगेट नहीं किया जाएगा, जो जानबूझकर इसमें शामिल नहीं होते हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने लोकसभा में बिल पेश करते हुए कहा- पब्लिक एग्जामिनेशन बिल में क्वेश्चन और आंसर सीट के लीक होने, डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तरीके से कंडीडेट का सहयोग करने जैसे अपराध शामिल किए गए हैं।

इसके अलावा चीटिंग और गलत तरीके से पैसे कमाने के लिए फेक वेबसाइट बनाने, फर्जी एग्जाम्स कराने के लिए नकली एडमिट कार्ड या ऑफर लेटर जारी करने जैसे गैर-कानूनी काम को भी इस बिल में शामिल किया गया है।

बिल के दायरे में केंद्र सरकार से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं

बिल कानून का रूप ले लेता है को युपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग, नेट-मेडिकल और इंजीनियरिंग समेत कई परीक्षाएं इसके दायरे में रहेंगी। ये बिल 10वीं या 12वीं की परीक्षाओं पर लागू नहीं होगा। इसके साथ ही ये राज्यों की परीक्षाओं पर भी लागू नहीं होगा, क्योंकि कई राज्यों में नकल को लेकर अपने कानून हैं।

भारत-म्यांमार की 1643 किमी सीमा की होगी फेंसिंग : शाह

AGENCY NEW DELHI : केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कहना है कि देश की सीमा को अभेद्य बनाना मोदी सरकार की प्रतिबद्धता है। इसी क्रम में म्यांमार से लगती देश की 1643 किमी की सीमा की फेंसिंग की जाएगी। मणिपुर में इसका काम शुरू हो गया है और आगे की फेंसिंग को मंजूरी दी जा चुकी है।

गृह मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया गया है। बेहतर निगरानी की सुविधा के लिए सीमा पर एक गश्ती ट्रैक भी बनाया जाएगा। सीमा की कुल लंबाई में से, मणिपुर के मोरेह में 10 किमी की दूरी पर पहले ही बाड़ लगाई जा चुकी है। इसके अलावा, हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम (एचएसएस) के माध्यम से बाड़ लगाने की दो पायलट परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंतत- इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चों में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।

नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

2,50,000-3,00,000
नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

50 लाख
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गई (योजना आयोग के मुताबिक)

27,60,000
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढ़ना शुरू कर दें।

अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) द्वारा हाल में कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 बिजनेस स्कूलों के कुल 915 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो उन्हें जॉब नहीं मिलती.

सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाईप न करें।

सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

BRIEF NEWS

सीआरपीएफ के संेबो ग्रुप कैंप में 12 को रोजगार मेला

RANCHI : रांची के संेबो स्थित सीआरपीएफ कैंप में 12 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। इस कैंप में झारखंड के सभी जिलों के वैसे योग्य युवा जो केंद्रीय सुरक्षा बल में अपना करियर बनाना चाहते हैं, वे शामिल हो सकते हैं।

दिवाकर पांडेय किए गए रांची सिविल कोर्ट के नए प्रधान न्यायायुक्त नियुक्त

RANCHI : देवघर सिविल कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडेय को रांची सिविल कोर्ट का (ज्यूडीशियल कमिश्नर) प्रधान न्यायायुक्त नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सोमवार रात हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मो. शाकिर की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि दिवाकर पांडेय रांची सिविल कोर्ट में सीबीआई जज के रूप में काम कर चुके हैं।

सिटी पब्लिक स्कूल में मना एनुअल फंक्शन एंड प्राइज डिसटीब्यूशन

RANCHI : सिटी पब्लिक स्कूल स्किंड स्ट्रीट हिंदपीढ़ी रांची का वार्षिकोत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नात नबी से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के निदेशक मसूद कच्छी ने की। और संचालन मिस सुंबुल ने की। इस अवसर पर स्कूल स्टूडेंट्स ने मनमोहक प्रस्तुति दी। जिससे कार्यक्रम में चार चांद लग गए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण नृत्य, विमेन इंपावरमेंट, गुरूप सॉन्ग, गुरूप डांस, सिंगल डांस, डांस,देश भक्ति गीत रहे। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में स्कूल परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि गुरु से बड़ा कोई नहीं है और शिष्य से प्रिय कोई नहीं है। यह बात विद्यालय परिवार में शिक्षक व शिष्य के बीच आपसी रिश्ते से पता चलती है। पुरस्कृत होने वाले सभी विद्यार्थियों को स्कूल के निदेशक मसूद कच्छी, शान तल्हा मसूद ने पुरस्कार दिए। साथ ही स्कूल के 2023 के बोर्ड टॉपर को सम्मानित किया गया। इस प्रोग्राम में 139 छात्राओ को शील्ड, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस मौके पर मसूद कच्छी, कहकशा मसूद, शान तल्हा मसूद, अजमेरी, मोना, नाजनीन, नाहिद, चांदनी समेत स्कूल परिवार से जुड़े सभी लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने राजीव रंजन को महाधिवक्ता के पद पर किया नियुक्त

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को पूर्व महाधिवक्ता राजीव रंजन को को झारखंड राज्य के महाधिवक्ता के पद पर फिर से नियुक्त किया है ।यह नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद-165 के खंड-(1) के तहत की गई है।

राजभवन उद्यान का 3469 लोगों ने किया दीदार

RANCHI : राजभवन उद्यान का पहले दिन मंगलवार को 3469 लोगों ने दीदार किया। बच्चे, बुर्जग, युवक, युवतियां और महिलाएं सभी राजभवन के आकर्षक गुलाब, झूले, फाउंटेन, झरना और फलदार वृक्ष और औषधीय पेड़-पौधे के साथ मोबाईल से सेल्फी और तस्वीर लेते देखे गये। राजभवन आम नागरिकों के भ्रमण के लिए छह फरवरी से 12 फरवरी तक खोला गया है। उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक है। उद्यान में प्रवेश राज भवन के गेट नंबर दो से जांच के बाद एक बजे अपराह्न तक दिया जायेगा। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के निर्देश पर राज भवन उद्यान आम नागरिकों के भ्रमण और परिदर्शन के लिए खोला गया है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

विधानसभा के विशेष सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी नोक-झोंक

विपक्ष ने राज्य में जनादेश के हरण का किया कुत्सित प्रयास : सुदिव्य

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा के दौरान झामुमो विधायक सुदिव्य सोनू ने कहा कि विपक्षी लोगों ने राज्य में जनादेश के हरण का कुत्सित प्रयास किया। इसमें राजभवन भी शामिल हुआ तो उसे भी विरोध का सामना करना होगा। यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं। राजभवन की भूमिका दूसरे लोग ना समझाएं। उसने अपने मूल्यों को तार-तार किया है। उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाले भाजपाई बताएं कि अमित मंडल, जेपी पटेल, अपर्णा सेन गुप्ता, भानु प्रताप शाही जैसे नेता कहां से, किस परिवार से हैं। झामुमो संघर्ष वाली पार्टी रही है। भाजपा में बाबूलाल, अमर बाउरी आयातित नेता हैं। हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ भाजपा ने जो साजिश की, उसका असर आने वाले विधानसभा चुनाव में दिखेगा।

विधायक प्रदीप यादव ने आजादी के दौरान भाजपाई लोगों के योगदान पर सवाल पूछते हुए कहा कि ये तानाशाह लोग हैं। आजादी और उसके बाद संविधान के कारण ही आज यहां आदिवासी, ओबीसी, दलित वर्ग के लोग दिख रहे हैं। इनका (भाजपा) वश चलता तो यह देश मनुस्मृति से चलता।

विनोद सिंह, दीपक बिरूआ सहित सत्ता पक्ष के अन्य विधायकों ने भी हेमंत सोरेन सरकार द्वारा शुरू किये गये प्रयास की सराहना करते भाजपा पर हमला बोला। सरयू राय ने पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग में हुए तबादले की टाइमिंग पर सवाल पूछा, जिस पर बन्ना गुप्ता ने शोर भी मचाया। सरयू राय ने कहा कि संभव है कि इसके लिए एडवांस में पैसे ले लिए गये हों।

चंपाई सरकार ना बने हेमंत सरकार पार्ट-2 : बिरंची नारायण

भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू नहीं गये। इससे आदिवासी समाज के प्रति उनकी भावना दिखती है। धन्यवाद प्रस्ताव के विरोध में भाजपा के बिरंची नारायण ने भी बात रखी। उन्होंने कहा कि चम्पाई सोरेन सरकार हेमंत सरकार पार्ट-2 ना बने। बालू, पत्थर, जमीन की लूट में कहीं उसे जेल की सलाखों के पीछे ना जाना पडे। साइकिल पर कोयला लाद कर चलने वालों संग दिखे। ये कोयले की ढुलाई करते हैं, चोरी करते हैं। उन्होंने कहा कि साहेबगंज डीसी रामनिवास यादव के यहां से गोली और नगदी मिलने पर उन पर एफआईआर नहीं हुआ। हेमंत सोरेन ने सदन में कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ। उन्हें जेल भेजा गया। सबूत पर झारखंड छोड़ देने की बात कही।

लगता है भाजपा कार्यालय से चल रहा राजभवन : इरफान

इरफान अंसारी ने सदन में राज्यपाल को तानाशाह बताते हुए कहा कि हमें दक्षिण के राज्य, वहां की कला संस्कृति, रहन-सहन पसंद आता है लेकिन राज्यपाल को यहां के आदिवासी नहीं सुहाते। उन्होंने यहां की सरकार को कुचलने का प्रयास किया। वास्तव में राजभवन को भाजपा कार्यालय के द्वारा चलाया जा रहा है। इसी दौरान अमर बाउरी ने स्पीकर से तानाशाही शब्द को स्पंज करने की अपील की। राज्यपाल को कस्टोडियन बताते हुए सदन से उनके लिए सम्मान दिखाने की अपील भी की।

राज्यपाल का अभिभाषण झूठ का पुलिंदाः लंबोदर

आजसू पार्टी विधायक लंबोदर महतो ने राज्यपाल के अभिभाषण को झूठ का पुलिंदा बताया। उन्होंने कहा कि अभिभाषण के दौरान सत्ता पक्ष के शोरगुल को उन्होंने समझा। वास्तव में ये नहीं चाहते थे कि सरकार की पोल खुले। चम्पाई सोरेन भी टाइगर के रूप में विख्यात हैं। यदि वे खुद को पार्ट-2 बता रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि 1932 खतियान आधारित नीति, ओबीसी आरक्षण, जातीय गणना जैसे काम को पूरा करायें।

राज्यपाल ने 40 घंटे का इंतजार क्यों कियाः मिथिलेश

मिथिलेश ठाकुर ने राजभवन से जवाब मांगते हुए कहा कि जब 31 जनवरी को ही राजभवन को बहुमत होने की जानकारी दी तब आखिर 40 घंटे तक इंतजार उन्होंने क्यों किया। बिहार में चार घंटे के भीतर नीतीश सरकार को शपथ दिला दी गयी लेकिन यहां 40 घंटे लिए गये। भाजपा पिछले दरवाजे से लोकतंत्र की हत्या में लगी है।

प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने से नाराज प्रेमी ने कर दी हत्या, गिरफ्तार

जानकारी देते ग्रामीण एसपी मनीश टोप्पो। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मांडर थाना पुलिस ने युवती के हत्याकांड का खुलासा करते हुए प्रेमी अवनिश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया बाइक, मोबाईल, हत्या में प्रयुक्त रबड का पाईप, युवती का बैग,युवती को मोबाईल, माचिस का डिब्बा, पहना हुआ कपड़ा बरामद किया है।

ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन फरवरी को पुलिस को सूचना मिली थी कि जंगल में एक युवती का जला हुआ शव बरामद किया गया था। इसके बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने अनुसंधान के क्रम में त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहयोग से आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उसका युवती के साथ तीन वर्ष से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, इसी बीच परिजन युवती की शादी किसी दूसरी जगह तय किया। इससे दुखी होकर साजिश के तहत युवती को हातमा के जंगल में ले जाकर गला दबाकर हत्या कर दी और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दिया था।

राज्य में सरकार बनने के साथ ही लगातार षडयंत्र रच रहे निशिकांत दुबे : दीपिका पांडेय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय ने कहा कि जिस दिन से यह सरकार राज्य में बनी है, निशिकांत दुबे लगातार षडयंत्र रच रहे हैं।

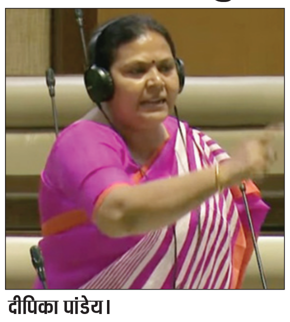

दीपिका पांडेय।

उन्होंने कहा कि सोमवार को जो सदन में हुआ, उसे पूरे देश ने देखा। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने असंवैधानिक कृत्य किया। सरकार की उपलब्धियों को बताने के दौरान कटाक्ष करते हुए अभिभाषण दिया था। किसी राज्यपाल के द्वारा ऐसा नहीं किया गया होगा। फ्लोर टेस्ट के दौरान विपक्ष की नजरें झुकी थीं।अपने मुंह पर खुद ही थूका है।

निशिकांत दुबे के इशारे पर हेमंत सरकार के खिलाफ जांच करने का खेल हुआ। इसका नतीजा जो हुआ, उसे इस सदन ने देखा। निशिकांत के रवैये को लेकर खुद भाजपा विधायक रणधीर सिंह ने सदन के बाहर आपत्ति भी जताई थी। इसी दौरान दीपिका ने आदिवासी लीडर, महिलाओं को लेकर कुछ कहा जिस पर एनडीए विधायकों ने आपत्ति जतायी। वे वेल में आ गये।

इसके पूर्व अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में कहा कि सरकार किसी की भी हो, संवैधानिक प्रक्रिया को किस तरह से पूरा करते हैं, यह देखना होगा। अभिभाषण में सरकार की योजनाओं, कार्यों को अभिभाषण के जरिये प्रकट किया जाता है। यह देखने को हम मजबूर हैं कि राज्य किस दौर से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज हेमंत सोरेन को बहुमत का अभाव नहीं था लेकिन बदलाव आया। निश्चित रूप से शिबू सोरेन, हेमंत के प्रति व्यक्तिगत द्वेष से ऐसा किया गया है। ठेस पहुंचाया गया है। ना बहुमत, ना संकट था जो इस तरह का परिवर्तन लाया गया। पूर्व से संपन्न लोग नहीं चाहते कि नीचे से लोग ऊपर उठें। निश्चित रूप से यह सब व्यक्तिगत द्वेष से हेमंत सोरेन सरकार को गिराया गया। हमारी प्रतिष्ठा को कुचलने का प्रयास किया गया।

महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : महाराजा मदरा मुंडा चैंपियन ट्रॉफी 2024 सीजन 4 का शुभारंभ मंगलवार को बड़े धूमधाम से किया गया। मुख्य अतिथि आजसु जिला अध्यक्ष संजय महतो और कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति सदस्य नेवरी के मदन महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इससे पूर्व कांके क्षेत्र के चुट्टू निवासी फुटबॉलर स्वर्गीय अब्बास अंसारी को मैदान में एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। उद्घघाटन मैच झारखंड ज्योति क्लब चुट्टू बनाम नाइन बुलेट कवाली नामकुम के बीच खेला गया। ट्राय ब्रेकर में

झारखंड ज्योति क्लब चुट्टू की टीम एक गोल से विजयी रही। मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार अंकित कुमार को दिया गया। टूर्नामेंट सामिति के मुख्य संरक्षक सह कांके प्रखण्ड प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने जानकारी देते हुए बताया कि, महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी का यह चौथा सीजन का शुभारंभ आज किया गया। यह टूर्नामेंट आज यानी 6 फरवरी से 14 फरवरी तक चलेगा। 14 फरवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट में झारखंड सहित दूसरे राज्य से भी टीम इस बार शामिल हुए है। इस वर्ष सीजन 4 में टूर्नामेंट का प्रथम पुरस्कार दो लाख पचास हजार, द्वितीय पुरस्कार दो लाख, तृतीय पारस्कर पचास हजार, चतुर्थ पुरस्कार पचास हजार के साथ प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच दिया जाएगा।

ईडी के साथ बैठकर अब नयी कहानी गढ़ रहे हैं बाबूलाल : सुप्रियो भट्टाचार्य

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के दिये बयान पर पलटवार किया है। झामुमो के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मरांडी भाजपा और ईडी के गठजोड़ की पोल खुलने की डर से नयी कहानी गढ़ रहे हैं। एक तो आदिवासी, मूलवासी, दलित, शोषित अल्पसंख्यक एवं युवाओं के हृदय सम्राट हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करके लोकप्रिय सरकार को अपदस्थ करने की पटकथा भाजपा ने लिखी। इसका रूपांतर ईडी के के जरिये कराया गया। अब इसकी कलई खुलने के डर से नयी कहानी

गढ़ रहे हैं, नए पात्र चुने जा रहे हैं। तिथियां चुनी जा रही है।

भट्टाचार्य ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आखिर जब सत्र चल रहा था और सदन में सदस्य के रूप में बाबूलाल उपस्थित थे, तो यह बात उन्होंने सदन में क्यों नहीं की।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बाबूलाल मरांडी ने किया जोरदार हमला, बोले-

काली कमाई को छुपाने के लिए दूसरे के नाम से ली जमीन

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ऊपर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन अभी ईडी की कस्टडी में हैं लेकिन चम्पाई सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर भाषण में ऐसे बोल रहे थे जैसे उन्होंने कुछ गलत किया ही नहीं। चुनौती देते हुए राजनीति से संन्यास लेने तक की बात कह रहे थे। कोई चोर चोरी पकड़े जाने पर स्वीकार नहीं करता। मरांडी मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

मीडिया को जानकारी देते बाबूलाल मरांडी। • फोटोन न्यूज

उन्होंने सर्वप्रथम मीडिया को बरियातू स्थित 8.5 एकड़ जमीन के चौकीदार संतोष मुंडा का ऑडियो वीडियो दिखाया, जिसमें उसने इस जमीन का मालिक हेमंत सोरेन को बताया है। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने काली कमाई को छुपाने के लिए जमीन में पैसे को इन्वेस्ट करने का तरीका अपनाया। बरियातू स्थित पत्थर के चारदीवारी से घिरी 8.5 एकड़ जमीन को हेमंत सोरेन ने किसी और के नाम से खरीदा। इसके कारण इस मामले की जांच मनी लांड्रिंग के तहत की जा रही अन्यथा नाम से होने पर इसकी जांच आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की धाराओं के तहत होती।

उन्होंने कहा कि सोरेन परिवार के जमीन लूट का तो यह एक नमूना है। नाम बदलकर भी शिबू सोरेन परिवार ने जमीन खरीदे हैं। हेमंत सोरेन हेमंत कुमार सोरेन बन गए। शिबू सोरेन को शिव सोरेन बना दिया। दुर्गा सोरेन को दुर्गा प्रसाद सोरेन बना दिया। दुमका के खजुरिया में हेमंत सोरेन का विशाल बंगले की बाउंड्री के भीतर आधी जमीन का मालिकाना हक योगेंद्र तिवारी के नाम है। सोरेन परिवार की ऑन रिकॉर्ड 108 संपत्तियों का मामला अलग है।

उन्होंने जेएसएससी परीक्षा में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराने की मांग की। साथ ही कहा कि हम सीबीआई जांच कराकर ही दम लेंगे। यह छह लाख छात्रों के भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित छात्रों पर मुकद्मा दर्ज करा रही जबकि उसे जेएसएससी के अध्यक्ष और परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसी पर मुकदमा दर्ज करना चाहिए।

खबरें कोल्हान व राउरकेला की

जगन्नाथ दर्शन व परिक्रमा परियोजना को देखने के लिए 10 बसों में निकले 400 श्रद्धालु

ROURKELA : जगन्नाथ मंदिर की परिक्रमा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए सुंदरगढ़ से 400 श्रद्धालु निकले ।सुंदरगढ़ जिले के सभी वार्डों से 20-20 लोगों सहित कुल 400 तीर्थयात्रियों ने आज सुंदरगढ़ नगर कार्यालय से पुरी के लिए 10 बसों में अपनी यात्रा शुरू की। टीवी पर और तस्वीरों में परिक्रमा परियोजना की तस्वीरें देखकर लोगों में इस परियोजना को देखने के लिए उत्सुक हो गया। सभी ने कहा कि वे इस परियोजना को देखकर और भगवान जगन्नाथ के दर्शन की खबर पाकर बहुत खुश हैं। नगर परिषद की ओर से 10 बसों में नि:शुल्क यात्रा और रहने-खाने की सारी व्यवस्था की गई है।

टाटा-इतवारी समेत पांच जोड़ी ट्रेन आज रहेगी रद्द

ROURKELA : चक्रधरपुर रेल डिवीजन के राउरकेला-झारसुगड़ा सेक्शन में सात फरवरी को मेगा पावर ब्लॉक के कारण टाटा, चक्रधरपुर और राउरकेला रूट पर पांच जोड़ी यात्री ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं। पुरी-राउरकेला के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस और इस्पात एक्सप्रेस को शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। इसमे ट्रेन नंबर 18109/18110 टाटा-इतवारी-टाटा एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 08167/08168 झारसुगुड़ा-राउलकेला-झारसुगुड़ा मेमू एक्सप्रेस अप-डाउन दोनो से रद्द है। ट्रेन नंबर 18175/18176 हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया मेमू एक्सप्रेस के साथ ही ट्रेन संख्या 08163/08164 चक्रधरपुर-राउलकेला-चक्रधरपुर मेमू एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 08121/08122 बिरमित्रपुर-बरसुआं- बिरमित्रपुर स्पेशल भी रद्द रहेगी।

श्रम मंत्री ने किया अस्पताल का दौरा

ROURKELA : श्रम एवं राज्य कर्मचारी बीमा मंत्री दोपहर 1 बजे राउरकेला के ज्ञान भाई के स्वास्थ्य का हाल जानने के लिए कैपिटल हॉस्पिटल भुवनेश्वर का दौरा किया। इस दौरान बाहर निकलने पर अन्य मरीजों और उनके रिश्तेदारों से मुलाकात की, सभी के स्वास्थ्य की स्थिति को समझने के बाद एक सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनकी पत्नी ने उनके और बीजू बाबू के साथ कुछ पल बिताए और नवीन बाबू के शासन में जनता के विश्वास के बारे में कुछ कविताओं का हिस्सा सुनाए। सेवानिवृत्त कर्मचारी श्रीकांत स्वामी ने माननीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

फिटनेस पार्क का शौचालय मरम्मत करने की मांग

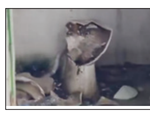

ROURKELA : नेताजी फिटनेस पार्क, उदितनगर, राउरकेला में शौचालय की स्थिति जर्जर हालत में है। आरएमसी प्राधिकरण को इस पर ध्यान नहीं देने से पार्क के में स्थित दोनों शौचालयों की खराब हालत के कारण यहां आने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पर रहा है। नगर निगम द्वारा मरम्मत के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

ओड़िया भाषा के प्रसार के लिए हर पांच वर्ष पर होगा भाषा सम्मेलन का आयोजन

ROURKELA : पहला 'विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन' का समापन समारोह मंगलवार को संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घोषणा की कि ओड़िया भाषा के प्रसार के उद्देश्य से हर 5 साल में एक बार यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।इसके अलावा सभी के अनुरोध पर विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन के लिए आयोजित संग्रहालय की समय सीमा को 3 दिन और बढ़ा दिया गया है। प्रथम विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन के अवसर पर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाषा को लेकर लिये गये सभी निर्णयों की घोषणा विधानसभा में की जायेगी। मुख्यमंत्री ने युवा समाज को आह्वान करते हुए कहा कि 'उड़िया भाषा हमारे युवाओं की भाषा होगी। यदि हमें अपनी भाषा की महिमा का एहसास होगा तो जरूर आगे बड़ेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीजगन्नाथ: लॉर्ड ऑफ द यूनिवर्स, ओडिया: जर्नी ऑफ ए लैंग्वेज और मैजिकल टेल्स फ्रॉम ओडिशा की 2 अनुवाद पुस्तकों का विमोचन किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी पुरस्कार विजेता प्रतिभाओं को बधाई दी।

राहुल गांधी की ओडिशा में भारत जोड़ न्याय यात्रा शुरू, लोगों ने किया भव्य स्वागत

ROURKELA : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ न्याय यात्रा मंगलवार दोपहर सुंदरगढ़ जिले के बीरमित्रपुर पहुंची। तीन दिवसीय दौरे पर आए राहुल गांधी का झारखंड के सीमा बीरमित्रपुर के प्रवेश द्वार पर भव्य स्वागत किया गया। राहुल को कांग्रेस राज्यप्रभारी अजय कुमार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शरत पटनायक, विजय पटनायक, सुर राउतराय, तारा प्रसाद बाहिनीपति समेत राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं और विधायकों ने फूलों के गुलदस्ता से उनका स्वागत किया बाद में भव्य जुलूस बीरमित्रपुर मुख्य मार्ग से होते हुए बस स्टेशन पहुंचा। राहुल और केंद्रीय नेताओं ने बीरमित्रपुर बस स्टैंड पर बिरसामुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ।कल (बुधवार) को रामपाल से प्रस्थान कर राउरकेला उदितनगर पहुंचेंगे। जुलूस सुबह साढ़े नौ बजे अंबेडकर चौक से निकलेगा। करीब 3.4 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करके पानपोसा चौक पहुंचेंगे। वह वहां सामूहिक सभा में शामिल होंगे ।यात्रा फिर से शुरू कर (राजगांगपुर) के रानीबंध में दोपहर का भोजन करेंगे। कुतरा और बडगांव में सार्वजनिक संबर्धना सभा का कार्यक्रम हैं। शाम साढ़े चार बजे सुंदरगढ़ शहर पहुंचने के बाद यात्रा सुंदरगढ़ बस स्टेशन चौक से निकलकर स्टेडियम चौक होते हुए एसबीआई चौक पहुंचेगी। वहां होने वाली जनसभा में शामिल होंगे। इसके बाद वे झारसुगुड़ा जिला जाएंगे और अमलीपाली जिले में रात्रि विश्राम करेंगे। 8 तारीख को यात्रा झारसुगुड़ा ओल्ड बस स्टेशन महात्मागांधी चौक से निकलेगी और बेहरामाल किसान चौक पहुंचेगी। राहुल वहां जनसभा को संबोधित करेंगे।

जमशेदपुर के एलबीएसएम कॉलेज में हिंदी विभाग की ओर से व्याख्यान आयोजित

JAMSHEDPUR : एलबीएसएम कॉलेज में मंगलवार को शैक्षणिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने 'भक्ति साहित्य और समाज' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भक्ति साहित्य ने समाज में प्रेम की भावना को फैलाने का कार्य किया। धार्मिक सांप्रदायिक नफरत, कट्टरता और पारस्परिक ईर्ष्या-द्वेष का विरोध किया। भक्त कवियों ने बताया कि सबके भीतर एक ही ईश्वर या खुदा है। दोनों अलग-अलग नहीं हैं। भक्ति साहित्य ने यह सीख दी कि प्रेम निस्वार्थ, निष्काम और बिना शर्तों का होना चाहिए, जैसा माँ का अपने बच्चे के प्रति होता है। मां सभी बच्चों से प्रेम करती है, जबमें उनमें टकराव होता है, तो उन्हें मिलाने का कार्य करती है। डॉ अविनाश ने कहा कि भक्ति साहित्य सामाजिक ताने बाने को बचाने की कोशिश करता है। नफरत की भावना पूरे समाज को तोड़ती है। वह पूरे समाज के लिए विनाशकारी है। वहीं कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अशोक कुमार झा ने कहा कि स्नातकोत्तर विभागों के विद्यार्थियों को अध्ययन, शोध और कैरियर के प्रति गंभीर होना चाहिए। यदि उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में जाना है, तो नेट की अच्छी तरह तैयारी करनी चाहिए। यदि वे लोक प्रशासन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देना चाहते हैं तो उस क्षेत्र में सफल होने के लिए भी स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम का गहरा अध्ययन उनके लिए जरूरी है। डॉ झा ने कहा कि एलबीएसएम कॉलेज में संथाली और वाणिज्य विषय स्नातकोत्तर की पढाई हो रही थी। इस साल से राजनीति विज्ञान और हिन्दी विषयों में भी स्नातकोत्तर की पढ़ाई आरंभ हुई है। प्राचार्य ने छात्रों से कहा कि कक्षाओं में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रो अशोक कुमार झा ने मुख्य वक्ता अविनाश कुमार सिंह, हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पुरुषोत्तम प्रसाद, राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता, वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार और संथाली विभाग के अध्यक्ष बाबूराम सोरेन को तुलसी पौधा देकर सम्मानित किया गया। व्याख्यान के दौरान डॉ डीके मित्रा, प्रो विनोद कुमार, डी दीपंजय श्रीवास्तव, बाबूराम सोरेन, प्रो संतोष राम, डॉ शबनम परवीन, डॉ विजय प्रकाश और डॉ सुधीर कुमार भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचाल संचालन डॉ. विनय कुमार गुप्ता ने किया।

पक्षी महोत्सव में मिनी मैराथन का आयोजन

पर्यावरण को लेकर लोगों को किया जाएगा जागरूक, विजेता को मिलेगा इनाम

एजेंसी

जमुई । जमुई में आयोजित होने वाले राज्य के दूसरे पक्षी महोत्सव में जागरूकता फैलाने के लिए जिला प्रशासन और वन प्रमंडल के संयुक्त तत्वावधान में मैराथन दौड़ सहित कई प्रकार के खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर जिला प्रशासन के द्वारा आवेदन भी लिया जा रहा है।दरअसल,झाझा प्रखंड में नागी-नकटी पक्षी अभ्यारण में राज्य के दूसरे पक्षी महोत्सव का आयोजन 17 से 19 फरवरी तक होना है और इसकी तैयारी की जा रही है। इसे लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने को लेकर जिला प्रशासन और वन प्रमंडल के तत्वाधान मिनी मैराथन दौड़ सहित कई प्रकार के खेलों का आयोजन किया जा रहा है।12 से 14 फरवरी तक फुटबाल मैच का आयोजनजिसे लेकर जिला मुख्यालय स्थित श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम में आवेदन लिया जाएगा। दूसरी ओर इसे लेकर प्रतिभागी जिला प्रशासन के वेबसाइट और उसके सोशल मीडिया हैंडल पर जाकर भी इसका फॉर्म डाउनलोड कर उसे भर सकते हैं।आयोजित हो रहे खेलों में नौ से 11 फरवरी तक श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम मैदान पर क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसी मैदान पर 12 से 14 फरवरी तक फुटबाल मैच का आयोजन होगा। श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में ही 14 फरवरी को टैग आफ वॉर प्रतियोगिता भी होगी।13 फरवरी को कटौना बाइपास से गिद्धौर तक मिनी मैराथन दौड़ 10 किलोमीटर की होगी। मिनी मैराथन दौड़ में जितने वाले प्रतिभागियों को इनाम भी मिलेगा।

प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने प्रतिभागी को 25 हजार रुपए, द्वितीय को प्रतिभागी को 15 हजार और तीसरे प्रतिभागी को 10 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।वही 15 फरवरी को नागी नकटी पक्षी आश्रयणी के तट पर कबड्डी और 16 फरवरी को खो-खो खेला जाएगा। इस आयोजन में भाग लेने वाली टीमों और प्रतिभागियों को निबंधन करना अनिवार्य होगा।इसे लेकर जिला मुख्यालय स्थित श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम में आवेदन लिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

जमीनी विवाद में जमकर मारपीट, 3 घायल

पूर्णिया । पूर्णिया में जमीनी विवाद में जमकर मारपीट हुई है। पड़ोसी से हुई मारपीट में एक ही परिवार के 3 लोग घायल हो गए। सभी को स्थानीयों की मदद से GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया है। विवाद 3 कट्ठा जमीन से जुड़ा है। घटना के.नगर थाना क्षेत्र के परोरा गांव से जुड़ी है।घायलों में के.नगर थाना क्षेत्र के परोरा गांव निवासी विनय कुमार राय के बेटे सुनील कुमार राय, दीपक कुमार राय और पार्वती देवी देवी शामिल हैं।पीड़ित सुनील कुमार राय ने बताया कि परोरा गांव में ही आज से 3 साल पहले उन्होंने अपने पड़ोसी डोमि राय से 6 कट्ठा जमीन खरीदी थी। अब डोमि राय इसी जमीन में 3 कट्ठा जमीन जबरन हड़पना चाह रहा हैं। दोनों के बीच पिछले डेढ़ साल से विवाद चल रहा है।इसी को लेकर सोमवार रात पड़ोसियों से कहासुनी शुरू हुई। कुछ ही देर बाद दोनों पक्षों में विवाद हुआ और हाथापाई शुरू हो गई। इसी मारपीट में डोमि राय और अजय राय अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर लाठी और डंडे से किया उन लोगों के ऊपर हमला कर दिया। इस मारपीट और हमले में एक ही परिवार के 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए पूर्णिया में एडमिट कराया गया है। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं इस मारपीट की घटना को लेकर पीड़ित ने पड़ोसियों के खिलाफ लिखित शिकायत दी जा रही है।घटना की जानकारी देते के.नगर थाना अध्यक्ष नवदीप गुप्ता ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी। पीड़ित को इलाज के बाद आवेदन देने को कहा गया है।

चौकीदार और जमादार आपस में भिड़े

आरा । भोजपुर के गड़हनी थाना के गड़हनी बाजार में दो लोगों के बीच ड्यूटी के विवाद को लेकर गाली-गलौज व धक्का-मुक्की और मारपीट का एक वीडियो वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में साफ तौर से देखा जा रहा है कि गड़हनी थाना में कार्यरत एक जमादार एवं चौकीदार ड्यूटी के विवाद को लेकर आपस में भिड़ गए। पहले गाली गलौज और उसके बाद दोनों के बीच मारपीट हुई।घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार की शाम गड़हनी थाना के जमादार द्वारा चौकीदार को ड्यूटी दी गई थी। इसको लेकर उसने ड्यूटी करने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई। इसके बाद जमादार और चौकीदार आपस में भिड़ गए। बीच बाजार में दोनों ने धक्का-मुक्की व गाली गलौज एवं मारपीट भी की। इस मामले एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि दिनांक 3 फरवरी को गड़हनी थाना अंतर्गत दो लोगों की मारपीट का मामला सामने आया है।एसपी का कहना है कि कुछ लोगों का कहना है कि शराब पिए हुए थे। लेकिन प्रथम दृष्टया ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि दोनों कर्मियों से स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

एडमिशन नहीं मिला तो निदेशक की बाइक में लगाई आग

समस्तीपुर । समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना के बेलसंडी भूतेश्वर चौक स्थित एक आवासीय निजी कोचिंग संस्थान में एडमिशन नहीं मिलने से नाराज एक छात्र ने संस्थान के निदेशक की बाइक में सोमवार रात आग लगा दी।इस मामले की जानकारी विभूतिपुर पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।कोचिंग के निदेशक शिवकांत कुमार ने बताया कि 3 दिन पूर्व विभूतिपुर थाना क्षेत्र के ही बेलसंडी गांव के ही भोला साहनी का पुत्र मोनू कुमार उनके आवासीय कोचिंग में के लाइब्रेरी में एडमिशन कराने के लिए पहुंचा था। लेकिन उन्होंने पहले अभिभावक को बुलाने की बात कही थी। फिर एडमिशन करने की बात कही। जिसे वह काफी नाराज हुआ। इस दौरान उसने धमकी भी दी थी।निर्देशक का आरोप है कि मध्य रात्रि उसे कोचिंग के छात्र अमरजीत शौच के लिए उठा था। इसी दौरान उन लोगों ने कोचिंग के नीचे लगी बाइक को धू-धू कर जलता हुआ देखा। इस दौरान छात्रों ने मोनू कुमार को खेत की ओर भागते हुए भी देखा। इसके बाद संस्थान के लोगों को जानकारी दी। जब तक लोग उठते और कुछ समझ पाते तब तक बाइक धू-धू कर जल गई। घटनास्थल पर पेट्रोल की काफी महक आ रही थी जिसे माना जा रहा है कि वहां पर पेट्रोल छिड़कने के बाद आग लगाई गई है।विभूतिपुर थाने अपर थाना अध्यक्ष प्रियंका ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया है पूरे मामले की जांच की जा रही है।

म्यूटेशन के नाम पर घूस लेने वाले राजस्व कर्मचारी सस्पेंड

एजेंसी

पूर्णिया । जमीन के म्यूटेशन के नाम पर रुपौली अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी का घुस लेने से जुड़ा वीडियो वायरल होने के मामले में राजस्व कर्मचारी ज्ञान कुमार पर डीएम कुंदन कुमार ने निलंबन की बड़ी करवाई की है। डीएम ने राजस्व कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्रवाई का भी निर्देश दिया है।2 दिन पहले ही राजस्व कर्मचारी ज्ञान कुमार का जमीन म्यूटेशन के नाम पर नारायण मंडल नामक आवेदनकर्ता से पैसा लेने का वीडियो वायरल हुआ था। राजस्व कर्मचारी का घूसखोरी से जुड़ा ये कोई पहला मामला नहीं। वहीं इससे पहले भी भ्रष्ट राजस्व अधिकारी का घूस लेने से जुड़ा 2 वीडियो वायरल हो चुका है।वायरल वीडियो के संज्ञान में आते ही डीएम कुंदन कुमार ने इस मामले पर एक्शन लेते हुए धमदाहा के अनुमंडल पदाधिकारी व धमदाहा के भूमि सुधार उपसमाहर्ता की दो सदस्यीय टीम बनाई थी। जांच में राजस्व कर्मचारी ज्ञान कुमार पर लगे आरोप सही साबित हुए।अधिकारियों ने जांच में पाया कि राजस्व कर्मचारी ज्ञान कुमार ने एक ही भूमि के नामांतरण और दाखिल खारिज करने को लेकर पहले इसे अस्वीकृत करने की अनुशंसा की गई। जिसके आधार पर अंचलाधिकारी रुपौली ने इसे अस्वीकृत कर दिया था। इसके बाद राजस्व अधिकारी ने जमीन की दाखिल खारिज के लिए स्वीकृत करने का प्रतिवेदन दिया। इससे साबित होता है कि जानबूझकर दाखिल खारिज अस्वीकृत कराया गया और फिर बाद में गलत मंशा से स्वीकृत करने की अनुशंसा की गई।इस जांच रिपोर्ट पर राजस्व कर्मचारी ज्ञान कुमार को दोषी पाते हुए डीएम कुंदन कुमार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

बेगूसराय। बेगूसराय में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। युवक की पहचान प्रह्लाद कुमार (18) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि प्रह्लाद को सोमवार सुबह उसके दोस्त ने गुड्डू ने फोन कर बुलाया था। मंगलवार को उसका शव मिला है।घटनास्थल से चार खोखे भी बरामद किया गया है। बताया जाता है कि प्रह्लाद और गुड्डू दोनों शराब का कारोबार करते थे।घटना खोदाबंदपुर थाना इलाके की है। मृतक बरियारपुर पश्चिम वार्ड संख्या चार निवासी नागेश्वर महतो का बेटा था।हत्या के बाद शव को फेंकामंगलवार सुबह बरियारपुर पश्चिम के मटकोरा से महुआ टोल जाने वाली पगडंडी पथ पर नंदीवन गाछी के पास प्रह्लाद का शव मिला। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।मृतक के परिजनों का कहना है कि बरियारपुर पूर्वी निवासी गुड्डू कुमार ने रात में करीब 9 बजे फोन करके प्रह्लाद को बुलाया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर घर वाले परेशान हो गए।प्रह्लाद के मोबाइल पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा था। सुबह में जब लोग नंदीवन की तरफ बहियार जा रहे थे तो शव देखा। इसके बाद गांव वालों और परिजनों को इसकी जानकारी मिली।

तेजस्वी के साथ ही कहीं खेला ना हो जाए

एजेंसी

आरा । बिहार में सरकार बदलने के बाद से ही पक्ष और विपक्ष लगातार एक दूसरे पर हमलावर हैं। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव अभी भी खेला होने की बात कर रहे हैं। जिसपर भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने तेजस्वी यादव को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि अब क्या खेला होगा तेजस्वी ही बताएंगे। कहीं ऐसा ना हो कि उनके लोग ही खेल कर दें।उन्होंने कहा कि लेकिन मैं जो देख रहा हूं, हमारे पास बहुमत है और हम बहुमत में है। वो जरा सजक रहे, कहीं उन्हों के लोग उनके बीच में खेला मत कर दें।इसलिए उनको सजकता बरतनी पड़ेगी। आपके साथ माले, सीपीआई ,सीपीएम है और कांग्रेस है। खेला तो कहीं से कहीं हो सकता है। अगर आप खेला करना जानते हैं तो और लोग खेला करना नहीं जानते है। लेकिन किसी खेला की उम्मीद नहीं है हम लोग बहुमत में है।वहीं जीतन राम मांझी द्वारा मंत्री पद को लेकर उठाए गए सवाल पर राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मांझी जी नाराज नहीं है। राघवेंद्र प्रताप ने बताया कि बिहार में लगभग 36 लोग मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।उन्होंने बताया कि विभागों का बंटवारा इस वक्त भी बहुत जरूरी हो गया था। तो उसे देखते हुए इन लोगों के बीच विभागों का बंटवारा किया गया। लेकिन किसी को अत्यधिक बोझ दे दिया गया है। उसे विस्तार करना है। जब विस्तार होगा तो और नए मंत्री बनाए जायेंगे। उनमें विभागों का बंटवारा कर दिया जायेगा।

सड़क हादसे में स्वर्ण कारोबारी की मौत

समस्तीपुर । दरभंगा मुख्य पथ पर कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मोड़ के पास किसी वाहन की ठोकर से स्वर्ण कारोबारी की मौत हो गई। मृतक व्यवसायी जिले के रोसरा थाना क्षेत्र के सिनेमा चौक निवासी सुरेश साह का पुत्र राजू साह(25) के रूप में हुई है।मध्य रात्रि बाइक से दरभंगा स्थित अपने साढू के यहां से वापस समस्तीपुर लौट रहे थे, इस दौरान सड़क हादसे में राजू साह की मौत हो गई।घटना के संबंध में बताया गया है कि सुरेश सोमवार को दिन में अपने साढू से मिलने के लिए दरभंगा गया हुआ था। देर रात वह दरभंगा से समस्तीपुर लौट रहा था। इसी दौरान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रामपुरा मोड़ के पास किसी वाहन ने टक्कर मार दी। सड़क किनारे खून से लथपथ बाइक सवार को देख स्थानीय लोगों ने कल्याणपुर थाने को सूचना दी।बाद में कल्याणपुर पुलिस की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस टीम ने युवक को उठाकर समस्तीपुर सदर अस्पताल लाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रात में युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। मंगलवार सुबह युवक की पहचान हुई। हालांकि हादसा किस वाहन से हुआ है यह किसी ने नहीं देखा। माना जा रहा है कि किसी बड़े वाहन से उनकी ठोकर हुई है। क्योंकि बाइक की भी क्षतिग्रस्त हो गयी है।उधर बाइक के नंबर के आधार पर युवक की पहचान की गई। जिसके बाद कल्याणपुर पुलिस ने परिवार के लोगों को सूचना दी। बताया गया है कि युवक रोसरा शहर में सिनेमा चौक के पास सोना चांदी की दुकान चलाता है। सोमवार को वह अपने एक संबंधी के यहां गया हुआ था मध्य रात्रि लौटने के दौरान यह हादसा हुआ।

पिस्टल दिखाकर बाइक लूटने की कोशिश

मुजफ़्फ़रपुर । मुजफ्फरपुर के एनएच 27 पर सोमवार की देर रात पिस्तौल दिखाकर राहगीरों को लूटने का प्रयास कर अपराधियों के मंसूबे पर लोगों ने पानी फेर दिया। जहां हथियार का भय दिखाकर एक राहगीर से बाइक लूटने का प्रयास कर रहे अपराधी को लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया और पिटाई की।पूरा मामला मुजफ्फरपुर के कांटी थाना के एनएच 27 के छपरा हाई स्कूल के पास की है। जहां ठंड और सुनसान सड़क का फायदा उठाकर एक राहगीर को पिस्तौल का भय दिखाकर बाइक लूटने का प्रयास कर रहे दो युवकों को स्थानीय लोगों ने पानी फेर दिया।जहां लूट की इस घटना के बाद भयभीत राहगीर जोर जोर से शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आसपास मौजूद स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। भागने के क्रम में नशे में धुत्त एक अपराधी भीड़ के हत्थे चढ़ गया। जबकि उसका दूसरा सहयोगी मौके से भागने में सफल रहा।मौके पर पकड़े गए अपराधी की भीड़ ने जमकर पिटाई की है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पकड़े गए युवक को कांटी पुलिस को सौंप दिया। इस मामले की पुष्टि कांटी के थाना प्रभारी अरविंद प्रसाद ने भी की है।

तेजस्वी ने गुजराती को ठगी वाले बयान पर माफी मांगी

पटना । गुजरातियों को ठग कहने वाले मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने माफी मांग ली है। इस मामले में तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा भी दाखिल किया है। उनके बयान को अदालत की रिकॉर्ड पर लेटे हुए शीर्ष अदालत ने तेजस्वी यादव की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। इसमें उन्होंने अहमदाबाद की अदालत में अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई गुजरात के बाहर दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की है।29 जनवरी को तेजस्वी यादव को भेजा गया था समनजस्टिस एएस ओका और उज्जल भुइयां ने फैसला सुरक्षित करते हुए कहा कि हम मामले में फैसला पारित करेंगे। इससे पहले 29 जनवरी को तेजस्वी यादव को उसे कथित टिप्पणी को वापस लेते हुए एक उपयुक्त बयान दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। इसके लिए उनको एक सप्ताह का वक्त भी दिया गया था। गुजरात की अदालत ने पिछले साल अगस्त में अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के तहत तेजस्वी यादव के खिलाफ प्रारंभिक जांच की थी।क्या कहा था तेजस्वी यादव ने तेजस्वी यादव ने मार्च 2023 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था, ₹इस समय केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं ।

सम्राट बोले-जीतनराम मांझी की नाराजगी पर करेंगे बात

एजेंसी

पटना । सम्राट चौधरी ने जीतनराम मांझी की नाराजगी पर दावा किया है जल्द इस पर निर्णय लिया जाएंगा। उन्होंने कहा कि उनकी मांग पर हम लोग बातचीत करेंगे, इसके बाद नतीजों पर पहुंचेंगे। डिप्टी सीएम ने आज वित्त विभाग का कार्यभार संभाला है।वहीं, तेजस्वी यादव के विश्वास मत के दौरान खेला होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनको समझना है। कुछ लोग तो अपने MLA को हैदराबाद घूमा रहे।बता दें कि हम पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कुछ दिन पहले कहा था कि मंत्री संतोष सुमन के अलावा उन्हें कम से कम एक और मंत्री पद मिलना चाहिए। साथ ही एक ही मंत्रालय मिलने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई थी। हालांकि उनका का कहना है कि वे पूरी मजबूती से एनडीए और नीतीश कुमार के साथ हैं।वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालने के दौरान मीडिया से बात करते हुए डिप्टी सीएम ने मांझी की मांग पर उन्हें मना लेने की बात कही। साथ ही बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले खेला करने के सवाल पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि बीजेपी-जेडीयू के पास पूर्ण बहुमत है और तीसरी पार्टी के तौर पर जीतन राम मांझी का समर्थन है। तीन पार्टी के बहुमत से 128 विधायक होते हैं, इसके बावजूद कोई छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है तो क्या कहा जाए। कुछ लोग तो खेला के डर से अपने एमएलए को हैदराबाद घूमा रहे हैं।हमारे समाज को नजरअंदाज किया जा रहा- मांझी HAM से 2 मंत्री की मांग पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, ₹मैं गांव से आता हूं। शहर से मेरा कोई मतलब नहीं रहता है। मैं 43 साल से काम कर रहा हूं। लोगों को मुझसे उम्मीद रहती है कि कुछ काम मैं कर दूं। यदि मुझे कोई मंत्रालय मिल जाए तो और काम हो सकता है। हमेशा मैं एक ही विभाग देखता रहूं ये अच्छा नहीं लगता है। हमारे मन में ये बात आती है कि जान बूझ कर हमारे समाज को नजरअंदाज किया जा रहा है। ये कोई रंजिश नहीं है। इसके कारण समर्थन देने और लेने का कोई फर्क नहीं आता है। हम नीतीश जी और एनडीए के साथ हैं और रहेंगे। 12 फरवरी को जो फ्लोर टेस्ट होगा उसमें डट कर हम एनडीए का साथ देंगे।₹लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी मांझी की मांग का समर्थन किया था। पटना में उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा- भले ही मांझी जी की पार्टी के विधायकों की संख्या कम हो पर आज की तारीख में जो राजनीतिक हालात हैं, उसका महत्व बहुत ज्यादा है। अगर मांझी एक और मंत्री पद की मांग कर रहे हैं। तो उस मांग को जरूर सुना जाना चाहिए। उसपर चर्चा जरूर होनी चाहिए और किसी तरह का अन्याय नहीं होना चाहिए।मीडिया ने जब उनसे सवाल किया कि मांझी को ऑफर भी मिल रहे हैं ?

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान में पाँच दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट रणभूमि 2024 का शानदार आयोजन

संवाददाता
अमरोहा। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग की ओर से वार्षिक स्पोर्ट्स मीट रणभूमि-2024का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें अलग-अलग हाउस (रेड हाउस, ग्रीन हाउस, यलो हाउस एवं ब्लू हाउस) के लगभग 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने दो दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। पाँच दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुम्भ में शनिवार को समापन पर विजेता टीम एवं खिलाड़ियों को संस्थान की ओर से ट्राँफी, मेडल एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा।- श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के मेजर ध्यानचन्द ओपन खेल परिसर में ह्यह्यखेल महाकुम्भह्यह्य वार्षिक स्पोर्ट्स मीट ह्यह्यरणभूमि-2024का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रधान सलाहकार प्रो. वी. पी. एस. अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. अनिल कुमार शुक्ला एवं नर्सिंग डीन डॉ. एना ऐरिक ब्राउन ने खेल मशाल जलाकर एवं हवा में गुब्बारे उड़ाकर किया।- अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि खेल ही नहीं बल्कि जीवन की किसी भी स्पर्धामें हम कभी हारते नहीं है, जब हम किसी स्पर्धा में प्रतिभाग करते हैं तो, या तो हम जीतते हैं या फिर सीखते हैं कि हमारे प्रदर्शन में कहाँ कमी रह गयी। इसलिए युवा विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग अवश्य करें। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि फिट इण्डिया खेलो इण्डिया जैसी शानदार योजनाओं से आज भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। आज णभूमि-2024ह्यह्य के पहले दिन कबड्डी, भालाफेंक, गोलाफेंक, 100 मीटर दौड़ समेत एक दर्जन प्रतियोगिताओं में विजेताओं ने अगले दौर में प्रवेश किया।- इस अवसर पर सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, प्रतिकुलपति डॉ. राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डेय, संयुक्त कुलसचिव डॉ. राजेश सिंह मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. विवेक सचान, डॉ. मोहित शर्मा, मारूफ चौधरी, अरूण गोस्वामी, एस. एस. बघेल, मंजरी राणा, अनुष्का, रूविना, संजीव कुमार, रश्मि राणा, पूजा ऐरी, नीमा विष्ट, प्रतिभा, रीना नेगी, हरप्रीत कौर, हिमानी, सुमनदीप, पूजा कुमारी, जुनैद, पूजा सिजवाली एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

गौतम बुद्धा आईटीआई कालेज मेंरोजगार मेला 8 फरवरी को

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के गोपालगढ़ स्थित गौतम बुद्ध आईटीआई कालेज के परिसर में 8 फरवरी दिन गुरुवार को सुबह 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य रविन्द्र यादव ने देते हुए बताया कि कैम्पस सलेक्शन में इंटर पास, स्नातक पास, आईटीआई, डिप्लोमा धारक छात्र भाग ले सकते हैं। रोजगार मेला में अडानी ग्रुप मुद्रा गुजरात के अधिकारियों द्वारा नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन किया जाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय के लिए बजट पास - सरकार व विधायक पीएन पाठक को दी बधाई

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किया बजट पास में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुशीनगर की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित किया है। इसको लेकर अब कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय का स्थापना का रास्ता साफ हो गया विधायक पीएन पाठक का मेहनत रंग लाईबता दें कि विधायक पीएन पाठक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महराज से मिलकर कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि व प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की मांग किया था जिसको संज्ञान में लेकर प्रदेश सरकार ने आजतक के सबसे बड़े बजट में कुशीनगर के कृषि विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपए बजट पास किया है कुशीनगर के बिकास के लिए एक संजीवनी का काम करेगा बजट पास होने पर प्रदेश सरकार को और विधायक पीएन पाठक को कुशीनगर वासियों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में गोरखपुर रेलवे के पहलवानों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

गोरखपुर। जयपुर में चल रही सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप मैं पूर्वोत्तर रेलवे के कोच जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में भारतीय रेलवे की कुश्ती टीम ने ग्रीको रोमन में चैंपियन होने गौरव प्राप्त किया तथा महिला एवं फ्री स्टाइल कुश्ती में रनर अप रही इस प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर रेलवे के पांच पहलवानों ने भाग लिया इसमें तीन पहलवान आशु अंकुश व मानसी ने गोल्ड मेडल तथा रोहित यादव वह गौरव बालियान ने ब्रोंज मेडल मेडल प्राप्त किया पूर्वोत्तर रेलवे के कोच जितेंद्र व सभी मेडल विजेता पहलवानों को चीफ विजिलेंस अफसर शिवेंद्र सिंह ,महासचिव नरसा पंकज सिंह, कुश्ती सचिव जेपी सिंह व स्पोर्ट्स अधिकारी चंद्र विजय सिंह अंतरराष्ट्रीय पहलवान यशपाल व जनार्दन यादव सहित गोरखपुर के सभी सीनियर पहलवानों एवं कुश्ती प्रेमियों ने बधाई दी

15 दिन से लापता व्यक्ति का मिला शव

संभल । संभल में 15 दिन से लापता व्यक्ति का शव मंगलवार को खेत के पास नाले में पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस और सीओ पहुंचे। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला हयातनगर थाना क्षेत्र का है।कमालपुर सराय निवासी धर्मपाल के खेत के पास से कच्चा नाला निकल रहा है। उसी में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। बच्चे नाले के निकट खेत में खेल रहे थे तभी उनकी निगाह नाले के अंदर गई तो एक व्यक्ति दिखाई दिया। बच्चे शोर मचाते हुए अपने-अपने घरों की तरफ दौड़ पड़े और घटना के बारे में परिजनों को बताया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकलवाया और मौक पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने जांच के लिए सैंपल लिया।मृतक की पहचान इमरान पुत्र मेहंदी हसन निवासी मौहल्ला कोटला सरायतरीन थाना हयातनगर के रुप में हुई है।

क्रिमिनल से लेकर नेताओं के काफिले में चोरी की कार

लखनऊ। यूपी ही नहीं, पूरे देश में वाहन चोर कार बाजार की आड़ में चोरी के लग्जरी वाहन रसूखदार लोगों को बेच रहे हैं। इसमें लारेंस विश्नोई गैंग से लेकर सुक्खा गैंग तक के शातिर अपराधी, सत्ताधारी दल के नेता से लेकर बिल्डर और ठेकेदारों की लंबी फेहरिस्त है।लखनऊ में पिछले दिनों गिरफ्तार राजस्थान के सतेंद्र ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि वह लखनऊ की 13 गाड़ियों को ट्रैक कर रहा था। पकड़ा न जाता तो चोरी कर लेता। शहर में सबसे बड़े वाहन चोर का खुलासा जून 2020 में हुआ था जब 109 लग्जरी गाड़ियां पकड़ी गई। वहीं पिछले साल 27 गाड़ियां रिकवर हुईं थी, साथ ही करीब 12 वाहन चोर पकड़े गए थे। यूपी, हरियाणा, राजस्थान समेत 9 राज्यों में गाड़ी चोरों का नेटवर्क सामने आया।सामने आया कि सत्येंद्र की ही तरह देश में कई गैंग सक्रिय हैं। लखनऊ में ही उसकी तरह 12-13 लोग लग्जरी गाड़ियां आन डिमांड चोरी करते थे, जोकि अब पकड़े जा चुके हैं।गोमतीनगर पुलिस की पूछताछ में शातिर कार सतेंद्र ने बताया कि मेरे पास हर प्रदेश के बड़े वर्कशॉप की पूरी सूची हैं। वह लग्जरी गाड़ियों के वर्कशॉप में जाकर उनके चेचिंस और इंजन नंबर लेता था।

एड्स जागरूकता शिविर:बचाव को लेकर जागरूकता जरूरी विजय बहादुर राय

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। विकास खण्ड के ग्राम पंचायत धुरिया के पंचायत भवन परिसर में किया गया। जिसमें 172 लोगों को जांच के लिए पंजीकृत किया गया।मंगलवार को उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर सघन स्वास्थ्य एवं संचार अभियान के तहत लिंक वर्कर परियोजना कुशीनगर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान विजय बहादुर राय ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि एड्स के खतरे के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। स्वास्थ्य शिविर में जिला समन्वयक चन्द्रशेखर यादव की देखरेख में आयोजित शिविर में सीएचसी कसया टीम के डा0 संजय कुमार सिंह, गौतम शर्मा, आईटीसी एलटी, खुशबू शुक्ला आईसीटीसी परामर्श दाता, लिंक वर्कर स्किम से डीआरपी अमित मिश्रा, जोनल सुपरवाइजर हरीश, शबनम, सीएलडब्ल्यू प्रमोद, सविता, राना, दिनेश, शकुंतला आदि ने मरीजों की जांच में योगदान दिया। स्वास्थ्य शिविर में उच्च जोखिम समूह व प्रवासियों का सामान्य जांच, दवा वितरण, टी बी, हेपटाइटिस, एचआईवी एड्स एवं यौन संचारित रोगों का परामर्श परीक्षण एवं उपचार तथा गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच व प्रचार प्रसार सामग्री, कंडोम की प्रदर्शनी व वितरण किया गया तथा लोक कला दल द्वारा एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 43 व्यक्तियों की हेपटाइटिस, 8 व्यक्तियों का टी बी जांच, 146 व्यक्तियों का एचआईबी की स्कैनिंग एवं परामर्श तथा 21 व्यक्तियों की यौन जनित रोग की परामर्श जांच एवं उपचार किया गया। इस दौरान हरिहर यादव, शैलेंद्र सिंह, नागेंद्र यादव, लालबचन यादव, मुन्ना तिवारी, सत्तन आदि सहित ग्रामीण मौजुद रहे।

स्मार्ट फोन वितरण सरकार की महात्वकांक्षी योजना:राजेश पांडेय

संवाददाता
कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के एसबीएम पीजी कालेज में प्रदेश सरकार की डीजी शक्ति योजना के तहत 269 छात्र छात्राओं में स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का है। आधुनिकीकरण समय की मांग है। युवाओं को तकनीक से जोड़ना शासन का उद्देश्य है। इससे रोजगार परक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बीते दस वर्षों में देश ने सभी क्षेत्र में प्रगति की है। सरकार की योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिलना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद राजेश उर्फ गुड्डू पांडेय ने कहा कि शासन की योजना का लाभ लाभार्थी को मिलना चाहिए।इससे छात्रों को परीक्षा की लिए तैयारी में मदद मिलती है। प्रबंधक शक्ति प्रकाश दीक्षित ने कहा कि बीते कुछ समय में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। प्राचार्य डा.आरपी शाही ने अतिथियों का स्वागत व आभार जताया। संचालन नोडल अधिकारी डा. केसी चौरसिया ने किया। इस दौरान बरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुनाथ मिश्र, डा.ज्योत्सना पांडेय, डा.रबिंद्रनाथ तिवारी, डा.शाश्वत चंदेल, डा. प्रभाकर मिश्र पंकज, डा.शत्रुघ्न सिंह, डा.प्रशांत बौद्ध, डा.पंकज कुमार, डा.ब्रजेश कुमार वर्मा, डा.सुकेश पांडेय, डा. राजेश कुमार पांडेय, श्रवण कुमार, प्रियेश पाठक, अरुणेश शुक्ल, देवेंद्रनारायन तिवारी, अंकित मिश्र, अभिषेक पांडेय, सुदामा गुप्ता, रामकृपाल, ब्यूटी गुप्ता, राहुल कुशवाहा, समायरा खातून, सुमित सिंह, शत्रुघ्न यादव, निक्की गुप्ता, रईस अंसारी, चंदन प्रसाद, रामायण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ऑर्केस्ट्रा प्रोग्राम में गैंगरेप

लखनऊ । साल 2017...यूपी की सत्ता ने सिंहासन पर गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर आदित्यनाथ योगी को बैठा दिया। सपा सरकार गिर गई। योगी सरकार आते ही माफिया विजय की मुश्किलों का दौर शुरू हो गया। 15 साल विधायक रहते हुए विजय ने जो अपराध किए। सारे गड़े मुर्दे उखड़ने लगे।अक्टूबर 2020 तक विजय पर दर्ज मुकदमों की संख्या 73 हो चुकी थी। माफिया कमजोर पड़ चुका था। इस बीच काशी की रहने वाली एक गायिका ने माफिया विजय, भतीजे मनीष मिश्रा और बेटे विष्णु मिश्रा पर भदोही के गोपीगंज थाने में गैंगरेप का केस दर्ज कराया। आरोप लगाया कि जब 2014 लोकसभा चुनाव में वह विजय की बेटी सीमा मिश्रा के प्रचार में एक ऑर्केस्ट्रा प्रोग्राम में आई थी, तब विजय मिश्रा ने उसे घर बुलाया। वहीं पर उसका गैंगरेप हुआ।

गन्ने की एक प्रजाति का क्षेत्रफल 60% से अधिक न रखें किसान- हेमप्रभा

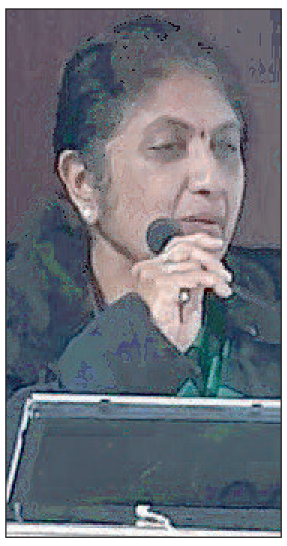

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में गन्ने की उत्पादकता एवं गन्ने में मिठास बढ़ाने तथा कृषकों की आय बढ़ाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में गन्ना अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए जा रहे शोध तकनीक को प्रयोगशाला से किसानों के खेतों पर पहुँचाने के लिए लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान लखनऊ के निदेशक विश्वेश कनौजिया के मार्ग निर्देशन में प्रदेश के 20 गन्ना किसानों का अध्ययन दल 6 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए गन्ना प्रजनन संस्थान क्षेत्रीय केंद्र करनाल, हरियाणा भेजा गया। 5 फरवरी 2024 को इस प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉक्टर जी. हेमप्रभा निदेशक गन्ना प्रजनन संस्थान कोयंबटूर, तमिलनाडु ने किया। उन्होंनेअपने संबोधन में किसानों को बताया कि गन्ने की एक प्रजाति का क्षेत्रफल 60% से अधिक नहीं होना चाहिए। उत्तर प्रदेश में कुछ चीनी मिल परिक्षेत्र में को. 0238 का क्षेत्रफल 80% से 90% या इससे अधिक हो गया था। जिस चीनी मिल क्षेत्र में एक प्रजाति का क्षेत्रफल 60% से अधिक होगा किसान तथा चीनी मिल दोनों का नुकसान होना निश्चित है। डॉक्टर जी. हेमप्रभा ने बताया कि गन्ने की अधिक उपज लेने के लिए पंक्ति से पंक्ति की दूरी 120 सेंटीमीटर से कम न रखें, फसल चक्र अपनाये, गन्ने की सूखी पत्तियां न जलाएं, सहफसली खेती करें, गन्ने की बधाई करें, 2 से 3 प्रजातियां बोयें। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों द्वारा दी गई जानकारी को अपने खेतों पर उतारे तथा मित्रों को बताएं तभी लाभ होगा। यात्रा का नेतृत्व करते हुए ओमप्रकाश गुप्ता सहायक निदेशक गन्ना संस्थान गोरखपुर ने निदेशक महोदया को बताया की गन्ना संस्थान द्वारा 1,25,000 कृषकों को मार्च 2024 तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कृषको को करनाल तथा पुणे भेज कर प्रशिक्षित किया जाएगा। करनाल शोध केंद्र के निदेशक डॉक्टर छाबड़ा ने निदेशक को बताया कि लखनऊ संस्थान द्वारा यह 14वां प्रशिक्षण दल आया है।
कीट वैज्ञानिक डॉक्टर एसके पांडे ने भी संबोधित किया। कृषकों को सहायक प्रबंधक एके पांडेय ने गन्ना साहित्य वितरित किया।

6 महीने से खाली जेल में 30 जेलकर्मियों का पहरा

प्रयागराज । के नैनी में यूपी की सबसे बड़ी जिला जेल बनकर तैयार है। लेकिन, यहां अभी तक कैदी नहीं लाए गए। पिछले 6 माह से इसी खाली जेल की रखवाली करने के लिए 30 जेल कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। यह आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में जेल की रखवाली कर रहे हैं।इतना ही नहीं जेल के सारे नियम फॉलो हो रहे हैं। यहां तैनात संतरी हर घंटे जेल के घंटे को बजाता है। यह घंटा कैदियों के लिए अलार्म का काम करता है। लेकिन, यहां कैदी ही नहीं फिर भी इस नियम का पालन किया जा रहा है।इस नए जेल मे 6 महीने से एक जेलर, तीन डिप्टी जेलर और 26 सिपाहियों की तैनाती कारागार विभाग की ओर से कर दी गई है। चार जेल अधिकारियों और 26 सिपाहियों का वेतन विभाग की ओर से बिना कोई काम लिए ही दिया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि विभाग की तरफ से सिर्फ आदेश आने की देरी है। आदेश आते ही कैदी यहां शिफ्ट कर दिए जाएंगे।बता दें कि यूपी की जेलों मे कैदियों की संख्या वहां की क्षमता से कहीं ज्यादा है, लगभग सभी जेलों मे क्षमता से दोगुना ज्यादा कैदी हैं। प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल का भी कुछ यही हाल है। यहां भी क्षमता से ज्यादा कैदी हैं। नैनी सेंट्रल जेल की क्षमता 2200 कैदियों की है जबकि यहां वर्तमान में तकरीबन 3400 कैदी बंद हैं। जिससे आए दिन यहां की व्यवस्था बिगड़ती रहती है।

वर्तमान सरकार हिन्दू मुस्लिम की राजनीति कर रही है पूर्व जज मनोज कुमार

संवाददाता
बिजनौर । संविधान जागरूकता विचार गोष्ठी की बैठक आ अयोजन धामपुर नगर, नहटौर नगर कोतवाली देहात आदि स्थानों पर किया गया। जिसमे में पूर्व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचने पर नगर वासियों द्वारा फूल मालाएं डालकर उनका स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार ने कहा कि जब देश आजाद नहीं था तो दलितों व पिछड़ो को कुछ भी अधिकार नहीं थे।देश की आजादी के बाद दो-तीन साल तक भी वह है गुलाम रहे लेकिन 26 जनवरी 1950 को बाबा साहब द्वारा संविधान लागू करने के बाद उन्हें उनके अधिकार मिलने शुरू हुए। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कारण ही दलितों पिछड़ों एवं मुस्लिम समाज को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिला। लेकीन वर्तमान सरकार संविधान को बदलना चाहती है। यदि उन्हें नहीं रोका गया तो फिर एक बार गुलाम बन जाओगे। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व दलितों को तालाब से पानी भरने नहीं दिया जाता था । उन्हें मंदिर जाने की इजाजत नहीं थी उनके साथ छुआछूत और भेदभाव किया जाता था बाबा साहब को इसके लिए संघर्ष करना पड़ा था यदि आप आज एकजुट नहीं हुए अपने वोट की ताकत को नहीं पहचाना तो आगे भी बहुत संघर्ष करना पड़ सकता है।उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही है बेरोजगारी चरम पर है लेकिन वर्तमान सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा है बस सिर्फ हम लोगों को धर्म में बांट दिया है हिंदू मुस्लिम की राजनीति कर रही है हमें यह सब मिलकर खत्म करना है धर्म की राजनीति को बंद करना है उन्होंने कहा कि यदि दलित पिछड़ा और मुस्लिम समाज अपनी वोटो की ताकत पहचान ले हमारे वोट की ताकत उतनी है कि हम किसी भी सरकार को गिरा सकते हैं और बना सकते हैं इसलिए हम सबको अपने वोट की ताकत को पहचाना है ।और एकजुट होकर गठबंधन के प्रत्याशी को वोट देना है और भारी मतों से जिताना है । इस दौरान मुमताज आढ़ती, शाहनवाज अहमद, गुलजार अहमद, दीपक कुमार,रहीश अहमद, चन्दन चौधरी, मुन्ने डान,डा, लुकमान हैदर, मोहम्मद मारूफ, नौशाद अहमद, जावेद अख्तर, आरिफ खान, लोकेश कुमार, मुकेश कुमार, रोहित शर्मा, दिव्यांशु कुमार, मोहम्मद नसीम, कफील अहमद, नदीम अहमद, दिलशाद मलिक, हाफिज शमशाद,अवरार अंसारी,विनित कुमार, अब्दुल वाजिद,सुरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

चंपाई सरकार

झारखंड में चंपाई सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो-कांग्रेस सरकार ने सदन में बहुमत सिद्ध करके विगत दिनों से चल रही अनिश्चितता को दूर कर दिया है। विधानसभा में हुए शक्ति परीक्षण में जीतना वर्तमान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ही नहीं, बल्कि हेमंत सोरेन के लिए भी किसी कामयाबी से कम नहीं है। आशंका थी कि विधायक टूट सकते हैं, किंतु विधायकों को हैदराबाद भेजकर और सही समय पर उनकी सदन में वापसी कराते हुए झामुमो ने भी अपनी सूझ-बूझकर परिचय दिया है। कुल 81 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि 29 विधायकों ने विरोध। यह भी एक तरह से इतिहास ही है कि एक पूर्व मुख्यमंत्री ने ईडी की हिरासत में रहते हुए विशेष न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद सदन की कार्यवाही और विश्वास मत में हिस्सा लिया। सोरेन के सदन में आने से झामुमो नेताओं को भी बल मिला और चंपाई सोरेन यहां तक बोल गए कि हेमंत हैं, तो हिम्मत है। उन्होंने पुरजोर आरोप लगाया कि एजेंसी का दुरुपयोग हो रहा है। अब एजेंसी के लिए भी चुनौतियां बहुत बढ़ गई हैं। 67 वर्षीय मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की सामने पहली चुनौती यही होगी कि वह झामुमो और झामुमो के दिग्गज नेता पर लग रहे आरोपों का माकूल जवाब दें। तमाम झामुमो नेता खुलकर विपक्षी पार्टी पर आरोप लगा रहे हैं और ऐसा करने की राजनीति को समझा जा सकता है, पर झामुमो के प्रयास केवल राजनीति तक सिमटकर न रह जाएं। हालांकि, जब चुनाव सामने हैं, तब सियासत को तल्ख होने से नहीं रोका जा सकता और यह तल्खी विवाद के जल्दी समाधान को रोकेगी। ऐसे विवाद महज आरोप या धमकी से नहीं निपटाए जाते हैं। अगर एजेंसियों ने गड़बड़ी की है, तो इसे सिद्ध करने के लिए चंपाई सरकार क्या अपनी ओर से प्रयास कर सकती है? तथ्य और तर्क से एजेंसी को सही दिशा में निर्देशित किया जा सकता है। ध्यान रहे, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यहां तक आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत रखती है। किसी बडे. नेता द्वारा अपने खिलाफ कार्रवाई को अपने पूरे समुदाय का उत्पीड़न बताना नया नहीं है, पर इसका असर लोगों पर अवश्य होता है। आम लोगों के पास सही सुबूत बाद में पहुंचते हैं, पर किसी नेता के बारे में कोई धारणा लोगों तक जल्दी पहुंच जाती है। संकेत यही है कि झारखंड के साथ-साथ बिहार में भी जो हालिया बदलाव हुआ है, उसमें भी कुछ नेता सहानुभूति का लाभ लेने की कोशिश करेंगे। वैसे सियासी लाभ के लिए सार्वजनिक विषय को व्यक्तिगत और व्यक्तिगत विषय को सार्वजनिक बना देने का पुराना चलन है। सियासत से हटकर बात करें, तो झारखंड के नए मुख्यमंत्री के हाथों में अनेक काम हैं। यह आदिवासी प्रदेश एक अन्य आदिवासी प्रदेश छत्तीसगढ़ के साथ बना था, पर छत्तीसगढ़ में राजनीतिक स्थिरता मिसाल है। वहां मुख्यमंत्रियों के दामन पर दाग भी कम हैं। दूसरी ओर, झारखंड में ऐसे भी मुख्यमंत्री हुए हैं, जिनके दाग लोग याद करते हैं। आश्चर्य नहीं, झारखंड में दस से ज्यादा बार सत्ता परिवर्तन हुआ है और चंपाई सोरेन सातवें मुख्यमंत्री हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय महज चौथे मुख्यमंत्री हैं।

यूसीसी पर बड़ी पहल

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी है, यह चार दिनों के विशेष सत्र में आसानी से पारित भी हो जाएगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद समान आचार संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। असम और गुजरात जैसे राज्य भी उत्तराखंड वाले मॉडल पर ही समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। इसे व्यवहार में लाने पर अगर असहमति रही तो उसका आधार यह था कि किसी समूह को ऐसा नहीं लगना चाहिए कि उसे उसकी आस्था या संस्कृति से जबरन अलग किया जा रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। इखढ लंबे वक्त से इसकी मांग करती आई है और इधर उसने इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाया है। वहीं, न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है। लिहाजा एक-एक करके अलग-अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। हालांकि उत्तराखंड सरकार इस पर धीरे-धीरे ही आगे बढ़ी है, लेकिन चूंकि जस्टिस रंजना देसाई की अगुआई वाली समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई और रविवार को कैबिनेट की मंजूरी दे दिए जाने के बाद भी मीडिया को औपचारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई, इसलिए इसके प्रावधानों को लेकर थोड़ा सस्पेंस बना हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, संदेह दूर हो जाएंगे। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं।

काश, नरेश गोयल रास्ते से न भटके होते

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

भारत के एविएशन सेक्टर के कभी शिखर नाम रहे नरेश गोयल की मौजूदा हालत और उनके पीछे के कारण वास्तव में एक बड़ा सबक हैं, बिजनेस की दुनिया के लोगों के लिए। नरेश गोयल 1970 के दशक के अंत से 1980 के दशक में राजधानी के बंगाली मार्केट की एक बरसाती में रहते थे। उन्होंने कुछ दिनों तक मशहूर बंगाली स्वीट हाउस में नौकरी भी की थी। नरेश गोयल बंगाली मार्केट के एक घर की बरसाती में कुछ दोस्तों के साथ साझा किरायेदार के रूप में रहते थे। बंगाली मार्केट के अलावा नरेश गोयल माहबत खान रोड के सरकारी घरों में भी किराये पर रहे। वे तब दिल्ली के अंसल भवन की एक एयरलाइंस की टिकटों का बिजनेस काम करने वाली छोटी सी कंपनी में काम करते थे। वे सुबह-शाम का खाना बंगाली मार्केट के करीब रिफ्यूजी मार्केट में खा लिया करते थे। वे पंजाब के शहर संगरूर से दिल्ली आए थे। बेशक, वह नरेश गोयल के संघर्ष के दिन थे। वे दिन-रात मेहनत करते रहते थे। नरेश गोयल दिल्ली में नौकरी करने के इरादे से तो नहीं आये थे। उनके कई बड़े सपने थे। संघर्ष के दिनों में भी उनकी तमन्ना आकाश को छूने की ही रहती थी। कुछ दिनों तक बंगाली मार्केट में नौकरी करने के बाद वे पूरी तरह से एयरलाइंस की दुनिया में डूब गए।

एक समय विमानन की दुनिया में एयर इंडिया के बाद दूसरा स्थान रखने वाले जेट एयरवेज के फाउंडर चेयरमेन रहे नरेश गोयल की हाल ही में कुछ अखबारों में छपी एक फोटो में उनकी बेहद खराब सेहत हालत को देखकर उनके अनेकों मित्रों और करीबियों को निराशा तो जरूर ही हुई होगी। नरेश गोयल आजकल मुंबई की एक जेल में विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। उन पर धोखाधड़ी के बहुत से केस चल रहे हैं। उनकी पत्नी भी बीमार है। उन्होंने मुंबई की एक अदालत में यहां तक कहा कि अब उन्हें मर ही जाना चाहिए। भारत के एविएशन सेक्टर के कभी शिखर नाम रहे नरेश गोयल की मौजूदा हालत और उनके पीछे के कारण वास्तव में एक बड़ा सबक हैं, बिजनेस की दुनिया के लोगों के लिए। नरेश गोयल 1970 के दशक के अंत से 1980 के दशक में राजधानी के बंगाली मार्केट की एक बरसाती में रहते थे। उन्होंने कुछ दिनों तक मशहूर बंगाली स्वीट हाउस में नौकरी भी की थी। नरेश गोयल बंगाली मार्केट के एक घर की बरसाती में कुछ दोस्तों के साथ साझा किरायेदार के रूप में रहते थे। बंगाली मार्केट के अलावा नरेश गोयल माहबत खान रोड के सरकारी घरों में भी किराये पर रहे। वे तब दिल्ली के अंसल भवन की एक एयरलाइंस की टिकटों का बिजनेस काम करने वाली छोटी सी कंपनी में काम करते थे। वे सुबह-शाम का खाना बंगाली मार्केट के करीब रिफ्यूजी मार्केट में खा लिया करते थे। वे पंजाब के शहर संगरूर से दिल्ली आए थे। बेशक, वह नरेश गोयल के संघर्ष के दिन थे। वे दिन-रात मेहनत करते रहते थे। नरेश गोयल दिल्ली में नौकरी करने के इरादे से तो नहीं आये थे। उनके कई बड़े सपने थे।

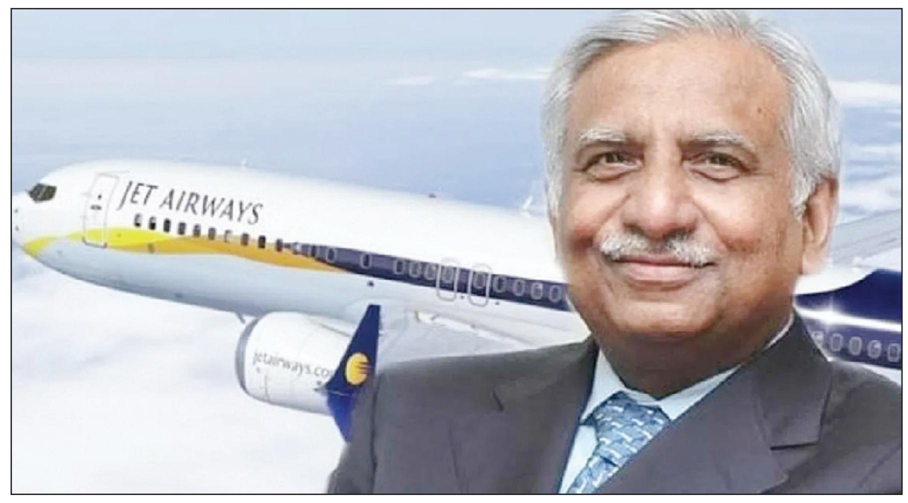

संघर्ष के दिनों में भी उनकी तमन्ना आकाश को छूने की ही रहती थी। कुछ दिनों तक बंगाली मार्केट में नौकरी करने के बाद वे पूरी तरह से एयरलाइंस की दुनिया में डूब गए। उन्होंने सबसे पहले इराक और कुवैत एयरलाइंस की टिकटों को बेचने का काम शुरू किया। नरेश गोयल का धंधा उनकी मेहनत से फौरन चमकने लगा। वे जल्द ही मोटी रकम कमाने लगे। उसी दौर में उन्होंने ईस्ट दिल्ली में एक घर भी खरीद लिया। नरेश गोयल का काम और चमका तो वे चार्टर फ्लाइट के बिजनेस में कूद पड़े। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं समझी। नरेश गोयल अमृतसर से चार्टर फ्लाइट लेकर लंदन जाने लगे। उनका दिल्ली, अमृतसर, मुंबई और लंदन लगातार आना-जाना लगा रहता। सरकार ने जब 1991 के बाद एविएशन सेक्टर में प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआई) का रास्ता खोला, तो नरेश गोयल को लगा कि अब आकाश में उड़ने का वक्त आ गया है। वे तब मुंबई पूरी तरह से शिफ्ट हो गए। वहां पर उन्हें बिजनेस की दुनिया को करीब से जानने का मौका मिला। उसके बाद वे अपने दिल्ली के दोस्तों से दूर होते चले गए। बंगाली मार्केट कहीं बहुत पीछे छूट गई। मुंबई में उन्हें एक नया सर्किल मिल गया। वे जेआरडी टाटा के भी करीबी बन गए। उन्होंने जेट एयरवेज लॉन्च की तो शाहरुख खान, जावेद अख्तर और यश चोपड़ा को अपनी एयरलाइंस कंपनी का डायरेक्टर बनाया। और ,आज जब देश का एविएशन सेक्टर लंबी छलांग लगा रहा है, तब नरेश गोयल जेल में हैं। उनके जेट एयरवेज की उड़ानें 17 अप्रैल 2019 से बंद है। वे मुंबई की जेल में अपने दिल्ली के संघर्ष के दिनों के साथियों को याद तो जरूर ही करते होंगे। नरेश गोयल से कामकाज के दौरान कुछ चूक तो जरूर ही हुई है। इसलिए ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में नरेश गोयल और पांच अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। देखा जाए तो नरेश गोयल को भी देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार ने बिजनेस की दुनिया में कूदने की प्रेरणा दी। उदय कोटक, एन. नारायणमूर्ति, नंदन नीलकेणी, शिव नाडार, नरेश गोयल समेत सैकड़ों नौजवानों को 1990 के दशक में सही ही लगा कि अब कुछ उद्यम शुरू करने का वक्त आ गया है। इंस्पेक्टर और लाइसेंस राज से मुक्ति मिल गई है। सबने बहुत छोटे स्तर से अपना कामकाज शुरू किया। इन सबको आर्थिक उदारीकरण ने अपने जौहर दिखाने के पर्याप्त अवसर भी दिए। सबने लंबी छलांग लगाई। पर शायद नरेश गोयल सही रास्ते से तनिक भटक गए। वे मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया में खो गए। वे अपनी जेट एयरवेज में एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञों की बजाय बॉलीवुड की हस्तियों को कंपनी के बोर्ड में जगह देने लगे। नतीजा अब सबके सामने है। नरेश गोयल टाटा समूह के पुराण पुरुष जेआरडी टाटा के मित्र तो बन गए पर उनकी तरह अपने कोई सलाहकार नहीं रख सके। जेआरडी टाटा की कोर टीम में अजित केरकर (ताज होटल), एफ.सी. कोहली (टीसीएस), प्रख्यात विधिवेत्ता ननी पालकीवाला (एसीसी सीमेंट), रूसी मोदी (टाटा स्टील) वगैरह थे। जेआरडी टाटा लाख व्यस्त होने पर भी रोज अपने इन सलाहकारों से 45 मिनट से घंटे-डेढ़ घंटे की बैठक करते थे। अगर आज भारत को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया सबसे खास शक्तियों में से एक माना जाता है और भारत का आईटी सेक्टर का व्यापार यदि करीब 200 अरब डॉलर प्रति साल तक पहुंच गया है, तो इसका श्रेय कुछ हद तक तो आपको एफ.सी. कोहली को तो देना ही होगा। आप कह सकते है कि कोहली जी ने ही देश में निर्यात परक आईटी उद्योग की नींव रखी। वे प्रौद्योगिकी जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देने वालों में सबसे आगे रहे। अगर उन्होंने देश के आईटी सेक्टर की नींव रखी तो जेआरडी टाटा को क्रेडिट देना होगा कि उन्होंने ही कोहली जी को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को स्थापित करने और आगे चलकर उसे चलाने का भी जिम्मा सौंपा था। जेआरडी टाटा में सही सहयोगियों को पहचानने और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने का यह गुण अदभुत था। उन पर ईश्वरीय कृपा थी कि वे चुन-चुनकर एक से बढ़कर एक कुशल एक मैनेजरों को अपने साथ जोड़ लेते थे। काश, नरेश गोयल भी जेआरडी टाटा से कुछ गुण सीख लेते। नरेश गोयल की आगे की भी राह कोई बहुत आसान नहीं है। यह देखना होगा कि क्या वे अपने को कानून की नजरों में कभी निर्दोष साबित कर सकेंगे। नरेश गोयल अगर रास्ते से न भटकते और पूरे फोकस से अपनी जेट एयरवेज को चला रहे होते, तो वे आज वे भारतीय बिजनेस की दुनिया का चमकता हुआ सितारा होते। अफसोस यह हो न सका। नये उद्यमियों को इससे एक सीख लेने की जरूरत है कि बिजनेस में शॉर्ट कट से पैसे पैदा करना घातक हो सकता है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

बुंदेलखंड की बुझी प्यास, मेड़बंदी से बढ़ी आस

केंद्र सरकार सारे देश में वर्षा जल की बूंद-बूंद सहेजने के लिए पिछले 10 साल से भगीरथ प्रयास कर रही है। कुछ जगह अब इसके सुखद और सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। उत्तर प्रदेश ने बड़ी खुशखबरी दी है। राज्य में गेहूं और धान की सरकारी खरीद का आंकड़ा लंबे समय तक अकाल का पर्याय रहे बुंदेलखंड के लिए नई उम्मीद जगाता है, क्योंकि यह वही इलाका है जहां कभी केंद्र सरकार मालगाड़ी से पानी भेजती थी। यहां से टैंकरों के माध्यम से पानी बांदा के चित्रकूट, मानिकपुर और सूखे के लिए अभिशप्त पाठा क्षेत्र में भेजा जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने एक दशक में बुंदेलखंड खासकर बांदा और चित्रकूट का सूखा खत्म कर दिया है। प्रदेश की योगी सरकार ने भी इस अभियान में अहम भूमिका निभाई है। अब चित्रकूट के पाठा, मऊ, राजापुर में बासमती चावल महक रहा है। बाकी जगह गेहूं की फसल लहलहा रही है। उत्तर प्रदेश में पिछले साल 15 जून तक गेहूं की कुल सरकारी खरीद (न्यूनतम समर्थन मूल्य) 20 4000 मीट्रिक टन की गई। इसमें अकेले चित्रकूट और राजापुर से 75270 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। चित्रकूट मंडल के किसानों ने 41076 मीट्रिक टन उत्तर प्रदेश सरकार को बेचा। चित्रकूट मंडल उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। दूसरे नंबर पर बुंदेलखंड मंडल रहा। झांसी से 34194 मीट्रिक टन गेहूं सरकार ने खरीदा। तीन-चार दशक पहले अपने गांव जखनी का सूखा खत्म करने के लिए "खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़" अभियान शुरू करने वाले पद्मश्री से सम्मानित उमाशंकर पाण्डेय इस बदली हुई तस्वीर का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हैं। वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने सारे देश को "खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़" अभियान से जोड़कर जल संरक्षण की पुरखों की विधि को जीवंत कर दिया है। इन प्रयासों की वजह से 30 लाख क्विंटल से अधिक बासमती उत्पादन चित्रकूट मंडल कर रहा है। बुंदेलखंड के किसान राष्ट्र और समाज को मजबूत कर रहे हैं। बांदा जिले के 10,000 से अधिक किसानों ने खेत पर मेड़बंदी की है। अब तक 25,000 से अधिक किसानों ने सामुदायिक प्रयास से मेड़बंदी कर वर्षा की बूंदों को रोका है। इससे पलायन रुका है। लोग बड़े पैमाने पर पशुपालन कर रहे हैं। दुग्ध उत्पादन और सब्जियों की पैदावार से समृद्धि आई है। पानी के लिए अब हाहाकार नहीं मचता। पाण्डेय कहते हैं कि एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार बांदा जिले के जिन गांवों में कभी 200 बीघा जमीन में धान की पैदावार होती थी उनमें अब हजार बीघा से अधिक जमीन में धान की पैदावार हो रही है। जिस गांव के रकबे में 20 फीसद फसल पैदा होती थी वहां 95 प्रतिशत फसल पैदा होने लगी है। भू-जल विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दो मीटर जलस्तर बांदा जिले का ऊपर आया है। यह बड़े बदलाव का संकेत है। जल संरक्षण की परंपरागत सामुदायिक विधि को आज सूखा प्रभावित सभी राज्य के किसान अपना रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़,बिहार और झारखंड में भी किसान बड़ी संख्या में आगे आए हैं। "खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़" को सर्वप्रथम बांदा जिले की 470 ग्राम पंचायत में प्रशासन ने लागू किया था। अब तो उत्तर प्रदेश सरकार ने संपूर्ण प्रदेश को इससे जोड़ दिया है। नीति आयोग और जल शक्ति मंत्रालय ने संपूर्ण भारत के लिए इसे उपयुक्त माना है। अटल भू-जल योजना सहित अनेक योजनाओं में जल संरक्षण के इस मॉडल पर अमर किया जा रहा है। वह कहते हैं कि बुंदेलखंड में कभी एक किलोग्राम बासमती चावल पैदा नहीं होता था। जखनी में इसकी शुरूआत 2007 में हुई। इस प्रयोग ने सूरत बदल दी। "खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़" ऐसी जल संरक्षण की तकनीक है कि कोई भी फावड़े से अपने खेत की मेड़बंदी कर सकता है। उस पर सहजन, करौंदा, नींबू, अमरूद और अरहर और औषधि फसल का उत्पादन कर अतिरिक्त आमदनी की जा सकती है। अमृतकाल में हो रहे बदलावों में सामुदायिक और सरकारी प्रयास तो रंग ला रहे हैं, मगर यह दावे से कहा जा सकता है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो संकल्प सिद्धि में देर नहीं लगती। मोदी सरकार का मानना है कि इन उपायों का कार्यान्वयन सतत प्रक्रिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की बागडोर संभालने के सालभर बाद ही 2015 में 500 शहरों में अटल मिशन शुरू किया गया। इसके तहत लगभग 4,900 कस्बों तक जलापूर्ति सुनिश्चित की गई। एक अक्टूबर 2021 को अमृत 2.0 की शुरूआत की गई। अमृत 2.0 शहरों को 'आत्मनिर्भर' और 'जल सुरक्षित' बनाने पर केंद्रित है। इसके तहत जल स्रोत और कुओं का कायाकल्प किया जा रहा है। भारी वर्षा के दौरान नालों के माध्यम से वर्षा जल (जिसमें सीवेज नहीं मिल रहा है) को संग्रहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के सहयोग से नवंबर, 2021 में रिवर सिटीज अलायंस शुरू किया है। गंगा नदी के तट पर 30 शहरों के साथ अब 142 नदी शहर इसके सदस्य हैं। कैच द रेन पर भी फोकस किया गया है। यह जानकारी जल शक्ति राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मुद्रा योजना ने न सिर्फ उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में अद्भुत बदलाव लाने का काम भी किया है। मुझे यह देखकर भी बहुत संतोष होता है कि इस योजना में हमारी माताओं-बहनों के साथ ही एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लाभार्थियों की संख्या सबसे अधिक है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कांग्रेस और झामुमो को अपने पार्टी के विधायकों के उपर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्हें राज्य से बाहर ले जाया गया। झारखंड के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी ने किसी विधायक से संपर्क करने अथवा सरकार बनाने का कोई प्रयास नहीं किया। हेमंत सोरेन गंभीर आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए हैं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब तक झारखण्डी योद्धा हेमन्त सोरेन जी केंद्र सरकार और बीजेपी के षड्यंत्र को परास्त कर हम सब के बीच नहीं आ जाते, तब तक उनका यह एकाउंट, मेरे, यानी उनकी जीवन साथी कल्पना मुर्मू सोरेन द्वारा चलाया जाएगा। हमारे वीर पुरुखों ने अन्याय और दमन के खिलाफ हूल और उलगुलान किया था, अब फिर वह वक्त आ गया है। आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद पूर्व की भांति बना रहे। लड़े हैं, लड़ेंगे! जीते हैं, जीतेंगे! जय जोहार! जय झारखण्ड!

(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

परीक्षा में नकल रोकने की साहसिक पहल

अलग-अलग कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा हो या नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया हो या फिर स्कूल और कॉलेज की नियमित रूप में होने वाली परीक्षा हो। नकल, धोखाधड़ी और गुंडागर्दी एक रूटीन का मामला बन गया है। अनेक तरह कोशिश के बाद भी इस अपराध पर अंकुश लगाना संभव नहीं हो पाया। नकल रोकने के प्रयास हिंसा या प्रतिशोध के कारण विफल रहे हैं । दबाव के आगे समर्थ भी खामोश रहते देखे जाते रहे हैं। परिस्थिति के दौरान गलत को सही और सही को गलत समझने का भ्रम अनुभव होता है। परीक्षा माफिया पर अब लगाम लगनी तय है। संसद द्वारा इस संबंध में कानून बनाया जाना सचमुच सही दिशा में एक भगीरथी प्रयास है। अचानक सब ठीक हो जाएगा ऐसा मानना थोड़ी जल्दबाजी होगी क्योंकि नासूर की जड़ बहुत ही गहरी है। लेकिन यह इस दिशा में एक मील का पत्थर और एक साहसिक एवं स्वागतयोग्य कदम है जो धीरे-धीरे इस क्षेत्र की भ्रष्ट प्रणाली में वांछित परिणाम देगा । प्रतियोगी परीक्षाओं में युवा सारे साधन झोंक देते हैं और कई बार तो स्वयं को आहत भी कर रहे हैं। कोटा जैसे संस्थान इसके उदाहरण हैं। उम्मीदवार के साथ साथ परिवार और पूरी व्यवस्था को अपूरणीय क्षति के दौर से गुजरना पड़ता है। यह राष्ट्रीय कलंक है। विगत वर्षों में कई राज्यों के राजनेता और अधिकारी इस तरह के भ्रष्टाचार में संलिप्त पाये गए हैं और जेल में हैं। नौकरी देने वाली संस्थाएं, लोकसेवा आयोग के मुखिया और सदस्यों सहित प्रभावशाली वर्ग की भूमिका संदेह के दायरे में रही है। आर्थिक संपन्न समूह का डंका बजता है जिस से सभी स्तर पर निराशापूर्ण माहौल पैदा होता है। यह कानून इस दिशा में युगांतकारी और आशातीत फल देगा ऐसा विश्वास किया जाना चाहिए।शिक्षण संस्थानों में इस समस्या के अलग आयाम हैं। यह कानून एक करोड़ रुपये जुमार्ना और दस साल तक की सजा का प्रावधान करता है तथा संबंधित संस्थान की अयोग्यता को सस्पेंड करता है। इस तरह के नियम स्कूल और कॉलेज के लिए भी बनने चाहिए । नकल के खेल में उम्मीदवार, परीक्षक, अभिभावक यानी समाज, माफिया और कानून की एजेंसियां मुख्य किरदार रहते हैं। यह कानून इन सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा रखता है । कहीं एक, कहीं दो और कहीं सभी समूह की सहभागिता निश्चित परिणाम देने में सक्षम होगी ऐसा माना जाना होगा। नकल के स्वर्णिम सिद्धांत के अनुसार यदि अध्यापक चाहेगा तो नकल होगी यदि नहीं चाहेगा तो नहीं होगी लेकिन उसे परिवेश का वरदहस्त चाहिए क्योंकि उसे खामोश करने के बड़े रास्ते हैं जो माफिया समूह जानता है। इस कानून को पूरे देश में पूरी तन्मयता के साथ अपनाकर पूरी निष्ठा के साथ लागू किया जाएगा और युवावर्ग और देश की प्रतिभा के साथ न्याय करते हुए देश की उन्नति सुनिश्चित हो पाएगी तभी यह कानून अपनी दिशा में वरदान साबित हो सकता है।

शिखर को सम्मान

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान करना राजनीति की उस परंपरा को सम्मानित करना है, जो हर जरूरी मौके पर दलगत सीमाओं से ऊपर उठती रही है, जो विरोधियों का सम्मान करने और उनसे सम्मान पाने की क्षमता से ताकत पाती रही है। निश्चित रूप से यह एक बड़ा फैसला है और इसके कई पहलू हैं। यह फैसला ऐसे समय किया गया है, जब अयोध्या के राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ है। अगर रामजन्मभूमि आंदोलन को परवान चढ़ाने का श्रेय किसी एक राजनीतिक नेता को दिया जा सकता है तो वह आडवाणी ही हैं। नब्बे के दशक की शुरूआत में की गई उनकी रथयात्रा ने इस मुद्दे को जितनी मजबूती दी, उतनी शायद ही किसी एक घटना ने दी हो। बावजूद इसके, हाल के दिनों में ऐसी आवाजें उठ रही थीं कि आडवाणी को उतना श्रेय नहीं मिला जितना मिलना चाहिए था। भारत रत्न देने का यह फैसला ऐसी तमाम आलोचनाओं की गुंजाइश समाप्त कर देता है। पिछले महीने ही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की थी। हालांकि उस फैसले का राजनीति की सभी धाराओं ने समर्थन किया, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं यह बात भी दर्ज हो ही गई थी कि सरकार ने उस समाजवादी धारा को सम्मानित किया जो वैचारिक तौर पर मौजूदा राष्ट्रवादी धारा के खिलाफ मानी जाती है। ऐसे में जाने-अनजाने इस फैसले ने राजनीतिक संतुलन की जरूरत को भी पूरा कर दिया है। मगर आडवाणी को भारत रत्न देने के फैसले का बड़ा संदेश है जो इन छोटी-मोटी जरूरतों से काफी आगे जाता है। आडवाणी की राजनीति में भले ही एक तरह की वैचारिक आक्रामकता रही हो और इस वजह से उसके समर्थन और विरोध में तीव्र भावनाएं देखने को मिलती हों, जहां तक उनके व्यक्तिगत आचरण की बात है तो उन्होंने हमेशा शुचिता बनाए रखी और यह बात उनके कट्टर विरोधी भी स्वीकार करते हैं। हवाला घोटाला में नाम आते ही आडवाणी ने न सिर्फ संसद की सदस्यता छोड़ दी बल्कि यह भी कहा कि जब तक बेदाग नहीं साबित हो जाते तब तक न तो चुनाव लड़ेंगे और न ही कोई सार्वजनिक पद स्वीकार करेंगे। उनके राजनीतिक जीवन का जो नेगेटिव बिंदु कहा जा सकता है वह है उनकी अगुआई वाले आंदोलन के दौरान बाबरी मस्जिद का तोड़ा जाना, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी अपराध करार दिया है। लेकिन यहां खास बात यह रही कि उन्होंने कभी उस घटना का समर्थन नहीं किया। वह हमेशा मंदिर आंदोलन की रचनात्मक विशिष्टता को रेखांकित करते हुए उसे देश की गौरवशाली आध्यात्मिक परंपरा से जोड़े रखने पर जोर देते रहे। उन्हें भारत रत्न देने का फैसला निस्संदेह स्वागत योग्य है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

नौ महीनों में तेल कंपनियों का मुनाफा 69,000 करोड़ रहा

मुंबई । मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में देश की तीन पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों को 69,000 करोड़ रुपए का जोरदार मुनाफा हुआ है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशल` लिमिटेड (एचपीसीएल) का मुनाफा वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में संयुक्त रूप से तेल संकट से पहले के सालों में रही 39,356 करोड़ रुपए की वार्षिक कमाई से बेहतर है। आईओसी ने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में एकल आधार पर 34,781.15 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। कंपनी ने इसकी तुलना में 2022-23 में 8,241.82 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। कंपनी को 2021-22 में 24,184 करोड़ रुपए और 2020-21 में 21,836 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। बीपीसीएल ने चालू वित्त वर्ष में नौ महीने महीने की अवधि में 22,449.32 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसे 4,607.64 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। एचपीसीएल का 9 महीने का मुनाफा 11,851.08 करोड़ रुपए रहा जबकि उसे वित्त वर्ष 2022-23 में 8,974.03 करोड़ रुपए का घाटा और 2021-22 में 6,382.63 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। तेल कंपनियों को अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान रूस-यूक्रेन वॉर की वजह से संयुक्त रूप से 21,201.18 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी और सरकार के एलपीजी सब्सिडी देने से आईओसी और बीपीसीएल को 2022-23 के दौरान सालाना लाभ प्राप्त करने

में मदद मिली लेकिन एचपीसीएल घाटे में रही। चालू वित्त वर्ष में हालात बदले हैं। तीनों कंपनियों ने पहली दो तिमाहियों में रिकॉर्ड कमाई की। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें एक साल पहले की तुलना में लगभग आधी होकर 72 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल होना रहा। बाद की तिमाही में अंतरराष्ट्रीय कीमतें फिर से बढ़कर 90 अमेरिकी डॉलर हो गईं। इससे उनकी कमाई में कमी आई लेकिन कुल मिलाकर साल के दौरान उन्हें अच्छा लाभ हुआ।

अमेरिकी फर्म ने ओला का मूल्यांकन घटाकर 1.88 अरब डॉलर किया

नई दिल्ली ।

अमेरिका की निवेश प्रबंधन फर्म वैनगार्ड ने मोबिलिटी कंपनी ओला का मूल्यांकन घटाकर 1.88 अरब डॉलर कर दिया है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) को दी गई अपनी नियामकीय सूचना के अनुसार वैनगार्ड ने 30 नवंबर, 2023 तक ओला की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजिज का मूल्यांकन कम करके 1.88 अरब डॉलर कर दिया है। यह पिछले साल 31 अगस्त तक इसके पिछले मूल्य 2.65 अरब डॉलर की तुलना में 29 प्रतिशत कम है। वैनगार्ड का नवीनतम मूल्य 1.88 अरब डॉलर है, जो पिछले मूल्यांकन से 74 प्रतिशत कम है, जिस पर कंपनी ने धन जुटाया था। पिछले साल फरवरी में वैनगार्ड ने एएनआई टेक्नोलॉजिज का मूल्यांकन 7.3 अरब डॉलर से लगभग 34 प्रतिशत घटाकर 4.8 अरब डॉलर कर दिया था। बाद में वैनगार्ड ने अपनी हिस्सेदारी 52.7 प्रतिशत और घटाकर 3.5 अरब डॉलर कर दी थी। बताया जाता है कि इस राइड-हेलिंग फर्म में वैनगार्ड की हिस्सेदारी करीब 0.7 प्रतिशत है।

कंपनी ने वैनगार्ड द्वारा उसके मूल्यांकन में की गई कटौती के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की। दिसंबर 2021 में मोबिलिटी प्लेटफॉर्म ने आईआईएफएल, एडलवाइस और हीरो एंटरप्राइज सहित कुछ निवेशकों से तकरीबन 13.9 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई थी। कारोबार पर नजर रखने वाले एक प्लेटफॉर्म से प्राप्त किए गए नियामकी दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है।

सुस्त मांग से एफएमसीजी कंपनियां हो रहीं प्रभावित

- अक्टूबर-दिसंबर में एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 2.5 फीसदी ही बढ़ी

नई दिल्ली ।

अर्थव्यवस्था में निजी खपत सुस्त रहने से दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां प्रभो वित हो रही हैं। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सूचीबद्ध एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 2.5 फीसदी ही बढ़ी, जो 14 तिमाहियों में सबसे कम है। जून, 2020 में समाप्त तिमाही के बाद से एफएमसीजी कंपनियों की आय में यह सबसे कम वृद्धि है। एक` रिपोर्ट में बताया गया है` कि कोविड के कारण जब लॉकडाउन हुआ था तब कुछ कंपनियों की कुल बिक्री में सालाना 13.2 फीसदी गिरावट आई थी। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 57,604 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 56,203 करोड़ रुपये से मामूली अधिक है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी बिक्री 56,921 करोड़ रुपये रही थी। वृद्धि में गिरावट इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर, 2022 में आय भी कम ही थी। इस विश्लेषण में वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने वाली 20 एफएमसीजी कंपनियां ली गई हैं, जिनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स, डाबर इंडिया, गोदरेज कंज्यूमर, मैरिको, कोलगेट-पामोलिव, पीऐंडजी हाइजीन, जिलेट इंडिया और ज्योति लैब्स जैसे नाम शामिल हैं। नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, टाटा कंज्यूकर, बर्जर पेंट्स और कंसाई नेरोलैक जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजे अभी जारी नहीं हुए हैं, इसलिए इन्हें नमूने में शामिल नहीं किया गया है। मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजों पर लिखा है, 'हिंदुस्तान यूनिलीवर की बिक्री 2 फीसदी बढ़ी है और आय लगभग सपाट रही है। उत्पादों के दाम घटाने और ग्राहकों को ऑफर देने के बाद भी ग्रामीण इलाकों में बिक्री रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। शहरी इलाकों में प्रीमियम श्रेणी का प्रदर्शन बेहतर बना हुआ है।

सेल अपने इस्को संयंत्र विस्तार पर 24,000 करोड़ निवेश करेगी

कोलकाता ।

सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) अपने इस्को इस्पात संयंत्र में 40 लाख टन क्षमता की नई इकाई लगाने पर 20,000-24,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के बर्नपुर में स्थित इस्को के मौजूदा संयंत्र में वाहन क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक फ्लैट हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) का उत्पादन करने की योजना है और इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस्को इस्पात संयंत्र के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमें नई इकाई लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। यह एपीआई और ऑटोमोटिव ग्रेड को लक्षित करते हुए फ्लैट एचआर कॉइल का उत्पादन करेगी। उन्होंने कहा` कि इस योजना को निदेशक मंडल की मंजूरी मिलना अभी बाकी है लेकिन जल्द ही यह मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वास्तविक पूंजीगत व्यय और निवेश के ब्योरे को निविदा प्रक्रिया के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। संयुक्त उद्यम के लिए संभावित विदेशी साझेदारों के संबंध में देरी होने के बाद सेल ने आखिरकार स्वतंत्र रूप से फ्लैट स्टील विस्तार परियोजना शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के अगले तीन-चार साल में पूरा होने की उम्मीद है। सेल की इकाई इस्को फिलहाल 26 लाख टन कच्चे इस्पात की क्षमता वाले संयंत्र का संचालन करती है। यहां पर 85-90 प्रतिशत कच्चे इस्पात को टीएमटी बार, वायर रॉड और भारी संरचनात्मक उत्पादों में बदला जाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल एशियाई बाजार में मिलेजुले रुख के बाद भी दिग्गज आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में तेजी से आया है। आज कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 454.67 अंक करीब 0.63 फीसदी की बढ़त के साथ ही 72,186.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 157.70 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी बढ़कर 21,929.40 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मारुति, विप्रो, लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट पर बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में तेजी और विदेशी निवेशकों के निवेश से भी बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई और हांगकांग का शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया के सियोल और टोक्यो के बाजार में भी गिरावट रही। ज़्यादातर यूरोपीय बाज़ार लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

विदेशों निवेशकों ने भी घरेलू बाजार में 518.88 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में गिरावट के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी की वजह से घरेलू बाजार तेजी के साथ खुला। बीएसई का सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 71,731.42 के मुकाबले 239 अंक 240 अंक की बढ़त लेकर 71,970.82 पर खुला। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी

सकरात्मक शुरुआत के साथ खुला और 69.75 अंक की वृद्धि के साथ 21,841.45 पर कारोबार कर रहा था

पेटीएम ने कहा- उसकी यूपीआई सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट बैंक पर रोक लगाने के बाद पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने यूपीआई सेवाओं पर बयान जारी कर कहा कि उसकी यूपीआई सेवा सामान्य रूप से काम करती रहेंगी, क्योंकि कंपनी इसे जारी रखने के लिए अन्य बैंकों के साथ काम कर रही है। बता दें फिलहाल पेटीएम यूपीआई सेवाएं, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के तहत आती हैं, जिसे हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने 29 फरवरी के बाद ग्राहकों से पैसे लेने से रोक दिया था। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई सामान्य रूप से काम करता रहेगा। हम बिना किसी बाधा के सेवा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अन्य बैंकों के साथ काम कर रहे हैं। उपयोगकर्ताओं को अलग से कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अनुसार पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) दिसंबर में बैंकों के बीच शीर्ष यूपीआई लाभार्थी था। ग्राहकों ने दिसंबर में पेटीएम पेमेंट बैंक ऐप पर 16,569.49 करोड़ रुपए के 144.25 करोड़ लेनदेन किए। पेटीएम का भारत बिल पेमेंट ऑपरेटिंग यूनिट (बीबीपीओयू) कारोबार भी पीपीबीएल के तहत आता है। यह सेवा बिजली-पानी, स्कूल और विश्वविद्यालय शुल्क जैसे बिल भुगतान की सुविधा देती है। आरबीआई के कदम का बीबीपीओयू के जरिए बिल भुगतान पर असर के बारे में पूछे जाने पर, पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि पेटीएम उपयोगकर्ता हमेशा की तरह सभी बिल भुगतान और रिचार्ज के लिए ऐप का उपयोग जारी रख सकते हैं।

अमेरिकी सांसद ने की चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा जांचने की मांग

वाशिंगटन । अमेरिकी में एक शक्तिशाली कांग्रेस समिति के प्रमुख ने वैश्विक स्तर पर चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा की जांच करने और एक रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया है। रिपब्लिकन सांसद एवं तरीकों तथा साधनों की सदन की समिति के चेयरमैन जेसन स्मिथ ने कहा कि अमेरिका, चीन, भारत, बांग्लादेश, ब्राजील और पाकिस्तान सहित प्रमुख वैश्विक चावल उत्पादक तथा निर्यातक देशों के हालिया कदमों के संदर्भ में इसकी आवश्यकता है। स्मिथ ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग (यूएसआईटीसी) के चेयरमैन डेविड एस. जोहानसन को लिखे एक पत्र में कहा कि सांसदों को ऐसी नीतियों को लागू करने के लिए वैश्विक चावल बाजार की अद्यतन समीक्षा तथा विश्लेषण की आवश्यकता है जो यह सुनिश्चित करेगी कि अमेरिकी उत्पादक समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हों। यूएसआईटीसी द्वारा इसी तरह की आखिरी रिपोर्ट 2015 में तैयार की गई थी। स्मिथ ने कहा` कि 2015 के बाद से वैश्विक चावल बाजार में हुए महत्वपूर्ण बदलावों को देखते हुए अमेरिकी चावल उत्पादकों को दुनिया भर में किस हद तक अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, यह जानने में नया विश्लेषण सांसदों की मदद करेगा। स्मिथ ने अन्य बातों के अलावा यूएसआईटीसी प्रमुख से अमेरिकी चावल उद्योग के साथ-साथ बांग्लादेश, ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, पैराग्वे, थाईलैंड, उरुग्वे, और वियतनाम जैसे अन्य प्रमुख वैश्विक चावल उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा हाल ही में उठाए गए कदमों को भी रिपोर्ट में शामिल करने का आग्रह किया।

भारत में कर के तर्कसंगत होने तक लक्जरी कार की पहुंच कम बनी रहेगी: ऑडी

मुओनियो ।

जर्मनी की वाहन निर्माता कंपनी ऑडी भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित है, लेकिन उसका कहना है कि उच्च करों को तर्कसंगत बनाकर कम करने तक देश में लक्जरी कार की पहुंच दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में कम बनी रहेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। ऑडी को भारत में लक्जरी कार खंड की वृद्धि 2024 मध्यम से कम रहने की उम्मीद है। 2023 में यह करीब 25 प्रतिशत रही थी। ऑडी इंडिया के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि समग्र कार उद्योग बढ़ रहा है, साथ ही लक्जरी खंड भी बढ़ रहा है। पिछले साल उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि हुई। उन्होंने कहा, भारत की जीडीपी बढ़ रही है, मोटर वाहन उद्योग की वृद्धि के लिए आप जो भी पैमाने रखते हैं वे सभी बढ़ रहे हैं। इसलिए हमारा मानना है कि हम सही समय पर सही स्थान पर हैं। यह भारत का समय है और हम भी लगातार वृद्धि करते रहेंगे। अगर हम भारतीय लक्जरी कार क्षेत्र की तुलना करें तो हम शुरुआती चरण में हैं। उन्होंने कहा कि उस क्षेत्र के कई देशों में समग्र कार बाजार में लक्जरी कार की पहुंच पांच से छह प्रतिशत और कुछ बाजारों में 20 प्रतिशत तक है। इसलिए लगता है कि हमारे पास करने के लिए अब भी बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि करों को कम करके उन्हें तर्कसंगत बनाने से भारत में लक्जरी कार बाजार की वृद्धि को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अभी तक अधिकतर लक्जरी कार पर कुल कर दर (जीएसटी सहित उपकर) करीब 50 प्रतिशत है। अ धिकारी ने कहा कि मुझे यकीन है कि एक समय यह तर्कसंगत होगा जो हमें तेज वृद्धि करने में मदद देगा।

बजट से उत्साह, कंपनियां कुछ महीनों में अपना निवेश बढ़ाएंगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में अर्थव्यवस्था की आगे की जो तस्वीर स्पष्ट की है, उससे भे विष्य में खपत अच्छी-खासी बढ़ने की संभावना है। यही देखकर कंपनियां भी अगले कुछ महीनों में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। अंतरिम बजट आने के बाद 12 कंपनी प्रमुखों ने अपनी तैयारी बताई। उनमें से 66.67 फीसदी नई क्षमता तैयार करने की योजना बना रहे हैं। उनका कहना है कि अंतरिम बजट में साफ संकेत है कि सरकार से ठेके और ऑर्डर मिलेंगे। 75 फीसदी प्रतिभागियों को लगता है कि खपत बढ़ेगी मगर 25 फीसदी प्रतिभागियों को अगले कुछ महीनों में खपत मांग बढ़ने के आसार नहीं दिख रहे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के अपने अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे पर व्यय 11.1 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये करने की घोषणा की है। इसके बाद माना जा रहा है कि ज्यादातर नया निवेश बुनियादी ढांचा कंपनियां ही करेंगी। इन कंपनियों को रेल, मेट्रो, सड़क और राजमार्ग के साथ वर्तमान और नई हवाई अड्डा कंपनियों से बड़े पैमाने पर ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। एक बड़ी कंपनी के सीईओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा` कि इससे यह भी पता चलता है कि जुलाई में पूर्ण बजट कैसा रहेगा। बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय काफी बढ़ाया गया है और कुल खर्च बढ़ाकर 11.1 लाख

करोड़ रुपये कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2024 के संभावित खर्च पर गौर करें तो यह करीब 9.5 लाख करोड़ रुपये बैठेगा। इस लिहाज से वास्तविक बढ़ोतरी करीब 17 फीसदी दिखती है, जिससे देसी बाजार में जबरदस्त मांग पैदा होने के साथ ही निजी निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा भी मिलेगा।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को दी मंजूरी

- आईसीआईसीआई बैंक के साथ 5 अन्य बैंक में 9.5 फीसदी की होगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उसे मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद अब एचडीएफसी बैंक आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित 6 लेंडर बैंक में से प्रत्येक में 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं। बता दें कि एचडीएफसी बैंक ग्रुप के अंतर्गत एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी और अन्य शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि एचडीएफसी बैंक द्वारा आरबीआई को 18 दिसंबर, 2023 को किए गए आवेदनों के अनुसार मंजूरी दी गई थी। एचडीएफसी बैंक एक्सिस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक,

बंधन बैंक, यस बैंक और इंडसइंड बैंक की हिस्सेदारी हासिल करेगा। बता दें कि आरबीआई की मंजूरी 4 फरवरी, 2025 तक एक वर्ष की अवधि के लिए वैध है। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार एचडीएफसी बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि 6 बैंकों में कुल हिस्सेदारी हर समय संबंधित बैंकों की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकार के 9.50 प्रतिशत से अधिक न हो। इसके अलावा चूंकि आरबीआई के निर्देश एचडीएफसी बैंक पर लागू होते हैं, इसलिए बैंक ने समूह की ओर से आरबीआई को आवेदन दिया है।

बीएलएस ई-सर्विसेज के शेयर 129 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 135 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 129 प्रतिशत के उछाल के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 128.88 प्रतिशत चढ़कर 309 रुपये पर शुरुआत की। बाद में 157.70 प्रतिशत बढ़कर 347.90 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर ये 125.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,919.22 करोड़ रुपये रहा। बीएलएस ई-सर्विसेज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले गुरुवार को बोली के आखिरी दिन 162.48 गुना अभिदान मिला था। 2,30,30,000 तक के इक्विटी शेयर के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 129-135 रुपये प्रति शेयर था। बीएलएस ई-सर्विसेज, बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। यह वीजा और कांसुलर सेवाएं प्रदान करती है।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं –

रोटा वायरल डायरिया – इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी–कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा – इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन – इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने – सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय: छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया – यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी–कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना – सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही – अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना – अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना – आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना – ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान – धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे – रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं – जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें – यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे – अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें – अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं – स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी–कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक–दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव–मरून, रस्ट–मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट–ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा–दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच–ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स–ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक–2–6–8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख–आनंद कारक समय है। शुभांक–1–3–5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग–दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक–3–6–7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़–तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक–6–8–9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक–2–5–7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक–2–5–7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग–जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद–विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक–2–5–6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग–विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक–2–6–8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान–पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक–4–6–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक–5–7–9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक–4–6–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान–पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक–5–7–9

काकुरो पहेली - 3087

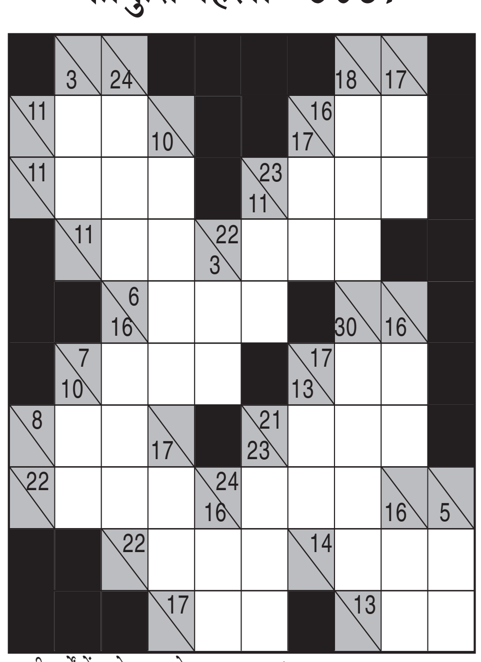

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3086 का हल

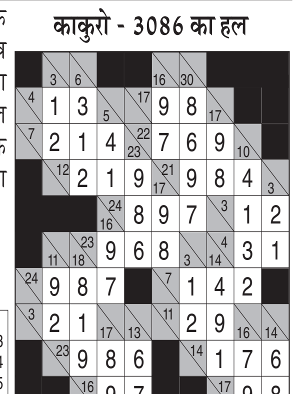

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी, मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली - 3087

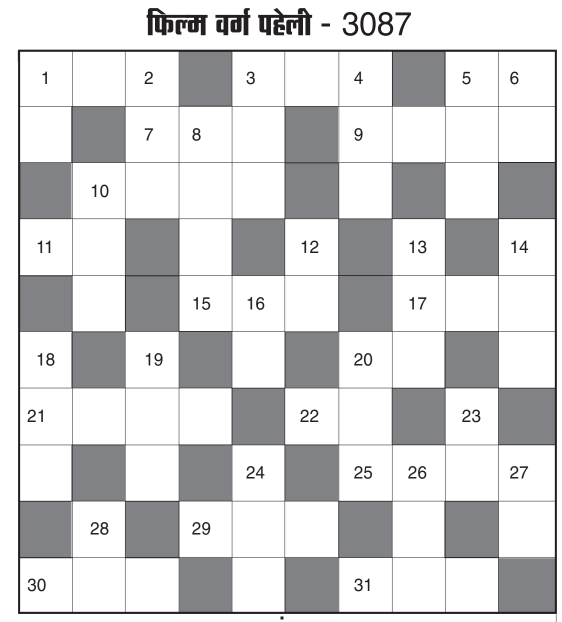

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3086

सूडोकु -3087

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3086 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली -3087

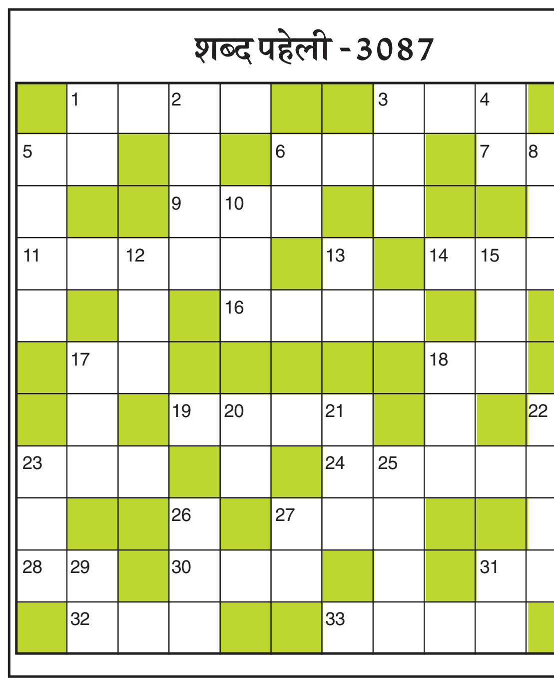

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -3086 का हल

अबू धाबी ओपन के दूसरे दौर में रादुकानु

अल रावदाह।

ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु ने अपने अबू धाबी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पहले दौर के मुकाबले में चेक गणराज्य की मैरी बौजकोवा को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। चोटों से जूझने के बाद साल की शुरुआत में एक्शन में लौटने के बाद रादुकानु को अपनी लय हासिल करने में कुछ समय लगा। जबकि, मैरी बौजकोवा शुरुआती चरण में अधिक आश्वस्त दिखीं और पहले दो गेम भी अपने नाम किए। धीरे-धीरे 2021 यूएस ओपन चैंपियन ने कुछ बेहतरीन ड्रॉप-शॉट्स के साथ खेल में पैर जमाना शुरू कर दिया। जो इस बात का संकेत था कि वो धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर रही हैं। जब उन्होंने पहला सेट 4-4 से बराबर किया, तो मुकाबला रोमांचक होने लगा। रादुकानु ने अगले दो गेम जीतकर पहला सेट जीत लिया और यहां से वो जीत से बस चंद कदम दूर थीं। दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रादुकानु ने कुछ बेस्ट शॉट्स खेले जिसका मैरी बौजको के पास कोई जवाब नहीं था। रादुकानु ने अंत में पूर्व विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट बौजकोवा को 1 घंटे और 22 मिनट में हराकर दूसरे दौर में अपना स्थान हासिल किया। सीज़न के पहले क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने की कोशिश में रादुकानु का अगला मुकाबला नंबर 2 सीड ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर से होगा।अरब स्टार जाबेउर का सामना करने की संभावना पर रादुकानु ने कहा, वह निश्चित रूप से यहां घरेलू पसंदीदा हैं, जो होना भी चाहिए। मैं वास्तव में ओन्स को काफी पसंद करती हूं, वह ऐसी व्यक्ति हैं जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है।

मुंबई ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंची श्रीवल्ली, शारापोवा की पोशाकें देखकर टेनिस की ओर प्रेरित हुई

मुंबई ।

भारत की उभरती हुई महिला टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली भामिदिपति ने क्वालीफाइंग दौर में दो शानदार प्रदर्शन कर मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है। श्रीवल्ली इस टूर्नामेंट में अपना अलग ही प्रभाव छोड़ना चाहती हैं। ये टूर्नामेंट छह साल के बाद मुम्बई के प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में खेला जा रहा है। एकल और युगल दोनों ही दौर में श्रीवल्ली शारापोवा से प्रेरित नजर आयीं। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रही मारिया शारापोवा की सुंदर पोशाकों को देखकर टेनिस की ओर आकर्षित हुई। श्रीवल्ली के अनुसार शारापोवा द्वारा पहनी गई खूबसूरत पोशाकों को देखकर उनमें खेल के प्रति जुनून जगा। उन्होंने कहा, मैं शारापोवा की तस्वीरें देखती थी और मुझे उसके सुंदर कपड़े बहुत पसंद आते थे। मैं भी ऐसी सुंदर पोशाकें पहनना चाहती थी और यही कारण है कि मैंने 11 साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया और इस खेल से जुड़ गई। टेनिस खेलने से मुझे सुंदर पोशाकें पहनने का अवसर मिला। इसलिए, मेरे लिए खेलों में आना काफी आकस्मिक था। श्रीवल्ली ने खेल में रुचि होने के बाद इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए, यह हमेशा एक रोलर-कोस्टर सवारी थी। ईमानदारी से कहूं तो मुझे टेनिस का खेल और बाहर रहना बहुत पसंद है, क्योंकि इस तरह आपको घर पर रहकर पढ़ाई करने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। अपने

पहले ही डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में श्रीवल्ली एक समय में एक गेम पर ध्यान दे रही है और यह तय कर रही है कि वह कोर्ट पर मौजूद हर अवसर का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करे। इस खिलाड़ी ने कहा, डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में मेरे पास बहुत अधिक लक्ष्य नहीं थे, क्योंकि यह मेरा पहला टूर्नामेंट है और इसलिए मैं बस वहां जाकर अपना अपना टेनिस खेलना और उसका आनंद उठाना चाहती थी। साथ ही कहा कि में मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करके उत्साहित हूं और आने वाले मुकाबलों मैं किसी भी अन्य मैच की तरह सामान्य रूप से खेलूंगी।

दक्षिण एशिया की पहली महिला हैंडबॉल लीग भारत में लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करते हुए दक्षिण एशिया की पहली पेशेवर महिला हैंडबॉल लीग (डब्ल्यूएचएल) की मेजबानी का गवाह बनने जा रहा है। इस लीग में मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे। इस लीग को पावना स्पोर्ट्स वेंचर द्वारा प्रोमोट किया जा रहा है, जो दक्षिण एशियाई हैंडबॉल फेडरेशन, एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के तत्वावधान में आधिकारिक लाइसेंसधारी है और जिसे हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का समर्थन प्राप्त है। उद्घाटन संस्करण में हिस्सा लेने के लिए तैयार छह टीमों के साथ, यह लीग भारत में महिला हैंडबॉल के लिए गेम-चेंजर बनगी, जो न केवल खिलाड़ियों को अपने कौशल दिखाने के लिए एक परिवर्तनकारी मंच प्रदान करेगी बल्कि एक ऐसा मंच भी बनाएगी, जो भविष्य को बदलने में सक्षम होगा। दुनिया भर से खिलाड़ियों को शामिल करने से लीग में विविधता आएगी और इसका स्तर भी ऊंचा रहेगा। इससे देश भर के खेल प्रशंसकों को क्वालिटी हैंडबॉल एक्शन देखने का मौका मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस क्रांतिकारी लीग की घोषणा हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के लीग चेयरमैन और दक्षिण एशियाई हैंडबॉल फेडरेशन के महासचिव आनंदेश्वर पांडे ने कहा, हमें इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने पर गर्व है। भारत की पहली महिला हैंडबॉल लीग का शुभारंभ होना गौरव का क्षण है। यह लीग देश भर में महिला हैंडबॉल को बढ़ावा देने और विकसित करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। पावना स्पोर्ट्स वेंचर और एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ जुड़कर, हमारा उद्देश्य भारत में महिला हैंडबॉल के मानक को ऊपर उठाना और हमारे एथलीटों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए विश्व स्तरीय मंच प्रदान करना है। यह लीग हमारे देश में महिला हैंडबॉल के साथ-साथ महिला खेलों के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। भारत की महिला हैंडबॉल टीम ने पिछले साल जॉर्डन में पहली बार प्रतिष्ठित एशियन प्रेसिडेंट्स कप का खिताब जीता था, जबकि भारतीय जूनियर लड़कियों की हैंडबॉल टीम ने एशियन जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था और पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था।

एशियन गेम्स 2022 में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने रैंकिंग में 5वां स्थान हासिल किया।पावना स्पोर्ट्स वेंचर बुनियादी ढांचे के विकास, प्रतिभा की पहचान और जमीनी स्तर पर खेल के लिए शीर्ष स्तरीय कोचिंग सुविधाओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खेल में अगले तीन वर्षों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का पर्याप्त निवेश करने के लिए तैयार है। डब्ल्यूएचएल ने खिलाड़ियों के लिए एक समग्र विकास मंच प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ अपने जमीनी स्तर के विकास पहल के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में विदेशी मुद्रा कार्यक्रमों को एकीकृत करने की भी योजना बनाई है, जो उन्हें राष्ट्रीय और विश्व पर खेल में अपना नाम बनाने के लिए आवश्यक अनुभव प्रदान करेगा। पावना इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक और पावना स्पोर्ट्स वेंचर की चेयरपर्सन प्रिया जैन ने कहा, एक कॉर्पोरेट समूह के रूप में, पावना स्पोर्ट्स वेंचर महिला खेल सशक्तिकरण का एक मजबूत समर्थक है।

यह मानते हुए कि एक उपकरण के रूप में खेल कई पहलुओं में एक व्यक्ति के विकास को सुविधाजनक बना सकता है, हम सही मायने में खेल को बदलाव का माध्यम बनाना चाहते हैं।

हम स्पिनरों के लिए सहायक पिचों की मांग नहीं करते : द्रविड़

विशाखापत्तनम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद कहा कि हम स्पिनरों के लिए सहायक पिच की मांग नहीं करते हैं। द्रविड़ के अनुसार यह अनुमान लगाना कठिन है कि टेस्ट में पांच दिनों के दौरान कोई विशेष पिच कैसा व्यवहार करेगी। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 106 रनों से हराया था। इसके बाद से ही टर्निंग पिच को लेकर उठे सवाल से कोच नाराज हो गये। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन घरेलू मैदान पर खेलते समय स्पिनरों के लिए अधिक मददगार पिच की मांग नहीं करता है। साथ ही कहा कि ये अनुमान लगाना कठिन होता है कि टेस्ट में पांच दिनों के दौरान कोई विशेष पिच किस प्रकार का व्यवहार करती है।

वहीं इससे पहले साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ और पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ज्यादातर मैच स्पिनरों की सहायक पिच पर खेले गये थे और ऐसे अधिकतर मैच तीन के अंदर ही समाप्त हो गये थे। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के पहले दो टेस्ट चार दिनों में ही समाप्त हो गये हैं। दोनो में ही स्पिनर हावी रहे। हैदराबाद की पिच थोड़ी धीमी गति की थी जबकि विशाखापत्तनम में अधिकांश समय के दौरान पिच सपाट रही। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने के बाद जब द्रविड़ से जब पूछा गया कि आने वाले तीन मैचों की पिच भी विशाखापत्तनम की तरह ही होगी तो उन्होंने कहा कि अन्य लोगों की तरह उन्हें भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। द्रविड़ ने कहा, '' क्यूरेटर पिच तैयार करते है। इस इस प्रकार की मांग नहीं करते हैं। भारत में पिचों पर गेंद टर्न लेती है पर कितना टर्न लेती है उसके विषय पर मैं बता नहीं सकता हूं क्योंकि में कोई विशेषज्ञ नहीं हूं। आमतौर पर भारत में चार या पांच दिनों के दौरान पिच से स्पिनरों को सहायता मिलती है।''

स्टोक्स ने कहा क्राउली डीआरएस तकनीक की गलती से आउट हुए

विशाखापत्तनम ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली करारी हार पर निराशा जताते हुए डीआरएस प्रणाली पर भी सवाल उठा दिये। स्टोक्स के अनुसार उनकी टीम के सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली को डीआरएस तकनीक में गलती के कारण ही पगबाधा करार दिया गया। इस मैच की दोनों पारियों में क्राउली ने 76 और 73 रन बनाये थे। क्राउली को कुलदीप यादव की गेंद पर पगबाधा करार दिया गया। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के डीआरएस लेने के बाद उन्हें आउट करार दिया गया। कुलदीप ये गेंद मिडिल स्टंप के सामने टप्पा खाने के बाद लेग स्टंप की ओर घूम रही थी। डीआरएस में गेंद लेग स्टंप से टकराते दिखी पर स्टोक्स इससे सहमत नहीं दिखे। स्टोक्स ने कहा कि खेल में तकनीक का इस्तेमाल होता है। हर कोई जानता है कि यह कभी भी 100 फीसदी नहीं हो सकता है। मुझे लगता है कि इस अवसर पर भी तकनीक ने गलत परिणाम दिया।

उन्होंने कहा कि यह मेरी निजी राय है। साथ ही कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि यह हमारी हार का कारण था। मैं केवल इतना कह रहा हूं कि तकनीक गलत साबित हो गयी। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा कि आप वास्तव में उन चीजों के साथ बहुत कुछ नहीं कर सकते जो बीत गयी हैं। मैच का फैसला हो गया है जिसे पलटा नहीं जा सकता।

दूसरे टेस्ट में जीत से भारतीय टीम डल्यूटीसी रैंकिंग में ऊपर आयी

विशाखापत्तनम ।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली जीत से भारतीय टीम को लाभ हुआ है और टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 (डल्यूटीसी) रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी नंबर एक पर कायम है। वहीं हैदराबाद में पहला टेस्ट हारने के बाद भारतीय टीम 5वें स्थान पर फिसल गयी थी पर अब विशाखापत्तनम टेस्ट जीत के कारण उसे रैंकिंग में लाभ हुआ है। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर एक धमाकेदार जीत के बाद, भारत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, टीम इंडिया ने साथ ही शीर्ष पर कायम ऑस्ट्रेलिया के बीच के अंतर को भी कम कर दिया है। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड से मिली 28 रन की हार के बाद भारत को डब्यूटीसी रैंकिंग में भारी नुकसान उठाना पड़ा था। इससे डल्यूटीसी रैंकिंग में भारत बांग्लादेश से भी नीचे खिसककर 5वें स्थान पर पहुंच गया था। वहीं दूसरे टेस्ट में जीत ने उसे रैंकिंग में वापस शीर्ष पर पहुंचा दिया है, जिससे उनका अंक प्रतिशत 52.77 हो गया है। वहीं अंक तालिका में शीर्ष 5 टीमों के बीच कड़ी टक्कर बनी हुआ है, और शीर्ष 5 टीमों के बीच अंक प्रतिशत में केवल 5 फीसदी का अंतर है। ऑस्ट्रेलिया 55 फीसदी अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर कायम है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश 50 फीसदी अंक प्रतिशत के साथ क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर है। विशाखापत्तनम टेस्ट में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 28 रन से जीत हासिल की थी। जीत के लिए 399 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 292 रन पर ही सिमट गयी थी। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने 3-3 विकेट लिए। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज अब 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी है। । भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच समाप्त होने के बाद भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बुमराह चैम्पियन खिलाड़ी है। रोहित ने कहा, आप जानते हैं कि इन हालातों में टेस्ट जीतना आसान नहीं है। हम चाहते थे कि हमारे गेंदबाज आगे बढ़ें और उन्होंने वैसा ही किया।

गांगुली के टर्निंग ट्रैक बयान पर द्रविड़ का करारा जवाब

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद कहा कि जिस प्रकार हमारे गेंदबाज प्रदर्शन कर रहे हैं उसको देखते हुए मुझे लगता है कि हमें टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही नहीं है। गांगुली ने सोशल मीडिया में लिखा, जब मैं बुमराह, सिराज और मुकेश कुमार को गेंदबाजी करते देखता हूं तो सोचता हूं कि हमें भारत में टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही क्या है। अच्छे विकेट पर मैच खेलने की मेरी चाहत हर एक मैच के साथ और ज्यादा बेहतर होती जाती है। ये गेंदबाज किसी भी सतह पर आपके लिए 20 विकेट ले सकते हैं। उनको कुलदीप और अक्षर जैसे स्पिनरों का साथ चाहिए। साथ ही कहा कि घर पर टर्निंग पिच के कारण पिछले कुछ साल में बल्लेबाजी का स्तर थोड़ा नीचे गिरा है। इसलिए अच्छे विकेट का होना तो बेहद जरूरी है। गांगुली के सोशल मीडिया पर दिये इस बयान पर टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने करार जवाब देते हुए कहा, '' क्यूरेटर पिच तैयार करते है। 'हम 'रैंक टर्नर' नहीं मांगते। स्वाभाविक है कि भारत में पिचों पर गेंद टर्न लेगी पर गेंद कितना टर्न लेगी बताया नहीं जा सकता क्योंकि मैं विशेषज्ञ नहीं हूं। भारत में चार या पांच दिनों के दौरान पिच से स्पिनरों को मदद मिलती है।'' भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 106 रनों से हराकर सीरीज में बराबरी की है। ऐसे में अब बचे हुए तीन मैचों में भी पिच की भूमिका अहम रहेगी। दूसरे टेस्ट में मेहमान टीम के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और कुलदीप यादव का सामना नहीं कर पाये थे।

संक्षिप्त समाचार

कोच बाउचर ने बताया रोहित को कप्तानी से हटाने का कारण

रितिका के बयान से विवाद बढ़ा

केप टाउन । आईपीएल के 2024 सत्र के लिए मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाये जाने को लेकर प्रशंसकों ने काफी सवाल भी उठाये थे। वहीं कई दिग्गजों ने भी मुम्बई को पांच बार खिताब जिताने वाले कप्तान को हटाने पर नाराजगी जाहिर की थी। वहीं अब टीम के कोच मुख्य कोच मार्क बाउचर ने खुलासा किया है कि रोहित को टीम की कप्तानी से हटाना एक कठिन फैसला था। बाउचर ने साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी प्रबंधन यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि वह रोहित से अतिरिक्त बोझ हटाना चाहते थे। बाउचर ने हुए कहा कि हमने हार्दिक को एक खिलाड़ी के रूप में वापस लाने के लिए विंडो देखी। हम अभी भी रोहित को एक खिलाड़ी के रूप में चाहते हैं। हम जानते हैं कि वह टीम के लिए क्या कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि वह कप्तानी के बोझ के बिना अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले। उनक पिछले कुछ सत्र बल्लेबाजी के तौर पर सर्वश्रेष्ठ नहीं रहे पर उन्होंने कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। बाउचर को उम्मीद है कि रोहित अब कप्तानी से आजाद होने के बाद खुलकर बल्लेबाजी करेंगे। साथ ही कहा कि अब जब वह आईपीएल में कदम रखेंगे, तो कप्तान के रूप में उन पर से अतिरिक्त दबाव हट जाएगा और हो सकता है कि हमें रोहित से इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मिल जाए। वहीं रोहित की पत्नी रितिका सजदेह बाउचर के बयान के बाद जो कमेंट किया है उससे विवाद गहरा हो सकता है। रितिका ने टिप्पणी की, इसमें बहुत सी चीजें गलत हैं और इसे प्रशंसकों का ध्यान खींचने में ज्यादा समय नहीं लगा। उनका ये कमेंट जमकर वायरल होने लगा। इससे साफ है रोहित ओर मुम्बई टीम के बीच सबकुछ ठीक नहीं है।

शुभमन ने कराया उंगली का स्कैन, शीघ्र फिट होने की उम्मीद

दूसरी पारी में इंजेक्शन लगाकर उतरे थे खेलने

विशाखापत्तनम । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि उंगली की चोट के कारण उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में इंजेक्शन लगाकर खेलना पड़ा था। शुभमन ने उंगली का 'स्कैन कराया है जिसमें चिंता की कोई बात नहीं दिखी है। वह अगले कुछ दिनों में पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। शुभमन दूसरे टेस्ट में उंगली में चोट लगने के कारण ही क्षेत्ररक्षण के लिए भी मैदान पर नहीं उतरे थे। इसी कारण उनकी जगह सरफराज खान को क्षेत्ररक्षण के लिए रखा गया था। शुभमन ने दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 104 रन बनाए थे। भारतीय टीम की जीत के बाद इस खिलाड़ी ने कहा कि वह उंगली के स्कैन के लिए गए थे।उन्होंने कहा कि चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए मुझे कल स्कैन के लिए जाना पड़ा। वे जानना चाहते थे कि मेरी उंगली में कितना दर्द है और मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह जल्दी ठीक हो जाएगा पर फिर भी मैं इंजेक्शन लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरा था। इससे पहले सुबह भारतीय टीम प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय शुभमन की दाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी।

विराट के खेलने का फैसला टीम से जुड़ने के बाद होगा : द्रविड़

विशाखापत्तनम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के तीसरे टेस्ट में खेलने का फैसला उनके टीम से जुड़ने के बाद ही होगा। विराट अभी विदेश में हैं और माना जा रहा है कि तीसरे टेस्ट में भी उनका खेलना तय नहीं है। द्रविड़ ने कहा कि टीम से जुड़ने के बाद ही उनके तीसरे टेस्ट में खेलने पर फैसला होगा। विराट ने पहले दो टेस्ट मैचों से निजी कारणों से नाम वापस ले लिया था। द्रविड़ के अनुसार सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए टीम की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। साथ ही कहा कि चयनकर्ता टेस्ट के लिए कोहली की उपलब्धता के बारे में तभी जवाब दे पायंगे। द्रविड़ ने कहा कि हम उनसे संपर्क करेंगे और पता लगाएंगे। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं से पूछना सबसे बेहतर रहेगा। मुझे भरोसा है कि अगले तीन टेस्ट के लिए टीम चयन से पहले जवाब देने के लिए वे सबसे अच्छे लोग हैं। मुझे भरोसा है कि अगले कुछ दिनों में टीम का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट में कोहली के अलावा केएल राहुल और रवींद्र जड़ेजा की भी कमी महसूस नहीं हुई और उसने आसानी से मैच जीत लिया। यशस्वी जयसवाल ने मैच में दोहरा शतक लगाया जबकि शुभमन ने एक शतक लगाया। वहीं जसप्रीत बुमराह ने छह विकेट लिए।

2025 एशियाई शीतकालीन खेलों में बायथलॉन, कर्लिंग, आइस हॉकी भी शामिल रहेगी

हार्बिन । चीन में साल 2025 में होने वाले 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों में कुल छह खेल, 11 अनुशासन और 64 प्रतियोगिताएं होंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, जो खेल इसमें होंगे। वे हैं बायथलॉन, कर्लिंग, आइस हॉकी, स्केटिंग, स्कीइंग और स्की पर्वतारोहण। सभी छह खेलों में पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएं होंगी, साथ ही विशिष्ट विषयों में मिश्रित स्पर्धाएं भी खेली जाएंगी। वहीं ओसीए के कार्यवाहक महानिदेशक विनोद कुमार तिवारी के अनुसार, ओसीए जल्द ही एक समन्वय समिति का गठन करेगा जो खेलों के सभी स्थानों और तैयारियों को देखने के लिए जल्द ही हार्बिन का दौरा करेगी। गौरतलब है कि चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी हार्बिन को जुलाई में थाईलैंड में आयोजित 42वें ओसीए कांग्रेस द्वारा 2025 एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए चुना गया था।

भारत की तरफ आंख उठाने वाले को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : राजनाथ सिंह

–राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद देश की सुरक्षा को लेकर रक्षा मंत्री ने दिया बयान

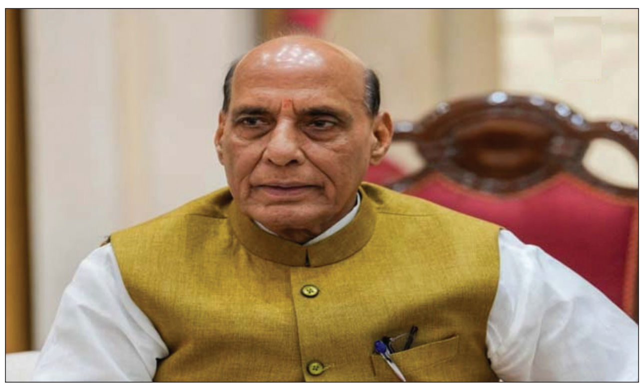

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी के बाद सदन में यह बयान दिया है। बता दें ?कि चर्चा में भाग लेते हुए चौधरी ने कहा कि अभिभाषण में देश की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली का क्या हुआ? कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक हाल बुरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में चीन से संबंधित नीति लगातार विफल रही है। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में चौधरी ने जो भी कुछ कहा है कि वह उससे असहमति व्यक्त करते हैं। सिंह ने कहा, ''मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत अब कमजोर भारत नहीं है। भारत अब ताकतवर भारत बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। संसद के पटल पर देश को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।''

सिंह ने कहा, ''अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो हमारी पार्टी देश के मान-सम्मान के साथ खड़ी रही है और खड़ी रहती।' उन्होंने कहा कि वह चौधरी की इस बात की निंदा करते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, 'चीन ने जितनी भूमि पर कब्जा किया है, वो कांग्रेस के शासन के समय किया है। मोदी जी के शासनकाल में एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं हुआ है।'' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की एक जैसी हो गई है।

मौलाना सलमान के खिलाफ एक और केस दर्ज, 30 जनवरी को कच्छ में दिया था भड़काऊ बयान

कच्छ। मुंबई के मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी के खिलाफ गुजरात में एक और कच्छ दर्ज किया गया है। 31 जनवरी को सौराष्ट्र के जूनागढ़ में भड़काऊ भाषणबाजी के मामले में गुजरात एटीएस ने मौलाना मुफ्ती सलमान को मुंबई के घाटकोपर से गिरफ्तार किया था। आज कच्छ में मौलाना के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मौलाना ने 30 जनवरी को कच्छ में भी ऐसी ही भड़काऊ भाषणबाजी की थी, जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता था। दरअसल 31 जनवरी को जूनागढ़ में मुस्लिम समुदाय का एक धार्मिक सम्मेलन हुआ था। नशामुक्ति जागृति के नाम पर प्रशासन से मंजूरी मांगी गई थी। लेकिन इस सम्मेलन में मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी ने ऐसी बयानबाजी की जिससे दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैले। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जूनागढ़ की पुलिस ने स्वयं शिकायतकर्ता बनकर मौलाना मुफ्ती सलमान के खिलाफ केस दर्ज किया था। मौलाना को गिरफ्तार करने गुजरात एटीएस और जूनागढ़ पुलिस 4 फरवरी को मुंबई पहुंच गई। मुंबई के घाटकोपर से मौलाना को गिरफ्तार कर बीते दिन अहमदाबाद और बाद में उसे जूनागढ़ ले जाया गया। कानून के शिकंजे में फंसे मौलाना की मुश्किलें उस समय और बढ़ गईं, जब उसके खिलाफ कच्छ में एक और मामला दर्ज किया गया। 30 जनवरी को मौलाना मुफ्ती सलमान ने कच्छ में भड़काऊ बयानबाजी की थी। कच्छ के सामखियाली में गुलशने मामदी ट्रस्ट द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सीएम रेवंत रेड्डी ने सोनिया से की तेलंगाना से चुनाव लड़ने की अपील

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से तेलंगाना से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने सोमवार शाम नई दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात करके उन्हें बताया कि तेलंगाना कांग्रेस इकाई ने एक प्रस्ताव पारित कर उनसे राज्य से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। सीएम रेड्डी ने उन्हें यह भी बताया कि राज्य सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है और तैयारी शुरू हो गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोनिया गांधी से अगला लोकसभा चुनाव राज्य से लड़ने का आग्रह किया है। रेड्डी ने यहां एक आधिकारिक बयान में कहा कि राज्य से चुनाव लड़ने का अनुरोध इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि लोग उन्हें मां के रूप में देखते हैं। दरअसल, सोनिया गांधी ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया। हालां ?कि इस प्रस्ताव पर सोनिया गांधी ने यह कहकर प्रतिक्रिया दी है कि उचित समय आने पर निर्णय लिया जाएगा। मुलाकात के दौरान सीएम रेवंत रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी भी थे। उन्होंने सोनिया गांधी को अपनी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे चुनावी वादों की जानकारी भी दी। कांग्रेस की छह चुनावी गारंटियों में से, राज्य द्वारा संचालित आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और गरीबों के लिए 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य योजना पहले से ही लागू की जा रही है। जबकि राज्य सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है और तैयारी शुरू हो गई है। अब पार्टी की राज्य इकाई आगामी आम चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयारियां हो रही है।

आज दुनिया में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस

नई दिल्ली। आज पूरी दुनिया ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया है। इसमें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर प्रोत?साहित किया गया। बच्चे बड़े या बूढ़े अपने काम को आसान बनाने और समय को काटने के लिए इंटरनेट पर अच्छा खासा समय बिताते हैं। इंटरनेट पर लगातार सक्रिय रहना साइबर क्राइम की दृष्टि से क्या सुरक्षित है? क्या इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे लोग इसके फायदे के साथ-साथ इसके खतरे से भी आगाह हैं। हर रोज हो रही आर्थिक ठगी से लेकर लड़कियों की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें ब्लैकमेल तक किया जाना साइबर क्राइम में शामिल है। 2004 में यूरोपियन संघ द्वारा इंटरनेट को युवाओं के लिए सुरक्षित बनाने को सुरक्षित इंटरनेट दिवस की शुरुआत की गई थी। अब दुनिया भर में इस दिवस को फरवरी में मनाया जाता है। इस साल छह फरवरी को मनाया जा रहा है। डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि इस साल इस दिवस की थीम एक साथ बेहतर इंटरनेट है। इसका उद्देश्य सभी लोगो को मिलकर इंटरनेट को एक सुरक्षित बनाना है। इंटरनेट का दुरुपयोग कर अपराधी आए दिन निजी तस्वीरों और जानकारी से छेड़छाड़ कर लोगों खासतौर पर लड़कियों को परेशानी में डाल देते हैं लेकिन इन तक पहुंचने का रास्ता भी इंटरनेट ही निकालता है। ढिल्लों ने बताया कि कोई भी महिला एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से ऐसे मामलों की शिकायत दर्ज करा सकती है या फिर 1930 हेल्पलाइन नंबर की सहायता ले सकती हैं।

भोपाल के युवक ने गोवा में किया वृद्ध का मर्डर, नवी मुंबई में हुआ प्रेमिका के साथ गिरफ्तार

नवी मुंबई। नवी मुंबई पुलिस ने गोवा में हुई हत्या और डकैती की वारदात का खुलासा करने में सफलता हासिल की है. दरअसल नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध कार को रोका और उसमें सवार युवक और युवती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि उक्त कार चोरी की है और उन्होंने एक शख्स की हत्या करने की बात कबूल की। आरोपियों के नाम जितेंद्र साहू और राहुजा है और उन्होंने गोवा के पोरवेरिम पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर एक विला में एक वरिष्ठ नागरिक निम्स बादल की हत्या कर वहां से भाग गए थे। निम्स से उनका परिचय सोशल मीडिया के जरिए हुआ था। इस दौरान निम्स से उन्हें गोवा आने का निमंत्रण मिला. वे लोग गोवा गए और रात के समय आरोपियों ने निम्स की हत्या कर उनके गहने और कार लेकर भाग गए। आरोपी युवक का कहना है कि निम्स ने राहुजा के साथ दुराचार किया जिसके बाद उसने उसकी हत्या कर दी। बहरहाल गोवा में 77 वर्षीय निम्स की हत्या करने और उसके आभूषण, मोबाइल फोन और उसकी महंगी कार लेकर भागने की कोशिश करने वाली 22 वर्षीय लड़की और तीनों में से एक को नवी मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इकाई ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में तीसरा आरोपी फरार है और गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से पुलिस ने कार समेत चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोवा निवासी निम्स बादल की हत्या मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी जीतेंद्र साहू (32) और उसकी 22 वर्षीय प्रेमिका राहुजा ने अपने साथी कुणाल के साथ मिलकर की थी। दोनों निम्स बादल की कार, आभूषण और मोबाइल फोन लेकर भाग गए। कुणाल अकेला भगोड़ा था. किसी को शक न हो इसलिए जितेंद्र ने कार से नंबर प्लेट हटा दी थी। इसलिए गोवा पुलिस की ओर से नवी मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को यह जानकारी दी गई कि यह कार गोवा से चोरी हुई है. इसके मुताबिक पुलिस टीम ने पाली थाना पुलिस की मदद से जितेंद्र और उसकी प्रेमिका को कार समेत गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद गोवा में हुई हत्या के घटनाक्रम का खुलासा हुआ. नवी मुंबई पुलिस द्वारा इसकी जानकारी गोवा पुलिस को दे दी गई है. दोनों को गिरफ्तार करने के लिए गोवा पुलिस की एक टीम नवी मुंबई आ रही है.

हरियाणा में निजी कोचिंग संस्थानों को लेकर सरकार ला रही है कानून

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार निजी कोचिंग संस्थानों के कामकाज को विनियमित करने, भ्रामक विज्ञापनों और छात्रों के बीच बढ़ते तनाव जैसे मुद्दों के समाधान के लिए एक कानून बनाने की तैयारी में है। राज्य सरकार ने पिछले महीने हरियाणा कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2024 का एक मसौदा सार्वजनिक पटल पर रखा था तथा इस संबंध में हितधारकों और जनता से प्रतिक्रिया मांगी थी। सूत्रों ने बताया कि विधेयक को 20 फरवरी से शुरू होने वाले आगामी बजट सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। विधेयक में निजी कोचिंग संस्थानों के नियंत्रण और विनियमन के साथ उन्हें पंजीकृत करने एवं विनियमित करने का प्रावधान है। इसके साथ ही कोचिंग संस्थानों की अध्ययन सामग्री की लागत तथा अन्य शुल्कों की निगरानी का भी प्रावधान है। विधेयक के मसौदे में छात्रों और उनके अभिभावकों के हितों का ध्यान रखने, कोचिंग संस्थानों में नामांकित छात्रों के बीच तनाव को कम करने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में बेहतर शैक्षणिक सहायता प्रदान करने का भी प्रावधान है। इसमें छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर नियम बनाए गए हैं और नियमों के तोड़े जाने पर कोचिंग संस्थानों पर जुर्माने का भी प्रावधान है।

अग्निवीर वायु भर्ती के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स ने अग्निवीर वायु भर्ती लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है। एआईएफ की ओर से जारी लेटेस्ट अपडेट के अनुसार, अग्निवीर वायु (01/2025) वैकेंसी के लिए अब कैंडिडेट्स 11 फरवरी, 2024 तक अप्लाई कर सकते हैं। इससे पहले, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आज यानी कि 6 फरवरी, 2024 निर्धारित की गई थी लेकिन अब लास्ट डेट आगे बढ़ाकर 11 फरवरी कर दी गई है।

हमने अपने नेता से मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर : मांझी

–पूर्व सीएम बेटे को दिए विभाग से नाखुश, रोटी और पेट की बात से बढ़ा दी टेंशन

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि हमने अपने नेता से बड़ा विभाग देने की मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर है। मांझी अपने बेटे सुमन को दिए गए विभाग से नाखुश हैं और उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से विभाग बदलने की मांग की है। इससे उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके बेटे संतोष कुमार सुमन को दिए गए मंत्री पद से वह जरा भी खुश नहीं हैं। ऐसे में उनकी मांग है कि उन्हें दूसरा कोई विभाग का मंत्री पद मिलना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर सरकार में दो मंत्री पद की मांग की और उदाहरण देते हुए मनचाहा विभाग के बारे में भी इशारा किया। मांझी ने कहा कि हम सड़क भी बनवा सकते हैं और हम नाली भी बनवा सकते हैं। हम हर वह काम कर सकते हैं जो कोई और कर सकता है। दरअसल उनका इशारा पथ निर्माण विभाग की ओर था। पूर्व सीएम मांझी ने कहा है कि ये घर की बात है, हमको एक रोटी से पेट नहीं भरता है, हम दो तीन रोटी की मांग करेंगे ही। हम अपने नेता से मांग कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने यह कहा है कि कम से कम दो रोटी दीजिए, क्योंकि हम गरीब की राजनीति करते हैं, इसलिए ऐसा विभाग मिले कि हम अपने ग्रामीण क्षेत्र में काम कर सकें। हमने अपने नेता के सामने यह मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर है।

पूर्व सीएम मांझी ने यह भी कहा कि ये सोच लीजिए कि नहीं भी देंगे तो हम कोई अप्रिय बात नहीं कहेंगे। जहानाबाद में मीडिया से बात करते हुए मांझी ने कहा कि हमने स्पष्ट रूप से पहले भी कहा है कि जो विभाग मुझे मिलता आया है, वही विभाग मेरे बेटे को भी मिला है यह सही नहीं है। हम दो मंत्री पद की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अपने घर में मांग नहीं रखेंगे तो और किनके सामने रखेंगे। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के 2 मंत्री की मांग पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, मैं गांव से आता हूं, शहर से मेरा कोई मतलब नहीं रहता है। मैं 43 साल से काम कर रहा हूं। लोगों को मुझसे उम्मीद रहती है कि कुछ काम मैं कर दूं। यदि मुझे कोई मंत्रालय मिल जाए तो और काम हो सकता है। हमेशा मैं एक ही विभाग देखता रहूं ये अच्छा नहीं लगता है।

मांझी ने कहा कि शायद जान बूझकर हमारे समाज को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये कोई रंजिश नहीं है। इसके कारण समर्थन देने और लेने का कोई फर्क नहीं आता है। हम नीतीश जी और एनडीए के साथ हैं और रहेंगे। 12 फरवरी को जो फ्लोर टेस्ट होगा उसमें डट कर हम एनडीए का साथ देंगे। एनडीए की सरकार का विधानसभा में फ्लोर टेस्ट जो होना है, वह निश्चित रूप से सफल होगा, क्योंकि इसमें कहीं किसी को कोई किंतु परंतु का प्रश्न ही नहीं उठता है। बिहार में एनडीए की नई सरकार कायम रहेगी। बता दें कि बिहार की बदली राजनीति में जीतन राम मांझी बेहद अहम किरदार हैं। उनकी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चार विधायकों पर महागठबंधन और एनडीए, दोनों की निगाह है।

सीएम धामी ने पेश किया यूसीसी विधेयक, जय श्री राम के लगाए नारे

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को सत्र के दूसरे दिन आज यूसीसी बिल पेश किया गया है। इस दौरान सरकार द्वारा लाया गया समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश हो गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के द्वारा सदन में यूसीसी विधेयक को पेश करने के दौरान जय श्री राम के नारे भी लगे। हालांकि बाद में कार्रवाई स्थगित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज सरकार समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश कर दिया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भारतीय संविधान की एक प्रति के साथ देहरादून स्थित अपने आवास से रवाना हुए थे। उन्होंने सदन की कार्यवाही के दौरान यूसीसी विधेयक पेश किया। सीएम धामी द्वारा विधानसभा में समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश करने के बाद राज्य विधानसभा के अंदर विधायकों द्वारा वंदे मातरम और जय श्री राम के नारे लगाए गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही आज दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

समान नागरिक संहिता के प्रमुख बिंदुओं में तलाक के लिए सभी धर्मों का एक कानून होगा। तलाक के बाद भरण पोषण का नियम एक होगा। गोद लेने के लिए सभी धर्मों का एक कानून होगा। संपत्ति बटवारे में लड़की का समान हक सभी धर्मों में लागू होगा। अन्य धर्म या जाति में विवाह करने पर भी लड़की के अधिकारों का हनन नहीं होगा। सभी धर्मों में विवाह की आयु लड़की के लिए 18 वर्ष अनिवार्य होगी। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण जरूरी होगा। प्रदेश की जनजातियां इस कानून से बाहर होंगी तथा एक पति पत्नी का नियम सब पर लागू होगा, बहुपत्नी प्रथा समाप्त होगी, शामिल किए गए हैं।

नीतीश के बाद उद्धव के सुर भी बदले, मोदी की तारीफ से बढ़ी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने के बाद अब महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के एनडीए में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि सावंतवाड़ी में जनसभा के दौरान उद्धव ने पीएम मोदी की जमकर तारीफ कर डाली, बस इसी बात से कयास लगाए जा रहे हैं कि उद्धव ठाकरे भी एनडीए में जाने वाले हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव में अब बस कुछ ही महीनों का वक्त बचा है। ऐसे में चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही राजनीति सरगर्मियां तेज होती दिख रही है। इस बीच महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के सुर भी बदलते दिख रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी प्रधानमंत्री के दुश्मन नहीं थे और न ही हैं। उद्धव ठाकरे के इस बयान के बाद चर्चा है कि महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब शायद महाराष्ट्र में भी इंडी गठबंधन में फूट डलने वाली है।

बता दें कि उद्धव ठाकरे ने यहां महाराष्ट्र के सावंतवाड़ी में 4 फरवरी को एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उद्धव ठाकरे ने कहा, 'हम पहले भी कभी पीएम मोदी के दुश्मन नहीं थे और आज भी उनके दुश्मन नहीं हैं। पीएम मोदी ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने शिवसेना के साथ संबंध जोड़ने का फैसला किया था। हम आपके साथ थे। शिवसेना आपके साथ थी, लेकिन बाद में आपने हमें खुद से दूर कर दिया। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा हिंदुत्व और भगवा ध्वज आज भी कायम है, लेकिन बीजेपी आज उस भगवा ध्वज को फाड़ने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी के पक्ष में उद्धव ठाकरे के इस बयान पर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, 'ऐसा नहीं लगता कि वह ऐसा कुछ करेंगे। इसे तूल देना उचित नहीं होगा, ठाकरे एक स्वाभिमानी नेता हैं, वह ऐसा कुछ नहीं करने वाले हैं।

तीन मंदिर मांगने पर भड़के ओवैसी बोले अब धोखा नहीं खाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने इस देश के मुसलमानों से सिर्फ तीन मंदिर मांगे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि हमें दे दें तो दूसरी मस्जिदों की तरफ हम नहीं देखेंगे। महाराज के इस बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहुत बुरी तरह भड़क गए हैं। उन्होंने कहा है कि यह तो सीधा-सीधा ब्लैकमेल है। वे मुस्लिम समुदाय को खुले तौर पर धमकी दे रहे हैं। यह एक तरह से ब्लैकमेल है कि हमें जो चाहिए, वह नहीं दिया गया तो हम वही करेंगे जो छह दिसंबर 1992 को किया था। यह हिंसा का आह्वान है। यह पूछने पर कि यह धमकी कैसे हुई? हिंदू पक्ष शांतिपूर्ण ढंग से ये बात कर रहा है कि ये तीनों जगह हमें सौंप दी जाए। इस पर ओवैसी ने कहा कि ये लोग झूठे हैं। झूठ बोलना इनकी फितरत में है। इन्होंने पहले भी ऐसा किया था। ये लोग कौन होते हैं, मांग करने वाले। यह हिंदुत्व और बहुसंख्यकवाद की राजनीति है।

ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद टाइटल सूट फैसले ने ज्ञानवापी पर आए कोर्ट के फैसले की नींव रखी। अगर आपने ज्ञानवापी को लेकर 31 जनवरी का वाराणसी कोर्ट का फैसला पढ़ा है तो आपने गौर किया होगा कि फैसला सुनाने वाले जज उसी दिन जज रिटायर हो गए थे। उन्होंने बिना तर्क के यह फैसला सुनाया. उन्होंने बिना कारण बताए फैसला सुना दिया. यह फैसला पूरी तरह से गलत है। ज्ञानवापी मामले पर फैसला गलत फैसला है। बाबरी मस्जिद मामले में खुदाई की गई थी लेकिन ज्ञानवापी मामले में सर्वे किया गया.खुदाई और सर्वे में अंतर होता है। खुदाई रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में मान्य नहीं माना गया और अदालत ने साफतौर पर कहा था कि अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए किसी मंदिर को ध्वस्त नहीं किया गया। ज्ञानवापी मामले में आप कह रहे हैं कि सर्वे किया गया। सर्वे और खुदाई में अंतर होता है. हमने यह साफ किया है कि ज्ञानवापी मस्जिद निर्माण के लिए किसी मंदिर को ध्वस्त नहीं किया गया। हम सर्वे रिपोर्ट को कोर्ट में चुनौती देंगे। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद मामले में हमसे कहा गया कि आप तो यहां नमाज भी नहीं पढ़ते हैं तो कैसे अधिकार मिलेगा? लेकिन ज्ञानवापी मामले में तो मुस्लिम लगातार वहां नमाज पढ़ते आ रेह हैं। 1993 से वहां कोई पूजा नहीं हुई। तो यह एक तरह से दोयम नजरिया हुआ। अगर हम कल राष्ट्रपति भवन की खुदाई करना शुरू कर दें तो हमें वहां भी कुछ न कुछ मिल जाएगा। तो क्या हम उसके आधार पर वहां अपना दावा कर दें? ओवैसी ने राजदीप सरदेसाई के साथ इंटरव्यू में कहा कि हमारे साथ एक बार धोखा हो चुका है, हम दोबारा अपने साथ धोखा नहीं होने देंगे। अगर एक पक्ष छह दिसंबर को दोहराना चाहता है तो हम देखेंगे। हमारा कानून में विश्वास है. हम कानूनी रास्ता अख्तियार करेंगे। लेकिन यह साफ है कि हम अब देश में किसी भी मस्जिद पर अपना दावा नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि संविधान के आर्टिकल 32 का पालन होना चाहिए। जहां तक इस मुल्क के मुस्लिमों का सवाल है, हमारा इस देश के प्रधानमंत्री पर कोई भरोसा नहीं रहा। क्योंकि प्रधानमंत्री एक खास विचारधारा के आधार पर अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा रहे हैं, जो हमें कतई मंजूर नहीं है।

अजित का चाचा शरद पवार पर तंज, शरद गुट का बयान शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि ''आखिरी चुनाव को लेकर भावनात्मक अपील'' के बारे में उनके बयान की गलत व्याख्या की गई। इस बयान पर राकांपा के शरद पवार गुट ने नाराजगी जाहिर की थी। बारामती में सभा को संबोधित कर उप मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि कुछ लोग कब रुकने वाले हैं। हो सकता है कि कोई भावनात्मक अपील हो कि ये आखिरी चुनाव होगा। पता नहीं कौन सा आखिरी चुनाव होगा। उनकी टिप्पणी को 83 वर्षीय शरद पवार पर तंज के रूप में देखा गया। पलटवार कर शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र अव्हाड ने दावा किया था कि अजित ने अपनी टिप्पणियों से ''शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। अव्हाड ने कहा, अजित को अपनी अमानवीय टिप्पणियों के बारे में अवश्य सोचना चाहिए जिसमें उन्होंने कथित तौर पर शरद पवार की मृत्यु के लिए प्रार्थना की थी। महाराष्ट्र अब जानता है कि अजित पवार किस तरह के आदमी हैं।

जब आडवाणी के सामने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ के चेहरे का उड़ा रंग

–दाऊद के सवाल पर उड़ गई हवाईयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी ने ना केवल भाजपा को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी भूमिका निभाई बल्कि केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित पदों पर रहकर देश को आगे बढ़ाने में उनका बड़ा योगदान रहा है। आडवाणी की पहचान उनकी साफ जुबानी के लिए भी है। एक बार आडवाणी के सीधे सवाल से पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ भी सकते में आ गए। वह किसी तरह गोलमोल जवाब देकर झूठ बोल गए लेकिन बाद में उनके ही एक अधिकारी ने बता दिया कि वह झूठ बोल रहे थे।

बात 2001 की है जब दोनों देशों के बीच शांति समझौते के लिए जनरल मुशर्रफ आगरा कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आए थे। तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी चाहते थे कि तनाव कम हो और शांति का कोई रास्ता निकले। हालांकि पाकिस्तान हमेशा ही आंतक का समर्थक रहा हैं। इसकारण आगरा कॉन्फ्रेंस भी सफल साबित नहीं हो पाई थी। साल 2011 में आडवाणी ने अपने एक ब्लॉग में बताया था कि कैसे उनकी एक बात से ही मुशर्रफ का चेहरा लाल पड़ गया और जुबान सूख गई। दरअसल आडवाणी ने मुशर्रफ से सीधे आतंकियों पर सवाल पूछकर दाऊद इब्राहिम को सौंपने की बात कही थी। यह चर्चा राष्ट्रपति भवन में हुई थी। तब आडवाणी गृह मंत्री थे। उन्होंने ओसामा बिन लादेन को भी लेकर सवाल किया था। हालांकि मुशर्रफ ने तुरंत कहा कि दाऊद और ओसामा उनके देश में नहीं हैं। बाद में ओसामा को पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका द्वारा मारा गया। वहीं मुशर्रफ के एक अधिकारी ने ही उनकी पोल खोल दी।

पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा था कि मुशर्रफ सफेद झूठ बोल रहे थे। आडवाणी ने बताया था कि वह अधिकारी भी मीटिंग में मौजूद था। वह मुशर्रफ के सामने चुप रहा लेकिन बाद में सच बता दिया। आडवाणी ने कहा था कि मुशर्रफ का रवैया प्रत्यर्पण संधि को लेकर सकारात्मक नजर आ रहा था। आडवाणी ने मुशर्रफ से कहा आप अगर शांति के लिए एक बड़ा योगदान देना चाहते हैं, तब दाऊद को भारत को सौंप दीजिए। बताया जाता है कि दाऊद अब भी कराची में रहता है। 1993 के सीरियल ब्लास्ट मामले में वह मोस्ट वॉन्टेड है।

बीते साल अमेरिका ने दाऊद इब्राहिम को वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया। 2022 में यही सवाल पाकिस्तान फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के चीफ रहे मोहसिन बट के सामने भी रखा गया था। हालांकि उन्होंने चुप्पी साध ली।

कैलिफोर्निया में भीषण तूफान ने मचाई तबाही, भूस्खलन से जनजीवन हुआ प्रभावित

लॉस एंजेल्स। कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिमी एरिजोना के कुछ हिस्सों में बाढ़ और तेज हवा की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में लगभग 3 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में बाढ़, तेज़ हवा और शीतकालीन तूफान की स्थिति को देखते हुए लोगों को अलर्ट मैसेज दिए गए हैं। अधिकारियों ने निवासियों से बाहर जाने और ड्राइविंग को जितना हो सके सीमित करने का आग्रह किया था।राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, रविवार से पूरे लॉस एंजिल्स में 10 इंच (25.4 सेमी) से अधिक बारिश हुई है। यह क्षेत्र, देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, इस क्षेत्र में पूरे सप्ताह बारिश जारी रहने का अनुमान है। एनडब्ल्यूएस द्वारा पोस्ट किए गए एक ऑनलाइन नोटिस के अनुसार, महत्वपूर्ण बाढ़ जारी है और इसके बढ़ने की आशंका है। कैलिफोर्निया में समुद्री तूफान की वजह से राज्य में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया। तेज और तूफानी बारिश की वजह से राज्य में बहुत नुकसान हुआ। एक सप्ताह से भी कम समय में पश्चिमी तट को अपनी चपेट में लेने वाला दूसरा पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान सोमवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में पहुंच गया। कैलिफोर्निया में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। समुद्री तूफान की वजह से राज्य में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया। तेज और तूफ़ानी बारिश की वजह से राज्य में बहुत नुकसान हुआ। एक सप्ताह से भी कम समय में पश्चिमी तट को अपनी चपेट में लेने वाला दूसरा पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान सोमवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में पहुंच गया। इस तूफान की वजह से पूरे क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई जिससे सड़कों पर बाढ़ आ गई और भूस्खलन हुआ। कुछ दिन पहले दक्षिणी कैलिफोर्निया में वायुमंडलीय नदी के कारण मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए और इसके बाद अब पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान ने राज्य में तबाही मचा रखी है।

नीलामी में एक नींबू बिक गया डेढ लाख में –इंग्लैंड में हुई ये नीलामी चर्चा में

लंदन। नीलामी में कई बार कुछ ऐसी पुरानी चीज़ें लाखों में बिक जाती हैं, जिनसे कोई उम्मीद ही नहीं होती। इग्लेंड में एक ऐसा ही नींबू डेढ़ लाख रुपये में बिक गया है। आप सोच रहे होंगे कि नींबू ज़रूर कुछ खास रहा होगा, जो उसकी कीमत इतनी ज्यादा लगी। ये आम नींबू था, लेकिन नीलामी में इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये लग गई। इंग्लैंड में हुई ये नीलामी चर्चा में है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां पर एक 285 साल से रखा हुआ पुराना और सूखा हुआ नींबू 1 लाख रुपये से ज्यादा कीमत में नीलाम हुआ। नींबू लगभग 2 इंच का है और घर की सफाई के दौरान यहां अलमारी में पाया गया था। ब्रेटेल्स में हुई इस नीलामी के दौरान बताया गया कि ये एक शख्स को अपने चाचा की 19वीं सदी की एक छोटी अलमारी में रखा मिला। जब नीलामी करने वाला अलमारी की तस्वीर खींच रहा था, तभी उसकी नज़र 285 साल पुराना ये नींबू मिला। नींबू काला पड़ चुका था। नींबू पर खास मैसेज भी लिखा है – 'मिस्टर पी लू फ्रैंचिनी द्वारा 4 नवंबर, 1739 को मिस ई बैक्सटर को दिया गया'। माना जा रहा है कि ये नींबू भारत से इंग्लैंड एक रोमांटिक गिफ्ट के तौर पर लाया गया होगा। जब नींबू नीलामी के लिए रखा गया, तो अनुमान लगाया गया था कि इसकी कीमत 4200 रुपये से लेकर 6000 रुपये तक हो सकती है। हालांकि जब नीलामी शुरू हुई तो नींबू 1.47 लाख में बिका, जबकि अलमारी सिर्फ 3360 रुपये में। अक्सर देखा जाता है कि जो चीज़ें बिल्कुल बेकार लगती हैं, वो नीलामी में कीमती निकल जाती हैं। देखने में ये चीज़ें भले ही आम या कबाड़ लगती हों, इनकी कीमत आपको हैरत में डाल देगी।

चुनाव में लाभ लेने अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए इराक और सीरिया में सैन्य हमले

मास्को। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान को बढ़ाने के लिए इराक और सीरिया में सैन्य हमले करने का आरोप लगाया है। सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि बाइडेन द्वारा मध्य पूर्व में संघर्ष में शामिल होने की मंजूरी जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए घातक हमले के जवाब में नहीं बल्कि अपनी छवि को बढ़ावा देने का प्रयास है। नेबेंजिया ने कहा कि जॉर्डन ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने पिछले हफ्ते ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) और संबद्ध समूहों से जुड़े दर्जनों ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिसके लिए वाशिंगटन ने ईरानी समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया था। 2003 के बाद से क्षेत्र में अमेरिका का सबसे बड़ा ऑपरेशन जो बाइडेन द्वारा सीरिया में अवैध रूप से स्थित अमेरिकी बेस पर अपुष्ट मूल के यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) के उपयोग के हमले के प्रतिशोध के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसका कोई औचित्य नहीं है। अमेरिका में इस साल नवंबर में चुनाव होने और पूरी संभावना है कि बाइडेन का मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा। ट्रंप की वापसी की तैयारी के बीच हाल के महीनों में बाइडेन की अनुमोदन रेटिंग में गिरावट आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य पूर्व में मौजूदा तनाव को अगर अच्छी तरह से खेला जाए, तब प्रतिस्पर्धा को बराबरी पर लाने के लिए बाइडेन को आवश्यक प्रोत्साहन मिल सकता है।

भारत और अमेरिका के संबंध अब रोटी की तरह सपाट नहीं पूरी की तरह फूल चुके

वाशिंगटन। अमेरिकी ऊर्जा संसाधन राज्य सचिव जेफ़ी आर पायट ने भारत और अमेरिका के बीच विकसित हो रहे व्यापार संबंधों का वर्णन कर एक अद्वितीय पाक रूपक का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध अब चपाती की तरह सपाट नहीं रहे, बल्कि विस्तारित होकर पूरी की तरह बड़े और फूले हुए हो गए हैं। पायट ने आज कोई भी अपने व्यापारिक रिश्ते को चपाती जितना सपाट नहीं बताता। यह पूड़ी की तरह बड़ा और फूला हुआ हो चुका है। मुझे लगता है कि हम वर्तमान में भारत के साथ किसी भी प्रकार के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत में शामिल नहीं हैं, लेकिन हमारे व्यापार संबंधों को और गहरा करने के तरीके के बारे में हमारे बीच चल रही और महत्वपूर्ण बातचीत चल रही है। अमेरिकी अधिकारी की टिप्पणियाँ भारत-अमेरिका व्यापार साझेदारी की गतिशील प्रकृति को दर्शाती हैं, जिसमें अमेरिका से भारत में माल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है, जो 2022 में 47.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है।

जाम्बिया में हैजा के प्रकोप, 600 लोगों की गई जान

जाम्बिया। जाम्बिया में हैजा के प्रकोप को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, इससे कई लोगों की जान जा चुकी है। भारत ने दक्षिणी अफ्रीकी देश में मानवीय सहायता भेजी है। लगभग 3.5 टन वजनी इस सहायता में जल शुद्धिकरण आपूर्ति, क्लोरीन की गोलियाँ और ओआरएस पाउच के रूप में जलयोजन शामिल है। जाम्बिया अपने इतिहास में सबसे खराब स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है, अक्टूबर 2023 से हैजा से लगभग 600 लोग मारे गए और 15,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। जाम्बिया के 10 प्रांतों में से नौ में हैजा के मामले सामने आए हैं, हालांकि इनमें से अधिकांश मामले लुसाका में हैं, जो लगभग 30 लाख लोगों का शहर है, जहां अधिकारियों ने नेशनल हीरोज स्टेडियम के बाहर एक अस्थायी उपचार केंद्र स्थापित किया है। सरकार ने एक सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है और अधिकारी जाम्बिया में प्रभावित समुदायों को प्रतिदिन 2.4 मिलियन लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रहे हैं। उल्लेखनीय रूप से, तीन महीने के प्रकोप में लगभग 4 प्रतिशत की मृत्यु दर सामान्य से काफी ऊपर है। जाम्बिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, नवीनतम प्रकोप में आधे से अधिक पीड़ितों की स्वास्थ्य सुविधा में भर्ती होने से पहले ही मृत्यु हो गई।

पाकिस्तानी नौसेना ने समुद्र में फंसे नौ भारतीय नागरिकों की मदद की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नौसेना के अधिकारियों और समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने अरब सागर में फंसे नौ भारतीय नागरिकों को समय पर मदद कर बचाया है। पाकिस्तानी सेना द्वारा जारी बयान में कहा गया कि भारतीय जहाज 'सैस फाइव' से प्राप्त संकट की स्थिति की सूचना के बाद संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया था। जहाज तकनीकी समस्या के कारण भटक गया था। यह जहाज चार फरवरी को भारत के दाभोल बंदरगाह से शारजाह के लिए रवाना हुआ था।

चीन में ईस्ट रेलवे स्टेशन इलाके में ट्रैक से बर्फ हटाते हुए कर्मचारी।

बिना सबूत निज्जर हत्याकांड की जांच में भारत नहीं करेगा सहयोग

ओटावा। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में भारत बिना सबूत के कोई सहयोग नहीं करेगा। भारत के उच्चायुक्त ने कहा कि इससे संबंधित कनाडा की जांच में भारत तब तक सहयोग नहीं करेगा जब तक कनाडाई एजेंसी हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराएगी। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में कहा कि हमें मामले से जुड़े विश्वसनीय साक्ष्य चाहिए, इसी के बाद हम किसी तरह की जांच में सहयोग कर पाएंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि हमारी यह अपेक्षा जायज है और उसी के बाद हम किसी व्यक्ति को उस पर लगे आरोप के बारे में बताकर जांच में सहयोग कर पाएंगे। अगर हमसे साक्ष्य साझा नहीं किए जाएंगे तो हमें कनाडा के अधिकारियों का सहयोग करने में कठिनाई होगी। यहां गौरतलब है कि निज्जर की जून 2023 में कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने साक्ष्य साझा किए बगैर हत्या में भारतीय अधिकारियों के जुड़े होने का आरोप लगा दिया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आ गया और भारत ने लोगों को कनाडा का वीजा देने पर रोक लगा दी थी। साथ ही नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या भी कम कर दी थी।

इस खतरनाक बीमारी के प्रकोप से जूझ रहा अफ्रीकी देश, 600 लोगों ने गंवाई जान, मदद को आगे आया भारत

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। जाम्बिया हैजा के प्रकोप को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसने पहले ही कई लोगों की जान ले ली है। भारत ने दक्षिणी अफ्रीकी देश में मानवीय सहायता भेजी है। लगभग 3.5 टन वजनी इस सहायता में जल शुद्धिकरण आपूर्ति, क्लोरीन की गोलियाँ और ओआरएस पाउच के रूप में जलयोजन शामिल है। बीबीसी के अनुसार, जाम्बिया अपने इतिहास में सबसे खराब स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है, अक्टूबर 2023 से हैजा से लगभग 600 लोग मारे गए और 15,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं।

जाम्बिया के 10 प्रांतों में से नौ में हैजा के मामले सामने आए हैं, हालांकि इनमें से अधिकांश मामले लुसाका में हैं, जो लगभग 30 लाख लोगों का शहर है, जहां अधिकारियों ने नेशनल हीरोज स्टेडियम के बाहर एक अस्थायी उपचार केंद्र स्थापित किया है। सरकार ने एक सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है और अधिकारी जाम्बिया में प्रभावित समुदायों को प्रतिदिन 2.4 मिलियन लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रहे हैं। देशव्यापी जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया है. इस बिगड़ती स्थिति से निपटने के लिए देश को सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को जुटाना पड़ा। हालाँकि, स्वास्थ्य कर्मियों को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में भौतिक पहुंच और सुरक्षित पानी तक पहुंच बाधित हो रही है।

उल्लेखनीय रूप से, तीन महीने के प्रकोप में लगभग 4 प्रतिशत की मृत्यु दर सामान्य से काफी ऊपर है। जाम्बिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, नवीनतम प्रकोप में आधे से अधिक पीड़ितों की स्वास्थ्य सुविधा में भर्ती होने से पहले ही मृत्यु हो गई।

यमन में विदेश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को बनाया नया प्रधानमंत्री

सना (एजेंसी)। यमन की राष्ट्रपति परिषद ने बड़ा उलटफेर करते हुए विदश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को नया प्रधानमंत्री बना दिया है। माईन अब्दुलमलिक सईद राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष के सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। बिन मुबारक सऊदी अरब के करीबी माने जाते हैं। परिषद ने फेरबदल के पीछे का कारण नहीं बताया। बता दें कि यमन 2014 से गृह युद्ध में उलझा हुआ है। जब ईरान समर्थित विद्रोही हूती यमन में काफी प्रभावशाली है। यमन की राष्ट्रपति परिषद ने सोमवार को प्रधानमंत्री माईन अब्दुलमलिक सईद को बर्खास्त कर दिया। परिषद ने विदेश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। इस समय अमेरिका का नेतृत्व वाला सैन्य गठबंधन यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बना रहा है। माईन अब्दुलमलिक सईद राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष के सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। बिन मुबारक, सऊदी अरब के करीबी माने जाते हैं। परिषद ने फेरबदल के पीछे का कारण नहीं बताया। बता दें कि यमन 2014 से गृह युद्ध में उलझा हुआ है। जब ईरान समर्थित विद्रोही हूती यमन में काफी प्रभावशाली है।

एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी, संतानों को कार्य मंजूरी प्रदान करने वाला द्विदलीय समझौता पेश

वाशिंगटन। बाइडेन प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा धारकों को बड़ी राहत देकर व्हाइट हाउस समर्थित द्विदलीय समझौता पेश किया गया, जिसके तहत लगभग 100,000 एच-4 वीजा धारकों को स्वत- कार्य मंजूरी मिल जाएगी, जो कुछ श्रेणी के एच-1बी वीजा धारकों के जीवन साथी और संतान हैं। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक नेतृत्व के बीच लंबी चर्चा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा समझौता एच-1बी वीजा धारकों के लगभग 250,000 संतानों के लिए भी समाधान प्रदान करता है। यह कदम उन हजारों भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए अच्छी खबर है, जो ग्रीन कार्ड के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, जिसके अभाव में उनके पति या पत्नी काम नहीं कर सकते और उनकी संतानों को वापस उनके देश भेजने का खतरा है। यह अमेरिका में प्रवासियों को इसके सबूत के तौर पर जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है कि धारक को स्थायी रूप से रहने का अधिकार दे दिया गया है। ग्रीन कार्ड जारी करने की प्रति देश एक संख्यात्मक सीमा होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, बहुत लंबे समय से, दशकों से, प्रवासन प्रणाली टूट गई है। इस ठीक करने का समय आ गया है...यह हमारे देश को सुरक्षित बनाएगा, हमारी सीमा को और अधिक सुरक्षित बनाएगा, कानूनी आव्रजन को संरक्षित करते हुए एक राष्ट्र के रूप में हमारे मूल्यों के अनुरूप लोगों के साथ निष्पक्ष और मानवीय व्यवहार करेगा।''

गाजा में हो सकता है युद्धविराम, एंटनी ब्लिंकन के दौरे से बंधी उम्मीद

यरुशलम (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के दौरे से गाजा में युद्धविराम की उम्मीदें बंध गई हैं। बता दें कि ब्लिंकन के पश्चिम एशिया दौरे से फलस्तीनियों को उम्मीद है कि इससे गाजा में युद्धविराम के लिए रास्ता साफ होगा। ऐसे में गाजा का रफाह शरणार्थी क्षेत्र इजरायली सेना की कार्रवाई से बच जाएगा। मिस्त्र की सीमा के नजदीक रफाह वह शहर है जहां गाजा के अन्य शहरों से करीब दस लाख लोगों को शरण लेने के लिए भेजा गया है। लेकिन अब इजरायली सेना वहां पर हमास लड़ाकों के छिपे होने की बात कहकर जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव को कम करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन का दौरा शुरू हो चुका है और वह सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंच गए हैं।

ब्लिंकन की पहली कोशिश यह है कि वहां पर तनाव कम करके गाजा से इजरायली बंधकों की रिहाई की बात होगी जिससे वहां पर ज्यादा दिनों के युद्धविराम के लिए इजरायल को तैयार किया जा सके। बता दें कि हमास गाजा में स्थायी युद्धविराम चाहता है, इसलिए वह 130 इजरायली बंधकों की रिहाई को लटकाए हुए है। गौरतलब है कि इन बंधकों को उसके लड़ाकों ने सात अक्टूबर को इजरायली शहरों पर हमले के दौरान अगवा किया था। ब्लिंकन का ताजा दौरा गाजा युद्ध का असर लेबनान, इराक, सीरिया, यमन और लाल सागर तक पहुंचने के दौरान हो रहा है।

कारोबारी मस्क को लेकर चौंकाने वाले दावे, प्रतिबंधित ड्रग्स का सेवन कर रहे

–इसका सेवन कुछ टेस्ला कर्मचारियों ने किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क को लेकर कुछ काफी संवेदनशील दावे किए गए हैं, जो उनकी छवी को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। खबरें है कि मस्क ने ड्रग्स का सेवन किया हैं। ये वहां ड्रग्स है, जो प्रतिबंधित हैं। मस्क ने इसका सेवन अपने कुछ टेस्ला कर्मचारियों के साथ लिया हैं। रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला और स्पेसएक्स के कुछ सेवारत और पूर्व निदेशकों को मस्क के अवैध दवाओं के उपयोग के बारे में पता था। हालांकि बोर्ड के सदस्यों के बीच कुछ चिंता थी, फिर भी वे सार्वजनिक कार्रवाई करने या इस पर जांच शुरू करने में विफल रहे। रिपोर्ट में दावा किया गया है, एक महीने बाद अखबार ने खुलासा किया कि मस्क कई दवाओं का इस्तेमाल करते थे, जिसमें से कुछ अमेरिका में प्रतिबंधित दवाएं भी शामिल थीं।

रिपोर्ट में दावा है, कि मस्क और टेस्ला और स्पेसएक्स के कई निदेशकों के बीच पैसे के संबंध हैं। टेस्ला के बोर्ड में वर्तमान और पूर्व निदेशकों में से, मस्क ने उद्यम पूंजीपति एंटोनियो ग्रेसियस, इरा एहरनपेरिस, तकनीकी चुंबक लैरी एलिसन और पूर्व मीडिया कार्यकारी जेम्स मर्डोक से जुड़ी संस्थाओं में निवेश किया है, जिन्होंने मस्क और उनके से जुड़ी कंपनियों में निवेश किया है।

मस्क ने उसमें से कुछ को करियर सपोर्ट भी दिया है, जैसे स्टीव जुर्वेटसन, जिन्होंने यौन उत्पीड़न का आरोप लगने के बाद 2017 में अपनी फर्म डीएफजे वेंचर कैपिटल से इस्तीफा दे दिया था। आरोपों के बावजूद, टेस्ला ने उन्हें 2020 में इस्तीफा देने तक एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में बनाए रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टीव जुवर्टसन ने मस्क के साथ गहरे वित्तीय संबंध साझा किए और उनके साथ पार्टियों में भाग लिया जहां एक्स्टसी और एलएसडी का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने विवादों के बीच जुर्वेटसन को असामान्य छुट्टी लेने की अनुमति देने के लिए निर्देशकों पर दबाव भी डाला।

रिपोर्ट में बताया कि मस्क कोकीन, एक्स्टसी, एलएसडी और मैजिक मशरूम जैसी दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। अरबपति मनोरंजक उद्देश्यों के लिए केटामाइन का उपयोग कर रहा है, एक दवा जो उसने नुस्खे से प्राप्त की थी। एंटोनियो ग्रेसियस और स्टीव जुर्वेटसन ने भी उनके साथ ड्रग्स का सेवन किया था, यह प्रकाशन को लोगों से पता चला। रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क, अपने भाई और अपने करीबी लोगों के साथ, मैक्सिको के सैन जोस डेल काबो में स्थित होटल एल गैंज़ो में पार्टियों में भी शामिल होते हैं, रिपोर्ट में कहा गया है कि टेक बॉस ने 2022 के अंत में हॉलीवुड हिल्स में एक पार्टी में भी भाग लिया था, जहां उन्होंने पानी की बोतल से परमानंद के तरल रूप का सेवन किया। वहीं टेस्ला और स्पेसएक्स प्रमुख ने रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पिछले महीने पब्लिकेशन के आर्टिकल के बारे में बात करते हुए मस्क ने कहा था कि वह 2018 से ड्रग टेस्ट करा रहे हैं।

ऋषि सुनक और लियो वराडकर ने ऐतिहासिक समझौते के लिए मुलाकात की

लंदन। ब्रिटेन और आयरलैंड के भारतीय मूल के मंत्री ऋषि सुनक और लियो वराडकर ने उत्तरी आयरलैंड में एक ऐतिहासिक शक्ति-साझाकरण समझौते की देखरेख के लिए मुलाकात की, जहां दो साल के बाद एक विकसित सरकार ने कार्यभार संभाला। प्रधानमंत्री सुनक और ताओसीच वराडकर ने संसद भवन, स्टॉर्मॉन्ट कैसल में मुलाकात की और उत्तरी आयरलैंड में हस्तांतरण को बहाल करने के प्रयासों की सराहना की। सुनक ने कहा कि अब काम पर जाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हमने बहुत कड़ी मेहनत की है और संघ में उत्तरी आयरलैंड के स्थान की रक्षा करने में सफल रहे हैं और यूके में व्यापार के सुचारू प्रवाह और ब्रेक्सिट के परिणामस्वरूप होने वाले सभी लाभों को सुनिश्चित करने के लिए विंडसर फ्रेमवर्क के साथ हमने जो हासिल किया है, उसे आगे बढ़ाया है। जहां साउथेम्प्टन में जन्मे सुनक की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं, वहीं डबलिन में जन्मे वराडकर की पारिवारिक जड़ें महाराष्ट्र में हैं। ब्रिटिश भारतीय और आयरिश भारतीय नेताओं के बीच ऐतिहासिक चर्चा के एक रीडआउट में, डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि सुनक ने छह देशों की प्रतियोगिता में फ्रांस के खिलाफ जोरदार जीत के लिए आयरलैंड रग्बी टीम को बधाई देकर शुरुआत की।

भारत से लेकर यूरोप तक क्यों सड़कों पर आए लाखों मुस्लिम, तुर्की के षड़यंत्र में कैसे फंसे सभी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अयोध्या में प्रभु राम के भव्य, दिव्य और नव्य मंदिर के निर्माण के साथ ही कई कट्टपंथियों ने जहर उगलना शुरू किया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त से ही कई कट्टरपंथी मौलाना सहित धर्म को आधार बनाकर सियासत करने वालों ने देश के मुसलमानों को ही भड़काना शुरू कर दिया। लेकिन फिर रही-सही कसर उत्तराखंड में यूसीसी पर लाए गए बिल ने पूरी कर दी है। भारत में आम मुस्लिमों को भड़काने के लिए कई लोगों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। कट्टरपंथी मौलानाओं की बातों में आकर कई मुस्लिम सड़कों पर उतर आए हैं। लेकिन अब ये बवाल भारत ही नहीं यूरोप तक फैल गया है। यूरोप में भी अचानक नया बवाल शुरू हुआ है।

यूरोप में भी हजारों मुस्लिम प्रदर्शन कर रहे हैं। यूरोप में बसे हुए मुस्लिमों को तुर्की ने अब एक नया विक्टिम कार्ड पकड़ा दिया है। दरअसल, तुर्की ने एक बड़ा षड़यंत्र शुरू कर दिया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने धार्मिक मामलों (डियानेट) अकादमी में स्नातक समारोह के दौरान शरिया कानून के आलोचकों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि शरिया कानून के खिलाफ दुश्मनी इस्लाम के खिलाफ दुश्मनी है। राष्ट्रपति ने नए धार्मिक अधिकारियों से समाज के सक्रिय सदस्य बनने का आग्रह किया। एर्दोआन ने कहा कि यदि आप इतिहास की किताबों को देखेंगे, तो आप देखेंगे कि तुर्क मुस्लिम के बराबर है। एर्दोआन ने जोर देकर कहा और दोनों के बीच कृत्रिम दीवारें बनाने की कोशिश करने वाली किसी भी धारणा की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा, इस्लाम की पवित्र युद्ध भावना को शामिल किए बिना तुर्कीपन की परिभाषा तुर्की राष्ट्र को एक लोककथा में बदलने का एक प्रयास मात्र है।

यानी अब जो भी शरिया के कट्टर कानूनों के खिलाफ बोलेगा तो उसे इस्लाम विरोधी बता दिया जाएगा। एर्गोआन जो यूरोप में कर रहे हैं ठीक वही भारत और पाकिस्तान में बैठे कुछ कट्टर मौलाना भी कर रहे हैं। एर्दोआन दुनियाभर में डर की भावना पैदा करना चाहते हैं। एर्दोआन मुस्लिमों को शरिया के लिए सड़कों पर आने के लिए भड़का रहे हैं। आपको बता दें कि इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि डेनमार्क, फ्रांस, इटली, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देश खुलकर शरिया के खिलाफ बोल रहे हैं। नीदरलैंड ने तो शरिया और एर्दोआन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

THE PHOTON NEWS

पूनम पांडे के पब्लिसिटी स्टंट पर फूटा शर्लिन चोपड़ा का गुस्सा

अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे को लेकर शुक्रवार को खबर आई थी कि उनका निधन हो गया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया था। हालंकि, शनिवार को पूनम खुद सामने आईं और कहा कि वे जिंदा हैं। विवादों में रहने वालीं पूनम पांडे ने कैंसर जागरूकता के नाम पर ये जो कुछ किया, उससे सोशल मीडिया पर एक नई बहस छिड़ गई है। डेथ स्टंट से लोगों में आक्रोश फैल गया है। सेलेब्स से लेकर आम जनता तक हर कोई उनके व्यवहार की आलोचना कर कहा है। अब शर्लिन चोपड़ा ने उनके इस पीआर स्टंट पर प्रतिक्रिया दी है। शर्लिन चोपड़ा ने पूनम पांडे के इस पब्लिसिटी स्टंट को लेकर कहा, क्या कोई भी सामाजिक जागरूकता अभियान धोखाधड़ी और झूठ के आधार पर चलाया जा सकता है। पूनम ने फ्रॉड का इस्तमाल क्यों किया? सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित महिलाएं कह रही हैं, वो पूनम पांडे के इस स्टंट को लेकर शर्मिंदा महसूस कर रही हैं। तो आपने क्या हासिल किया, पूनम? गौरतलब है कि शुक्रवार, 2 फरवरी की सुबह करीब 11ः30 बजे पूनम पांडे के इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें लिखा गया था कि हमने सर्वाइकल कैंसर की वजह से पूनम को खो दिया है। साथ ही यह भी कहा गया कि परिवार की निजता का सम्मान किया जाए। शुरुआत में किसी को यकीन नहीं हुआ, लेकिन न्यूज एजेंसियों ने भी इस पोस्ट के हवाले से ही खबर की पुष्टि कर दी। यही नहीं, उनके मैनेजर ने भी अलग-अलग मीडिया से बात कर उनके निधन की खबर को सही ठहराया। शनिवार को अभिनेत्री ने खुद का एक वीडियो साझा करते हुए इस खबर को गलत बताया और अपने बयान में जोड़ा, मुझे खेद है कि मैं इस आंसू का कारण बनी और जिन लोगों को मैंने ठेस पहुंचाई है, उनके लिए मैं माफी चाहती हूं। मैं बातचीत में सभी को चौंकाना चाहती हूं। हम इसके बारे में पर्याप्त बात नहीं कर रहे हैं, जो कि सर्वाइकल कैंसर है। शर्लिन ने आगे कहा, हां! मैंने अपने निधन की झूठी कहानी बनाई है... चरम मुझे पता है...लेकिन अचानक हम सभी सर्वाइकल कैंसर के बारे में बात कर रहे हैं, हैं न? यह एक ऐसी बीमारी है जो चुपचाप आपकी जान ले लेती है और इस बीमारी को तुरंत सुर्खियों में आने की जरूरत थी। मुझे इस बात पर गर्व है कि मेरी मौत की खबर से मुझे क्या हासिल हुआ है। इसी बीच शनिवार को पूनम पांडे के खिलाफ वकील अली काशिफ ने एफआईआर दर्ज कराई है। मौत की झूठी खबर फैलाने के आरोप में पूनम की मैनेजर निकिता शर्मा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

यशराज प्रोडक्शन का आलिया भट्ट पर बड़ा दांव

वॉर, पठान और टाइगर जिंदा है, एक था टाइगर और टाइगर 3 के बाद अब यशराज प्रोडक्शन अपने स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म की तैयारी में जुट चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल निभाने वाली हैं। आलिया भट्ट इस फैंचाइजी की पहली फीमेल स्पाई होने वाली हैं। हाल ही में पिंकविला ने फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से लिखा है, आलिया भट्ट और शरवरी वाघ फिल्म में अहम किरदार निभाने वाली हैं। इस फिल्म को शिव रवैल डायरेक्ट करने वाले हैं, जिन्होंने हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज द रेलवे मैन डायरेक्ट की है। द रेलवे मैन में शिव का काम देखने के बाद आदित्य चोपड़ा ने उन्हें स्पाई यूनिवर्स डायरेक्ट करने की जिम्मेदारी दी है। दोनों के बीच पिछले कई दिनों से प्रोजेक्ट पर चर्चा जारी थी, हालांकि अब शिव रवैल ने ऑन पेपर फिल्म साइन कर ली है। बताते चलें कि शिव रवैल आदित्य चोपड़ा के असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुके हैं। बताते चलें कि यशराज प्रोडक्शन ने सलमान खान स्टारर फिल्म एक था टाइगर से स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत की थी, जिसमें टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 भी जुड़ चुकी हैं। अब तक स्पाई यूनिवर्स की कमान सलमान खान, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन ने संभाली थी, लेकिन ये पहली बार होगा, जब फिल्म को फीमेल स्पाई के इर्द गिर्द बनाया जाएगा।

2024 के आखिरी में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ भी यशराज प्रोडक्शन की फिल्मों में स्पाई बन चुकी हैं, हालांकि उन्हें फिल्मों में मेल स्पाई के मुकाबले कम तवज्जो दी गई थी। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होगी।

वंगा ने शाहरुख खान के साथ काम करने की जताई इच्छा

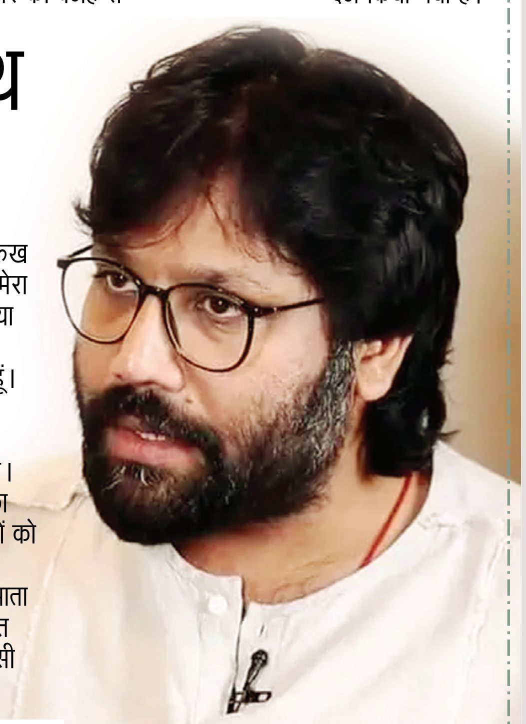

संदीप रेड्डी वांगा फिल्म एनिमल की रिलीज के बाद से ही चर्चा में बने हुए हैं। रणबीर कपूर, बॉबी देओल अभिनीत यह फिल्म वर्ष 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। जहां दर्शकों एक वर्ग ने फिल्म को पसंद किया, वहीं दूसरे वर्ग ने महिला विरोधी फिल्म बताकर आलोचना की। वहीं, अब एक बातचीत के दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने खुलासा किया कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने फिल्म का टीजर देखा है और उन्हें यह पसंद आया है। इसके अलावा उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा भी जाहिर की। संदीप रेड्डी वांगा ने शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि हालांकि वे शाहरुख से दो बार मिल चुके हैं, लेकिन साथ में सहयोग करने के बारे में कोई बात नहीं हुई है। एनिमल ने कहा, मैं शाहरुख खान सर के साथ काम करना चाहता हूं। मेरा हर अभिनेता के लिए कुछ ना कुछ आइडिया रहेगा। बॉलीवुड में मैं शाहरुख सर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहता हूं। एनिमल की रिलीज के बाद एक इवेंट में शाहरुख खान ने अपनी भूमिकाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वे जिन नायकों की भूमिका निभाते हैं वे अच्छे काम करते हैं और लोगों को आशा और खुशी देते हैं लेकिन अगर वह खलनायक या बुरे आदमी की भूमिका निभाता है, तो वे चाहते है कि इस किरदार को बहुत कष्ट सहना पड़े। हालांकि, शाहरुख ने किसी फिल्म का जिक्र नहीं किया था ।

अयान मुखर्जी के वॉर 2 निर्देशन पर सिद्धार्थ आनंद ने तोड़ी चुप्पी

सिद्धार्थ आनंद इन दिनों अपनी फिल्म फाइटर को लेकर चर्चा में हैं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, सिद्धार्थ की यह फिल्म अब तक उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर पठान और वॉर की तरह झंडे नहीं गाड़ सकी है। इसी बीच यशराज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर 2 के निर्माण को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, वॉर 2 का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद नहीं बल्कि अयान मुखर्जी करेंगे। अब फाइटर डायरेक्टर ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक साक्षात्कार में सिद्धार्थ ने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि अयान मुखर्जी उनके निर्देशन में बनी वॉर की अगली कड़ी वॉर 2 का निर्देशन कर रहे हैं। गौरतलब है कि वॉर यशराज स्पाई यूनिवर्स की तीसरी फिल्म थी, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर मुख्य भूमिका में थे। सिद्धार्थ ने इस दौरान यशराज फिल्मस के प्रमुख आदित्य चोपड़ा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बातचीत की। सिद्धार्थ ने कहा, मुझे गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी बनाई फिल्म किसी और के लिए इतनी महत्वपूर्ण है। यह गर्व सिर्फ मैं महसूस कर सकता हूं। यह एक बच्चे की तरह है कि आपका बेटा किसी और की संगति में आगे बढ़ रहा है। यह ऐसा है जैसे मेरा बेटा मार्फ़्लिक्स (सिद्धार्थ आंनद क प्रोड्क्शन हाउस) में काम नहीं कर रहा है, बल्कि किसी अन्य कंपनी को लीड कर रहा है। यह उस तरह का एहसास है कि मैंने कुछ ऐसा बनाया है जो किसी और को संभालने के योग्य है। वहीं, आदित्य चोपड़ा के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, आदि और मेरे बीच एक खूबसूरत रिश्ता है। मैं इसे पिता और बेटे के रिश्ते की तरह देखता हूं, हालांकि वे इतना बूढ़े नहीं है, लेकिन मैं उनका सम्मान करता हूं और उन्हें पितातुल्य मानता हूं। सिद्धार्थ ने आगे कहा, हम हमेशा किसी न किसी चीज को लेकर बातचीत करते रहते हैं। अब मैंने पठान भी बना लिया है कल को अगर कोई और पठान 2 बनाता है, तो इसमें कोई बुरी बात नहीं है। ये मेरी रचना हैं, मुझे यह जानकर गर्व होगा कि कोई और इसे आगे ले जा रहा है।

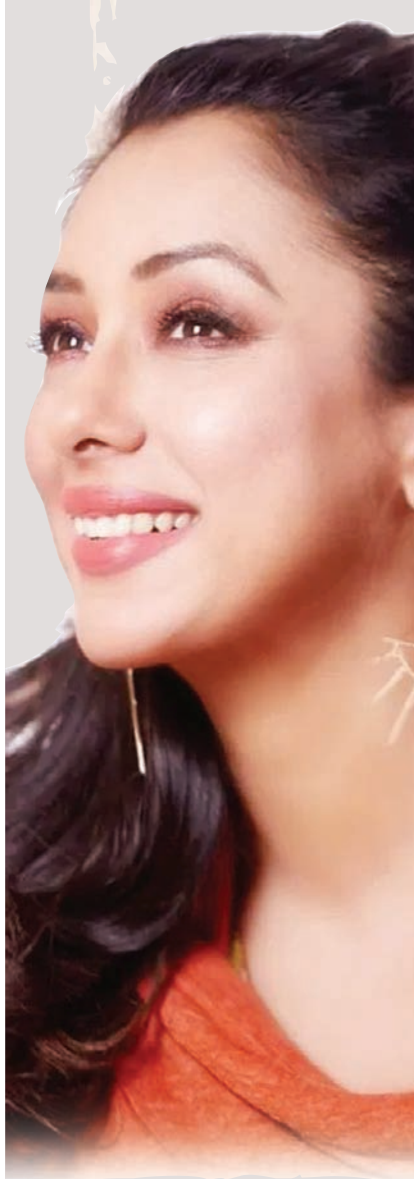

अपने संघर्ष के दिनों को याद करके बोली रूपाली गांगुली

अपने समय के बेहतरीन निर्देशकों में शामिल रहे निर्देशक अनिल गांगुली की बेटी रूपाली गांगुली इन दिनों अपने टीवी शो अनुपमा को लेकर बहुत चर्चाओं में हैं। रूपाली के पिता अनिल गांगुली फिल्में बनाते थे और एक समय ऐसा आया जब उनकी फिल्में फ्लॉप होने लगीं, उस दौर में रूपाली ने घर में मुश्किलें देखीं।

टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली आज जाना-पहचाना नाम हैं। वो टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हैं। रूपाली का शो अनुपमा घर-घर में पसंद किया जाता है। शो टीआरपी रेटिंग्स में भी टॉप रहता है। आज रूपाली सक्सेस एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, एक वक्त ऐसा भी था जब रूपाली को काफी स्ट्रगल करना पड़ा।

पापा की फिल्में हुईं फ्लॉप

बातचीत में रूपाली ने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया- मेरे पापा की फिल्में जब फ्लॉप हुईं तो हमने मुश्किल वक्त देखा और हमारे पास जो भी था वो बिक गया था। घर और जूलरी बिक गई थी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वो वर्ली से पृथ्वी थिएटर (15 किलोमीटर) तक चलकर जाती थी। स्ट्रेस की वजह से उनके पिता की तबियत खराब होने लगी और उन्हें डायबिटीज हो गई थी।

50 रुपये थी पहली सैलरी

रूपाली ने अपनी थिएटर में एंट्री को लेकर बताया- मेरा पहला प्ले पृथ्वी थिएटर में था। इसे दिनेश ठाकुर ने प्रोड्यूस किया था। मैंने अपनी थिएटर जर्नी वहां से शुरू की थी। मुझे पहले प्ले के 50 रुपये मिले थे और कभी-कभी समोसा भी मिल जाता था। ये बहुत सारा पैसा था।

रूपाली गांगुली का करियर

रूपाली के करियर की बात करें तो उन्होंने फिल्मों से शुरुआत की। वो फिल्म साहब, मेरा यार मेरा दुश्मन, बलिदान, दो आंखें 12 हाथ, अंगारा जैसी फिल्मों में दिखीं, लेकिन रूपाली का करियर फिल्मों में चला नहीं। 2000 में एक्ट्रेस ने टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। वो सुकन्या में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने दिल है कि मानता नहीं, जिंदगी...तेरी मेरी कहानी, संजिवनी, भाभी, कहानी घर-घर की जैसे शोज किए. उनके शो साराभाई वर्सेज साराभाई को काफी पसंद किया गया। 2011 में वो शो परवरिश में नजर आईं। इस शो को भी फैंस ने पसंद किया। इसके बाद रूपाली ने 2013 में एक शो होस्ट किया। फिर वो लंबे समय तक टीवी पर नजर नहीं आईं। 2020 में उन्होंने अनुपमा से वापसी की और जबरदस्त हिट हो गईं। इस शो में रूपाली गांगुली लीड रोल अनुपमा का किरदार निभा रही हैं।

शाहिद ने दिया फर्जी 2 पर जवाब, बोले- कुछ चीजें मेरे हाथ में..

बॉलीवुड में अपनी अदाकारी का लोहा मनवा चुके शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दर्शकों में इस फिल्म को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शाहिद भी अपनी फिल्म को प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पिछले दिनों तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के प्रमोशन के दौरान शाहिद अपनी आने वाली वेब सीरीज फर्जी 2 के बारे में भी मीडिया से खुलकर बातें करते दिखाई दिए।

फर्जी 2 की रिलीज डेट

शाहिद कपूर जो भी काम करते हैं उसमें अपना सौ प्रतिशत देते हैं। पिछले साल शाहिद कपूर एक वेब सीरीज फर्जी में नजर आए थे। दर्शकों को फर्जी की कहानी के साथ साथ शाहिद की भूमिका भी काफी पसंद आई थी। अब दर्शक बेसब्री से फर्जी के दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया ने जब शाहिद से फर्जी 2 के बारे में सवाल किया तब शाहिद मुस्कुराते हुए बोले, कुछ चीजें मेरे हाथ में नहीं है। मैं दर्शकों का बेहद शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने फर्जी के पहले सीजन को इतना प्यार दिया, लेकिन फर्जी 2 कब रिलीज होगी इसके बारे में मैं अभी कुछ भी नहीं बोल सकता हूं। हां, इतना जरूर बताना चाहूंगा कि जल्द ही फर्जी 2 आपके सामने होगी।

फर्जी के डायरेक्टर हैं व्यस्त

शाहिद कपूर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, सब जानना चाहते हैं कि फर्जी 2 कब बनेगी, लेकिन मैं कैसे समझाऊं कि फर्जी के निर्देशक अभी दूसरे प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। एक बार जब वे फ्री हो जाएंगे फिर फर्जी 2 पर काम शुरू करेंगे।

शाहिद का वर्क फ्रंट

पिछले दिनों शाहिद कपूर वेब सीरीज फर्जी में नजर आए थे। शाहिद कपूर के अलावा फर्जी में विजय सेतुपति और राशी खन्ना भी अहम भूमिका में दिखाई दिए थे। चंद दिनों के बाद अभिनेता की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया रिलीज होने वाली है।

राजामौली-महेश बाबू की फिल्में हुई नागार्जुन की एंट्री

एसएस राजामौली अपनी शानदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आरआरआर के बाद उनका अगला प्रोजेक्ट महेश बाबू के साथ है। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी ज्यादा उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में नागार्जुन भी नजर आ सकते हैं। महेश बाबू की यह फिल्म अभी प्री प्रोडक्शन स्टेज में है। फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इस खबर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।